रोजमर्रा हिन्दी

COURSE CODE: SGB24HD101AC

Ability Enhancement Course - Hindi
FYUG (Honours) Programmes

Self Learning Material

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

The State University for Education, Training and Research in Blended Format, Kerala

Vision

To increase access of potential learners of all categories to higher education, research and training, and ensure equity through delivery of high quality processes and outcomes fostering inclusive educational empowerment for social advancement.

Mission

To be benchmarked as a model for conservation and dissemination of knowledge and skill on blended and virtual mode in education, training and research for normal, continuing, and adult learners.

Pathway

Access and Quality define Equity.

SGOU

रोजमर्रा हिन्दी

Course Code: SGB24HD101AC

Semester-III

Ability Enhancement Course - Hindi
For Four Year Undergraduate Programmes
Self Learning Material

(With Model Question Paper Sets)

SREENARAYANAGURU
OPEN UNIVERSITY

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

The State University for Education, Training and Research in Blended Format, Kerala

रोजमर्रा हिन्दी

Course Code: SGB24HD101AC
Semester- III
Ability Enhancement Course
For FYUG Programmes

SREENARAYANAGURU
OPEN UNIVERSITY

Academic Committee

Dr. Jayachandran R.
Dr. Pramod Kovvaprath
Dr. P.G. Sasikala
Dr. Jayakrishnan J.
Dr. R. Sethunath
Dr. Vijayakumar B.
Dr. B. Ashok

Development of Content

Mohanan V.T.V.

Review and Edit

Dr. Suma S.

Linguistics

Dr. Suma S.

Scrutiny

Dr. Indu G. Das
Dr. Karthika M.S.
Dr. Mini B.
Dr. Sudha T.
Dr. Krishna Preethy A.R.
Christina Sherin Rose K.J.

Design Control

Azeem Babu T.A.

Cover Design

Lisha S.

Co-ordination

Director, MDDC :
Dr. I.G. Shibi
Asst. Director, MDDC :
Dr. Sajeevkumar G.
Coordinator, Development:
Dr. Anfal M.
Coordinator, Distribution:
Dr. Sanitha K.K.

Scan this QR Code for reading the SLM on a digital device.

Second Edition:
July 2025

Copyright:
© Sreenarayanaguru Open

ISBN 978-81-988379-7-4
9 788198 837974

All rights reserved. No part of this work may be reproduced in any form, by mimeograph or any other means, without permission in writing from Sreenarayanaguru Open University. Printed and published on behalf of Sreenarayanaguru Open University by Registrar, SGOU, Kollam.

www.sgou.ac.m

Visit and Subscribe our Social Media Platforms

MESSAGE FROM VICE CHANCELLOR

Dear learner,

I extend my heartfelt greetings and profound enthusiasm as I warmly welcome you to Sreenarayanaguru Open University. Established in September 2020 as a state-led endeavour to promote higher education through open and distance learning modes, our institution was shaped by the guiding principle that access and quality are the cornerstones of equity. We have firmly resolved to uphold the highest standards of education, setting the benchmark and charting the course.

The courses offered by the Sreenarayanaguru Open University aim to strike a quality balance, ensuring students are equipped for both personal growth and professional excellence. The University embraces the widely acclaimed "blended format," a practical framework that harmoniously integrates Self-Learning Materials, Classroom Counseling, and Virtual modes, fostering a dynamic and enriching experience for both learners and instructors.

The University aims to offer you an engaging and enriching educational journey. "**रोजमर्रा हिन्दी**" is a foundational Ability Enhancement course in Hindi, offered in the third semester of the FYUG programmes. This course is designed to equip learners with the practical use of Hindi in day-to-day life. The Self-Learning Material has been carefully developed to ensure clarity and accessibility, integrating real-life contexts and examples to enhance understanding and effective communication in Hindi. The Self-Learning Material has been meticulously crafted, incorporating relevant examples to facilitate better comprehension.

Rest assured, the university's student support services will be at your disposal throughout your academic journey, readily available to address any concerns or grievances you may encounter. We encourage you to reach out to us freely regarding any matter about your academic programme. It is our sincere wish that you achieve the utmost success.

Regards,
Dr. Jagathy Raj V. P.

01-07-2025

Contents

BLOCK - 01 भाषा की बुनियादी संरचना और दैनिक गतिविधियाँ............ 01

इकाई 1: अक्षरों की पहचान, संबोधन एवं विदाई............ 02

इकाई 2: सर्वनाम, विशेषण एवं प्रत्ययों का प्रयोग............ 20

इकाई 3: घरेलू वस्तुएँ, वचन, लिंग, योजक एवं दिनचर्याएँ............ 34

इकाई 4: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा लिंग का प्रयोग............ 56

इकाई 5: संज्ञा के साथ क्रियाओं का प्रयोग............ 65

BLOCK - 02 शुभकामनाएँ, अभिलाषाएँ एवं कहानी............ 82

इकाई 1: दैनिक गतिविधियाँ इच्छाएँ तथा वरीयताओं का वर्णन एवं सप्ताह तथा महीने............ 83

इकाई 2: चाहना, पसंद होना, अच्छा लगना, प्रश्नवाचक शब्द एवं विशेषण............ 93

इकाई 3: घटनाओं का वर्णन तथा कहानी वर्णन............ 98

इकाई 4: पूर्णभूतकाल का प्रयोग, सिनेमा की कहानी............ 102

BLOCK - 03 मेरी छुट्टी, दोस्त और यात्रा............ 106

इकाई 1: छुट्टी के बारे में............ 107

इकाई 2: समय की जानकारी............ 115

इकाई 3: यात्रा कार्यक्रम............ 120

BLOCK - 04 पशु-पक्षी, त्योहार-मेले, पेशा-धंधा, मनपसंद फिल्म आदि............ 124

इकाई 1: पशु-पक्षी, त्योहार तथा पेशा- धंधा भारत के पशु- पक्षियाँ............ 125

इकाई 2: पेशे तथा धंधे............ 131

इकाई 3: अगर-तो तथा ताकि का प्रयोग............ 134

इकाई 4: मनपसंद फिल्म के बारे में............ 137

Question Paper Sets............ 142

SGOU

BLOCK - 01

भाषा की बुनियादी संरचना और दैनिक गतिविधियाँ

SGOU

इकाई : 1
अक्षरों की पहचान, संबोधन एवं विदाई

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- नाम और स्थानों के अक्षरों की पहचान करता है
- मूल वाक्य संरचना का ज्ञान प्राप्त करता है
- उचित तीरके से संबोधन करने का ज्ञान प्रप्त करता है
- उचित तरीके से विदाई लेने की अनुमति का परिचय प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

हिन्दी भाषा की ध्वन्यात्मक संरचना में स्वर और व्यंजन का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। भाषा के ये दोनों आधारभूत घटक ही वह माध्यम हैं जिनके द्वारा विभिन्न ध्वनियाँ उत्पन्न होती हैं। स्वर वे ध्वनियाँ होती हैं जिन्हें स्वतंत्र रूप से उच्चारित किया जा सकता है, जैसे कि 'अ', 'इ', 'उ' आदि। वहीं व्यंजन वे ध्वनियाँ होती हैं जिन्हें सही उच्चारण के लिए स्वर की सहायता की आवश्यकता होती है, जैसे कि 'क', 'ग', 'प' आदि। स्वर और व्यंजन मिलकर भाषा की मूल इकाइयाँ बनते हैं, जिनसे शब्दों का निर्माण होता है और शब्द मिलकर वाक्य रचते हैं।

दैनिक जीवन में हिन्दी भाषा का प्रयोग सहज और प्रभावी बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण भाषिक पहलुओं को समझना अत्यंत आवश्यक है। इनमें सामान्य क्रियाओं के लिए प्रयुक्त शब्द शामिल हैं, जैसे खाना, पीना, जाना, आना आदि, और इनके साथ जुड़े वाक्यों के उदाहरण जैसे 'मैं बाज़ार जा रहा हूँ,' जिन्हें रोजमर्रा की बातचीत में अक्सर प्रयोग किया जाता है। इन क्रियाओं और वाक्यों का सही अभ्यास हिन्दी बोलने और समझने में आत्मविश्वास पैदा करता है।

इसके अतिरिक्त, व्यवहारिक बोलचाल में प्रयुक्त कुछ सामान्य वाक्यांश जैसे "कैसे हो?", "मुझे देर हो रही है", "क्या तुम मदद करोगे?" आदि का ज्ञान और अभ्यास संवाद को और अधिक प्रभावी और सजीव बनाता है। ये वाक्यांश न केवल रोज़मर्रा की बातचीत को सरल बनाते हैं, बल्कि भाषा को सहजता से समझने और बोलने में भी मदद करते हैं।

संख्या, समय, स्थान और दिशा से जुड़े शब्दों का ज्ञान भी संवाद को सरल और सटीक बनाने में सहायक होता है। उदाहरण के लिए, "तीन बजे मिलना है," 'बाएं मुड़ो,' 'पाँच किलोमीटर दूर' जैसे वाक्य दैनिक जीवन में दिशा-निर्देशन और समय प्रबंधन के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। ये शब्द और वाक्य संवाद को अधिक स्पष्ट और अर्थपूर्ण बनाते हैं।

भाषा के सही व्याकरणिक प्रयोग के लिए एकवचन और बहुवचन का सही रूपांतरण जानना भी आवश्यक है। जैसे 'लड़का' का बहुवचन 'लड़के' होता है, और 'किताब' का बहुवचन 'किताबें'। ये नियम भाषा को न केवल स्पष्ट बनाते हैं, बल्कि व्याकरण की दृष्टि से भी सही बनाते हैं, जिससे संवाद में किसी प्रकार की गलतफहमी नहीं होती।

सामान्य शिष्टाचार के लिए प्रयुक्त अभिव्यक्तियाँ जैसे 'धन्यवाद', 'कृपया', 'माफ़ कीजिए', 'कोई बात नहीं' भी हिन्दी भाषा में संवाद को सम्मानजनक और सभ्य बनाती हैं। ये अभिव्यक्तियाँ न केवल सामाजिक संबंधों को मधुर बनाती हैं, बल्कि बातचीत में शिष्टाचार बनाए रखने में भी सहायक होती हैं।

भिन्न-भिन्न संदर्भों-जैसे घर, विद्यालय, बाज़ार, कार्यालय, चिकित्सा केंद्र आदि-में प्रयुक्त हिन्दी शब्दावली का ज्ञान भाषा के व्यावहारिक पक्ष को मजबूत करता है। इससे न केवल भाषा का अभ्यास होता है, बल्कि सामाजिक व्यवहार में भी सहजता और समझदारी आती है।

अंततः, वाक्य संरचना का सही ज्ञान, जिसमें कर्ता, क्रिया और कर्म का क्रम होता है, भाषा को सही और प्रभावी रूप में व्यक्त करने के लिए आवश्यक है। इससे हम अपनी बात को स्पष्ट और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं।

हालांकि, कुछ लोगों को हिन्दी भाषा का ज्ञान बिल्कुल नहीं होता या बहुत सीमित होता है, जिसके कारण उन्हें संवाद करने, पढ़ने या लिखने में कठिनाई होती है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तक तैयार की गई है। यह पुस्तक सरल, स्पष्ट और प्रभावी निर्देशों के माध्यम से हिन्दी भाषा की समझ और कौशल को धीरे-धीरे विकसित करने में मदद करती है। इस पुस्तक में दिए गए अभ्यास और उदाहरण भाषा सीखने वालों को अपनी भाषा दक्षता बढ़ाने और दैनिक जीवन में आत्मविश्वास के साथ हिन्दी बोलने, समझने और लिखने में सक्षम बनाने हेतु बनाए गए हैं।

इस प्रकार, यह पुस्तक हिन्दी सीखने के लिए एक उपयोगी, मार्गदर्शक और प्रेरणादायक साधन साबित होगी, जो उनकी भाषा कौशल को बेहतर बनाने के साथ-साथ हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम और रुचि भी बढ़ाएगी।

Keywords / मुख्य बिन्दु

वर्णमाला, स्वर, व्यंजन, वाक्य, संबोधन, विदाई

Discussion / चर्चा

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
	औ	अं		

अध्यापकः बच्चो, हिन्दी के वर्ण या अक्षर दो प्रकार के होते हैं।

विवेक : हाँ, सर। स्वर और व्यजन।

अध्यापक : अच्छा, एक बार फिर इन वर्णों का परिचय पाए।

अनाज

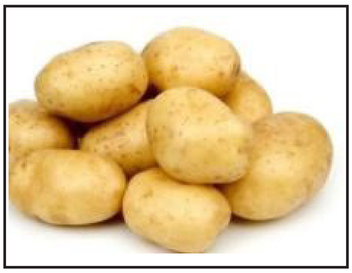

आलू

इनाम

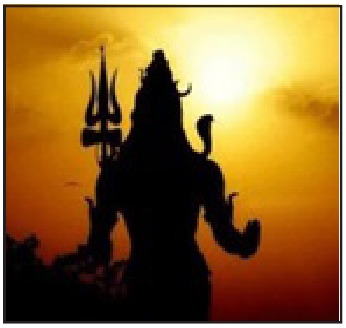

ईश्वर

उल्लू

ऊख

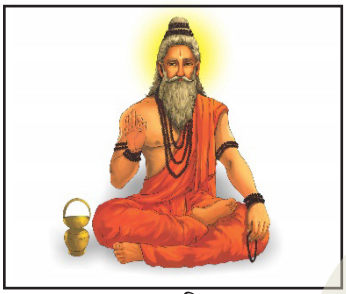

ऋषि

एक

ऐरावत

ओस

औरत

अंडा

व्यंजन

	क	ख	ग	घ	ङ.		
	च	छ	ज	झ	ञ		
	ट	ठ	ड	ढ	ण		
	त	थ	द	ध	न		
	प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व	श	ष	स	ह

कछुआ

खरगोश

गमला

घर

ङ

ङ.

चमेली

छतरी

जहाज़

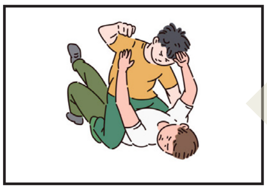

झगडा

ञ

ञ

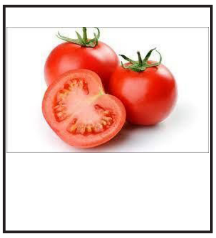

टमाटर

ठेला

डमरू

ढक्कन

ण

ण

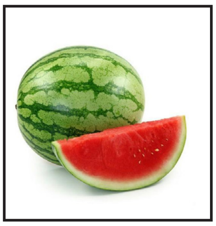

तरबूजा

थप्पड

दर्पण

धनुष

नमक

पत्ता

फसल

बकरा

भालू

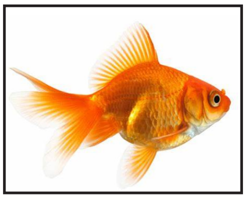

मछली

यमराज

रत्न

लहर

वन

शतरंज

षड्पद

सरोवर

हथेली

एक दूसरे को जानना

मैं	-	I	-	ഞാൻ
हम	-	We	-	ഞങ്ങൾ
तू	-	You	-	നിങ്ങൾ
तुम	-	You	-	നിങ്ങൾ
आप	-	You	-	നിങ്ങൾ
वह	-	He/She/That	-	അവൻ/അവൾ/അത്
वे	-	They /Those	-	അവർ/അത്
यह	-	He/She /This	-	ഇവൻ/ഇവൾ/ഇത്
ये	-	They /These	-	ഇവർ/ഇത്
कौन	-	Who	-	ആര്
कोई	-	Any/Someone/Anybody	-	ആരോ/എന്തോ
कुछ	-	Something /Anything	-	എന്തോ

आपका नाम क्या है?

मेरा नाम .... है।

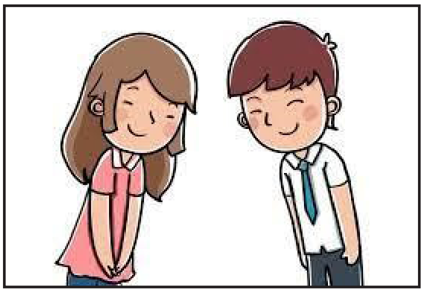

आप कहाँ रहते हैं /रहती हैं?

मैं तिरुवनंतपुरम में रहता हूँ/ रहती हूँ

आप क्या करते हैं?

मैं एक अध्यापक हूँ।

मैं गणित का अध्यापक हूँ।

अध्यापक : अच्छा। अब सब लोग अपना-अपना परिचय दो।

मेरा नाम .... है। मैं ....में रहता हूँ /रहती हूँ। मैं ....काम करता हूँ। मेरे घर में पिताजी, माताजी और एक बहन /भाई है।

अब इन प्रयोगों पर ध्यान दीजिये

मैं ......हूँ।

तुम ....हो।

आप .... हैं।

वह/यह .... है।

वे/ये ....हैं

मैं, तुम, आप, वह, यह, वे, ये आदि जब कर्ता के स्थान पर आते हैं तो क्रिया यथाक्रम हूँ, हो, हैं, है, है, हैं, हैं जैसे रूप में होती है।

अभ्यास के लिए

तुम कहाँ रहते हो?/रहती हो?

मैं .... रहता हूँ /रहती हूँ।

तुम कहाँ जाते हो? जाती हो?

मैं ऑफिस /स्कूल जाता हूँ।/जाती हूँ।

आप क्या पढ़ते हैं?

मैं पुस्तक पढता हूँ /पढ़ती हूँ।

वह क्या खाता है?/खाती है?

वह रोटी खाता है /खाती है।

आप क्या देखते हैं?

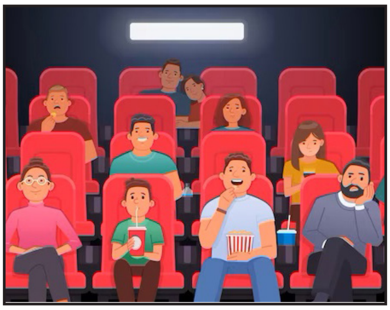

हम सिनेमा देखते हैं।

अभ्यास करें

पुल्लिंग एकवचन	पल्लिंग बहुवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	स्त्रीलिंग बहुवचन	अर्थ
आता है	आते हैं	आती है	आती हैं	come
जाता है	जाते हैं	जाती है	जाती हैं	go
करता है	करते हैं	करती है	करती हैं	do
खाता है	खाते हैं	खाती है	खाती हैं	eat
देखता है	देखते हैं	देखती है	देखती हैं	see
चलता है	चलते हैं	चलती है	चलती हैं	walk
बैठता है	बैठते हैं	बैठती है	बैठती हैं	sit
उठता है	उठते हैं	उठती है	उठती हैं	getting up
पीता है	पीते हैं	पीती है	पीती हैं	drink
लिखता है	लिखते हैं	लिखती है	लिखती हैं	write
पढता है	पढ़ते हैं	पढ़ती है	पढ़ती हैं	read/study
दौड़ता है	दौड़ते हैं	दौडती है	दौडती हैं	run
खेलता है	खेलते हैं	खेलते हैं	खेलती है	play
पूछता है	पूछते हैं	पूछती है	पूछती हैं	ask
बोलता है	बोलते हैं	बोलती है	बोलती हैं	tell
कहता है	कहते हैं	कहती है	कहती हैं	say
रोता है	रोते हैं	रोती है	रोती हैं	cry
सोता है	सोते है	सोती है	सोती हैं	sleep
चढ़ता है	चढ़ते हैं	चढ़ती है	चढ़ती हैं	climb
उतरता है	उतरते हैं	उतरती है	उतरती हैं	descends
उड़ता है	उड़ते हैं	उडती है	उडती हैं	fly
डालता है	डालते हैं	डालती है	डालती हैं	puts
बनाता है	बनाते हैं	बनाती है	बनाती हैं	make
खरीदता है	खरीदते हैं	खरीदती है	खरीदती हैं	buy
बेचता है	बेचते हैं	बेचती है	बेचती हैं	sell
छोड़ता है	छोड़ते हैं	छोडती है	छोडती हैं	leave
सुनता है	सुनते हैं	सुनती है	सुनती हैं	hear
गाता है	गाते हैं	गाती है	गाती हैं	sing
देता है	देते हैं	देती है	देती हैं	give
लेता है	लेते हैं	लेती है	लेती हैं	take
लाता है	लाते हैं	लाती है	लाती हैं	bring
माँगता है	मांगते हैं	मांगती है	मांगती हैं	demand

लड़का आता है। मैं आता हूँ। Boy comes .   I come

लड़के आते हैं। हम आते हैं। वे आते हैं। तुम आते हो।

Boys come.   We come .   They come . You come

लडकी आती है। मैं आती हूँ। वह आती है।

Girl comes . I come.   He comes .

लडकियाँ आती हैं। वे आती हैं। हम आती हैं। तुम आती हो।

Girls come .   They come . We come .You come .

(इस तरह अन्य क्रिया शब्दों का प्रयोग करके देखें)

[Points to Remember - ता है, ते हैं, ती है, ती हैं, ता हूँ, ते हो आदि सामान्य वर्तमानकालीन क्रियाएँ हैं। सामान्य वर्तमानकाल में करता के लिंग वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदलती है।]

अभ्यास :

आप क्या करते हैं?

मैं चिट्ठी लिखता हूँ।

तुम क्या खाते हो?

मैं चावल खाती हूँ।

वे क्या पढ़ते हैं?

वे हिन्दी पढ़ते हैं।

वह क्या खरीदता है?

वह पुस्तक खरीदता है।

[Points to Remember : 'क्या' प्रश्नवाचक शब्द है।]

वार्तालाप 1

अध्यापक : आप के घर में कौन-कौन से पालतू जानवर हैं?

छात्र 1 : गाय।

छात्र 2 : कुत्ता।

छात्र 3 : बकरी।

छात्र 4 : बिल्ली।

छात्र 5 : मेरे घर में भी एक गाय है।

अध्यापक : गाय के बारे में आप क्या जानते हैं?

छात्र 5 : गाय हमें दूध देती है।

छात्र 1 : गाय घास खाती है।

छात्र 2 : गाय के सफेद, काला, भूरा आदि रंग होते हैं।

छात्र 3 : गाय की लंबी पूंछ होती है।

अध्यापक : गाय के दूध से क्या-क्या बनते हैं?

छात्र 1 : गाय के दूध से दही, मक्खन, घी, छाछ आदि बनते हैं।

अध्यापक : अच्छा अब इन प्रश्नों के उत्तर दो।

1. गाय क्या देती है?
2. गाय क्या खाती है?
3. गाय के दूध से क्या -क्या बनते हैं

1. गाय दूध देती है।
2. गाय घास खाती है।
3. गाय के दूध से दही मक्खन, घी, छाछ आदि बनते हैं।

अध्यापक : ठीक है। अब हम गाय के बारे में एक अनुच्छेद तैयार करके देखें

गाय एक पालतू जानवर है। गाय दूध देती है। गाय घास खाती है। गाय के सफेद, काला, भूरा आदि रंग होते हैं। गाय के दूध से दही, घी, मक्खन, छाछ आदि बनते हैं। गाय की लंबी पूंछ होती है।

(सूचनाः हिन्दी में कर्ता - कर्म - क्रिया इसी से वाक्य बनता है। उपर्युक्त वाक्यों में 'गाय' कर्ता है, 'घास', दूध, दही, मक्खन, घी, छाछ, पूंछ आदि कर्म हैं। खाती है, देती है, बनते हैं आदि क्रियाएँ हैं।)

भारत की सभी भाषाओं की संरचना कर्ता, कर्म और क्रिया - इसी क्रम से बनती है, लेकिन अंग्रेजी में कर्ता-क्रिया - कर्म इसी क्रम में वाक्य संरचना होती है।

उदाः मैं किताब पढता हूँ।

- मैं - कर्ता, किताब - कर्म, पढता हूँ - क्रिया
- गाय घास खाती है -
  गाय -कर्ता, घास - कर्म, खाती है - क्रिया

वार्तालाप 2

अध्यापक : आज हम केरल के त्योहारों के बारे में बात करेंगे। क्या आप केरल के प्रमुख त्योहारों के नाम जानते हैं?

छात्र 1 : ओणम, विषु।

छात्र 2 : क्रिस्मेस, ईद।

अध्यापक : विषु कब मनाया जाता है?

छात्र 3 : विषु अप्रैल के महीने में मनाया जाता है।

अध्यापक : क्रिस्मेस कब मनाया जाता है?

छात्र 1 : क्रिस्मेस दिसंबर के महीने में मनाया जाता है।

अध्यापक : त्योहारों की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?

छात्र 2 : त्योहारों के समय घर में अच्छे-अच्छे पकवान बनाये जाते हैं।

छात्र 3 : त्योहारों के समय में मेले होते हैं।

छात्र 1 : हम अपने मित्रों से मिल सकते हैं।

छात्र 2 : हम नए-नए कपड़े खरीदते हैं।

अध्यापक : ठीक है। त्योहारों के बारे में एक अनुच्छेद तैयार कीजिए।

ओणम, विषु, क्रिस्मेस, ईद आदि केरल के प्रमुख त्योहार हैं। विषु अप्रैल के महीने में मनाया जाता है। क्रिस्मेस दिसंबर के महीने में मनाया जाता है। त्योहारों के समय घर में अच्छे-अच्छे पकवान बनाये जाते हैं। त्योहारों के समय में मेले होते हैं। हम अपने मित्रों से मिल सकते हैं। हम नए-नए कपड़े खरीदते हैं।

(सूचनाः उपर्युक्त् वाक्य में हम, आप, मित्र आदि कर्ता हैं। त्योहार, ओणम, विषु, क्रिस्मेस, ईद आदि कर्म हैं। जानते हैं, मनाया जाता है, बनाये जाते हैं, खरीदते हैं आदि क्रियाएँ हैं।)

उदाहरण : वे गेंद खेलते हैं। इसमें 'वे' -कर्ता है, 'गेंद' - कर्म है और 'खेलते हैं' - क्रिया है।

अध्यापक : अच्छा। अब इन प्रश्नों के उत्तर दो।

1. ओणम कब मनाते हैं?
2. क्रिसमस कब मनाते हैं?
3. तुम कब स्कूल जाते हो?
4. तुम कब स्कूल से आते हो?
5. तुम कब सोते हो?

1. ओणम श्रावण के महीने में मनाते हैं।
2. क्रिसमस दिसंबर के महीने में मनाते हैं।
3. मैं नौ बजे स्कूल जाता हूँ।
4. मैं चार बजे स्कूल से आती हूँ।
5. मैं दस बजे सोता हूँ।

[Points to Remember : 'कब' प्रश्नवाचक शब्द है।]

क्रिस्मेस दिसंबर के महीने में मनाया जा रहा है।

विषु अप्रैल के महीने में मनाया जा रहा है।

वह परीक्षा लिख रहा है।

रमेश पाठ पढ़ रहा है।

बच्चा रो रहा है।

अध्यापक : अब इन वाक्यों को देखिये। ये तात्कालिक वर्तमानकालीन क्रियाएँ हैं।

- (तात्कालिक वर्तमान काल - क्रिया धातु के साथ रहा है, रही है, रहे हैं, रही हूँ, रहा हूँ, रहा हो, रही हो- देख (क्रिया धातु)+ रहे हैं)
- वह घर जा रहा है।
- अनिता गीत गा रही है।

अभ्यास करें

पुल्लिंग एकवचन	पुल्लिंग बहुवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	स्त्रीलिंग बहुवचन	अर्थ
आ रहा है	आ रहे हैं	आ रही है	आ रही हैं	coming
जा रहा है	जा रहे हैं	जा रही है	जा रही हैं	Going
कर रहा है	कर रहे हैं	कर रही है	कर रही हैं	Doing
खा रहा है	खा रहे हैं	खा रही है	खा रही हैं	Eating
देख रहा है	देख रहे हैं	देख रही है	देख रही हैं	seeing
चल रहा है	चल रहे हैं	चल रही है	चल रही हैं	Walking
बैठ रहा है	बैठ रहे हैं	बैठ रही है	बैठ रही हैं	Sitting
उठ रहा है	उठ रहे हैं	उठ रही है	उठ रही हैं	getting up
पी रहा है	पी रहे हैं	पी रही है	पी रही हैं	Drinking
लिख रहा है	लिख रहे हैं	लिख रही है	लिख रही हैं	Writing
पढ रहा है	पढ़ रहे हैं	पढ़ रही है	पढ़ रही हैं	Reading/studying
दौड़ रहा है	दौड़ रहे हैं	दौड रही है	दौड रही हैं	Running
खेल रहा है	खेल रहे हैं	खेल रही हैं	खेल रही है	Playing
पूछ रहा है	पूछ रहे हैं	पूछ रही है	पूछ रही हैं	Asking
बोल रहा है	बोल रहे हैं	बोल रही है	बोल रही हैं	Telling
कह रहा है	कह रहे हैं	कह रही है	कह रही हैं	Saying
रो रहा है	रो रहे हैं	रो रही है	रो रही हैं	Crying
सो रहा है	सो रहे है	सो रही है	सो रही हैं	Sleeping
चढ़ रहा है	चढ़ रहे हैं	चढ़ रही है	चढ़ रही हैं	Climbing
उतर रहा है	उतर रहे हैं	उतर रही है	उतर रही हैं	Descending
उड़ रहा है	उड़ रहे हैं	उड रही है	उड रही हैं	Flying
डाल रहा है	डाल रहे हैं	डाल रही है	डाल रही हैं	Putting
बना रहा है	बना रहे हैं	बना रही है	बना रही हैं	Making
खरीद रहा है	खरीद रहे हैं	खरीद रही है	खरीद रही हैं	Buying
बेच रहा है	बेच रहे हैं	बेच रही है	बेच रही हैं	Selling
छोड़ रहा है	छोड़ रहे हैं	छोड रही है	छोड रही हैं	Leaving
सुन रहा है	सुन रहे हैं	सुन रही है	सुन रही हैं	Hearing

गा रहा है	गा रहे हैं	गा रही है	गा रही हैं	Singing
दे रहा है	दे रहे हैं	दे रही है	दे रही हैं	Giving
ले रहा है	ले रहे हैं	ले रही है	ले रही हैं	Taking
ला रहा है	ला रहे हैं	ला रही है	ला रही हैं	Bringing
माँग रहा है	मांग रहे हैं	मांग रही है	मांग रही हैं	Demanding

लड़का आ रहा है। मैं आ रहा हूँ।

Boy is coming. I am coming.

लड़के आ रहे हैं। हम आ रहे हैं। वे आ रहे हैं। तुम आ रहे हो।

Boys are coming. We are coming. They are coming. You are coming.

लडकी आ रही है। मैं आ रही हूँ। वह आ रही है।

Girl is coming. I am coming. She is coming.

लडकियाँ आ रही हैं। वे आ रही हैं। हम आ रही हैं। तुम आ रही हो।

Girls are coming .They are coming . We are coming. You are coming.

(इस तरह अन्य क्रिया शब्दों का प्रयोग करके देखें)

[Points to Remember - रहा है, रहे हैं, रही है, रही हैं, रहा हूँ, रहे हो आदि तात्कालिक वर्तमानकालीन क्रियाएँ हैं। तात्कालिक वर्तमानकाल में कर्ता के लिंग वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है।]

वार्तालाप 3

अध्यापक : आज हम हाथी के बारे में बात करेंगे। क्या आप लोगों ने हाथी को देखा?

छात्र 1 : जी हाँ, मैंने देखा है।

अध्यापक : हरीश, क्या तुमने हाथी को देखा है?

हरीश : जी सर, मैंने हाथी को देखा है।

अध्यापक : तुमने हाथी को कहाँ देखा है?

हरीश : मैंने हाथी को मंदिर में देखा है।

छात्र 2 : मैंने हाथी को जंगल में देखा।

अध्यापक : ठीक है। हाथी के बारे में आप लोग क्या-क्या जानते हैं?

छात्र 1 : हाथी काले और भूरे रंग के होते हैं।

छात्र 2 : हाथी की बडी पूँछ होती है।

छात्र 3 : हाथी के सींग होते हैं।

छात्र 4 : हाथी की आँखें छोटी होती हैं।

छात्र 1 : हाथी का सिर बडा होता है।

छात्र 3 : हाथी का सूँड होता है।

अध्यापक : ठीक है। हाथी के बारे में एक अनुच्छेद तैयार कीजिए।

हाथी बड़ा जानवर है। हाथी काले और भूरे रंग के होते हैं। हाथी की बड़ी पूँछ होती है। हाथी के सींग होते हैं। हाथी की आँखें छोटी होती हैं। हाथी का सिर बड़ा होता है। हाथी का सूँड होता है।

(उपर्युक्त वाक्य में कर्ता- हाथी, क्रिया- होती है।)

अध्यापक :

अभ्यास करें- (कर्ता, कर्म, क्रिया)

1. वे बाग में घूमने जाते हैं। They go for a walk in the garden.
2. वे बाग़ में घूमने जा रहे हैं। They are going for a walk in the garden.
3. वह पानी पीता है। वह पानी पी रहा है।
4. He drinks water. He is drinking water
5. हम चाय पीते हैं। हम चाय पी रहे हैं।
6. We drink tea. We are drinking tea.

वार्तालाप 4

रेलवे स्टेशन में

यात्री : सर, मैं हैदराबाद जाना चाहता हूँ।

सूचना केंद्र के अधिकारी : ठीक है। आप कब जाना चाहते हैं?

यात्री : मैं अगले रविवार को हैदराबाद जाना चाहता हूँ। हैदराबाद जाने केलिए कौन-कौन सी गाड़ियाँ हैं?

अधिकारी : तिरुवन्तपुरम से हैदराबाद जाने के लिए एक गाड़ी है।

यात्री : सर, वह गाड़ी कौन सी है?

अधिकारी : शबरी एक्सप्रेस।

यात्री : वह गाड़ी कितने बजे तिरुवन्तपुरम से शुरु होती है?

अधिकारी : सुबह ग्यारह बजे।

यात्री : ठीक है। क्या उस गाडी में आरक्षण मिलेगा?

अधिकारी : जी हाँ। आपको कितनी टिकटें चाहिए?

यात्री : सर, मुझे एक टिकट चाहिए।

अधिकारी : ठीक है।

यात्री : सर, वह गाड़ी कौन-से प्लाटफॉर्म में रुकती होगी?

अधिकारी : प्लाटफॉर्म नंबर दो।

यात्री : धन्यवाद सर।

अभ्यास करें - उपर्युक्त वार्तालाप के वाक्यों में कर्ता, कर्म और क्रिया का विवेचन कीजिए।

- शबरी एक्सप्रेस प्लाटफॉर्म नंबर दो में रुकती होगी। (रेखांकित क्रिया पद को देखिये। यह संदिग्ध वर्तमान कालीन क्रिया है। सन्दिग्ध वर्तमान काल - क्रिया धातु के साथ ता होगा, ती होगी, ते होंगे, ती होंगीं - रुक (क्रिया धातु) + ती होगी का प्रयोग होगा)
- वह पढता होगा।
- राधा प्रतीक्षा करती होगी।

अभ्यास करें

पुल्लिंग एकवचन	पुल्लिंग बहुवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	स्त्रीलिंग बहुवचन	अर्थ
आता होगा	आते होंगे	आती होगी	आती होंगी	May be coming
जाता होगा	जाते होंगे	जाती होगी	जाती होंगी	May be going
करता होगा	करते होंगे	करती होगी	करती होंगी	May be doing
खाता होगा	खाते होंगे	खाती होगी	खाती होंगी	May be eating
देखता होगा	देखते होंगे	देखती होगी	देखती होंगी	May be seeing
चलता होगा	चलते होंगे	चलती होगी	चलती होंगी	May be walking
बैठता होगा	बैठते होंगे	बैठती होगी	बैठती होंगी	May be sitting
उठता होगा	उठते होंगे	उठती होगी	उठती होंगी	May be sitting up
पीता होगा	पीते होंगे	पीती होगी	पीती होंगी	May be drinking
लिखता होगा	लिखते होंगे	लिखती होगी	लिखती होंगी	May be write-ing
पढता होगा	पढ़ते होंगे	पढ़ती होगी	पढ़ती होंगी	May be reading/studying
दौड़ता होगा	दौड़ते होंगे	दौडती होगी	दौडती होंगी	May be running
खेलता होगा	खेलते होंगे	खेलते होगी	खेलती होंगी	May be playing
पूछता होगा	पूछते होंगे	पूछती होगी	पूछती होंगी	May be asking
बोलता होगा	बोलते होंगे	बोलती होगी	बोलती होंगी	May be telling
कहता होगा	कहते होंगे	कहती होगी	कहती होंगी	May be saying
रोता होगा	रोते होंगे	रोती होगी	रोती होंगी	May be crying
सोता होगा	सोते होंगे	सोती होगी	सोती होंगी	May be sleeping
चढ़ता होगा	चढ़ते होंगे	चढ़ती होगी	चढ़ती होंगी	May be climbing
उतरता होगा	उतरते होंगे	उतरती होगी	उतरती होंगी	May be descending
उड़ता होगा	उड़ते होंगे	उडती होगी	उडती होंगी	May be flying
डालता होगा	डालते होंगे	डालती होगी	डालती होंगी	May be putting
बनाता होगा	बनाते होंगे	बनाती होगी	बनाती होंगी	May be making
खरीदता होगा	खरीदते होंगे	खरीदती होगी	खरीदती होंगी	May be buying
बेचता होगा	बेचते होंगे	बेचती होगी	बेचती होंगी	May be selling

छोड़ता होगा	छोड़ते होंगे	छोडती होगी	छोडती होंगी	May be leaving
सुनता होगा	सुनते होंगे	सुनती होगी	सुनती होंगी	May be hearing
गाता होगा	गाते होंगे	गाती होगी	गाती होंगी	May be singing
देता होगा	देते होंगे	देती होगी	देती होंगी	May be giving
लेता होगा	लेते होंगे	लेती होगी	लेती होंगी	May be taking
लाता होगा	लाते होंगे	लाती होगी	लाती होंगी	May be bringing
माँगता होगा	मांगते होंगे	मांगती होगी	मांगती होंगी	May be demanding

[Points to Remember - ता होगा, ते होंगे, ती होगी, ती होंगी, ता हूँगा, ती हूँगी, ते होगे आदि संदिग्ध वर्तमानकालीन क्रियाएँ हैं। तात्कालिक वर्तमानकाल में कर्ता के लिंग वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदलती है।]

वार्तालाप 5

सब्जी की दूकान में

ग्राहक : भैया, मुझे एक किलो प्याज़ चाहिए। उसका कितना दाम है?

विक्रेता : एक किलो प्याज़ चालीस रूपए हैं। आप को और क्या चाहिए?

ग्राहक : मुझे एक किलो टमाटर, आधा किलो बैंगन और एक किलो गोभी चाहिए। कुल मिलाकर कितना दाम होता है?

विक्रेता : आप कुल एक सौ बीस रूपए दे दीजिए।

ग्राहक : ठीक है, भैया जी। यह ले लीजिए।

(Points to remember: कितना प्रश्नवाचक शब्द है। कितना - how much)

अभ्यास

अध्यापक : तुम कितने बजे स्कूल आते हो?

छात्र : हम 9 बजे स्कूल आते हैं।

अध्यापक : इस कक्षा में कितने छात्र हैं?

छात्र : इस कक्षा में चालीस छात्र हैं।

अध्यापक : तुम लोग कितने बजे सोते हो?

छात्र : हम दस बजे सोते हैं।

....

रवि : तुम्हारे पास कितने रूपये हैं?

रजनी : मेरे पास पच्चास रूपये हैं।

रवि : ठीक है, तो हम दूकान चलें।

रजनी : क्या खरीदना है?

रवि : पुस्तक खरीदनी है।

रजनी : कितनी पुस्तक खरीदनी है।

रवि : मुझे चार पुस्तकें खरीदनी हैं।

Critical Overview / अवलोकन

हिन्दी भाषा का अच्छा उपयोग सिर्फ शब्द जानने से नहीं होता, बल्कि उन्हें सही तरीके से बोलने और समझने से होता है। जब हम भाषा को रोज़मर्रा की स्थिति में प्रयोग करते हैं, तो सीखना आसान और स्थायी हो जाता है। शब्दों, वाक्यों, ध्वनियों और व्याकरण के नियमों को समझकर हम बेहतर बातचीत कर सकते हैं। किसी भी नई भाषा को सीखने के लिए धैर्य और लगातार अभ्यास ज़रूरी होता है, हिन्दी के लिए भी यही सच है। अगर सही तरीका और सहायता मिले, तो भाषा सीखना सरल और मज़ेदार हो जाता है। हिन्दी की खासियत इसकी सरलता, भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता और विविधता में है। इसे सीखने से न केवल ज्ञान बढ़ता है, बल्कि हमारी संस्कृति से जुड़ाव भी गहरा होता है।

Recap / पुनरावृत्ति

- हिन्दी के वर्ण या अक्षर
- स्वर और व्यंजन
- संबोधन एवं विदाई लेने की अनुमति के शब्दों का परिचय
- सामान्य, तात्कालिक और संदिग्ध वर्तमानकाल
- क्या, कब, कितना

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिन्दी में कितने स्वर वर्ण होते हैं?
2. गाय दूध देती है। इस वाक्य में कर्ता कौन-सा है?
3. हिन्दी में कितने व्यंजन वर्ण होते हैं?
4. 'इमली' नामक शब्द का स्वर वर्ण कौन-सा है?
5. मैं किताब पढती हूँ। इस वाक्य में कर्म क्या है?
6. वह क्या करता है? (तात्कालिक वर्त्तमानकाल में बदलिए)
7. मैं पढ़ रहा हूँ। (संदिग्ध वर्त्तमान काल में बदलिए)
8. मैं सात बजे उठता हूँ। (इस वाक्य केलिए उपयुक्त प्रश्न पूछिए)

Answers/ उत्तर

1. 11(ग्यारह)
2. गाय
3. 33(तैंतीस)
4. इ
5. किताब
6. वह क्या कर रहा है?
7. मैं पाठ पदता हूँगा।
8. तुम कितने बजे उठते हो?

Assignments/ प्रदत्त कार्य

1. हिन्दी की मूल वाक्य संरचना।
2. हिन्दी का वर्तमानकाल
3. कब, क्या, कितना प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग करके वार्तालाप लिखिए।
4. हिन्दी में वर्ण के कितने भेद होते हैं?
5. स्वर कितने होते हैं?
6. व्यंजन कितने होते हैं और हिन्दी के व्यंजन अक्षर लिखिए।
7. निम्न लिखित क्रियाओं को सामान्य, तात्कालिक और संदिग्ध वर्तमान काल में बदलिए।
   आ, पढ़, चल, दौड़, जा, कर, ला, ले, डे, खरीद, बेच, गा, सुन, बोल, देख

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 2

सर्वनाम, विशेषण एवं प्रत्ययों का प्रयोग

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- ‘क्या’ और ‘कहाँ’ का परिचय प्राप्त होता है
- प्रत्ययों का परिचय प्राप्त होता है
- सर्वनाम एवं विशेषणों की जानकारी प्राप्त होती है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

हिन्दी भाषा को सही ढंग से समझने और प्रयोग करने के लिए व्याकरण के मुख्य अंगों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक होता है। विशेष रूप से संज्ञा, सर्वनाम और लिंग जैसे तत्व भाषा की नींव को मजबूत बनाते हैं और स्पष्ट अभिव्यक्ति में सहायक होते हैं। संज्ञा वह शब्द होता है जो किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव का नाम बताता है। उदाहरण के लिए - ‘वीणा स्कूल गई’ - यहाँ ’वीणा’ एक संज्ञा है, क्योंकि वह एक व्यक्ति का नाम है।

जब किसी संज्ञा को बार-बार दोहराना पड़े, तो भाषा में सरलता और प्रवाह बनाए रखने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है। जैसे - ‘वीणा स्कूल गई। वह समय पर पहुँची।’ यहाँ ’वह’ सर्वनाम है, जो ’वीणा’ के स्थान पर प्रयुक्त हुआ है। इससे वाक्य अधिक स्पष्ट, प्रभावशाली और सहज बनता है।

सर्वनाम के साथ कारकीय रूपों की रचना का अभ्यास भी भाषा-शिक्षण का महत्वपूर्ण भाग है। हिन्दी में कारक वे रूप होते हैं जो वाक्य में शब्दों के आपसी संबंध को दर्शाते हैं। जब हम सर्वनामों को विभिन्न कारकों में प्रयोग करते हैं, तो उनके रूप बदलते हैं। जैसे - ‘मैं’ (कर्ता कारक), ‘मुझे’ (संप्रदान कारक), ‘मुझसे’ (अपादान/करण कारक) आदि। इसी प्रकार ‘वह’ का रूप ‘उसे’, ‘उससे’, ‘उसका’ आदि में बदलता है। इन कारकीय रूपों को समझने से वाक्य रचना अधिक सटीक और व्याकरण सम्मत होती है।

इस प्रकार, संज्ञा, सर्वनाम, कारकीय रूप और लिंग का सही ज्ञान भाषा की सटीकता और सुंदरता को बढ़ाता है। इन तत्वों का अभ्यास भाषा की समझ को गहरा करता है और बोलचाल से लेकर लेखन तक सभी स्तरों पर सुधार लाता है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

क्या, कहाँ, वाक्यसंरचना, सर्वनाम, विशेषण

Discussion / चर्चा

हिन्दी में निम्नलिखित सर्वनाम हैं -

मैं I	हम We	
तू You	तुम You	आप You
यह this, she, he	ये these, they	

वह that, she, he	वे those, they
कौन Who	क्या What
कोई Any	कुछ some

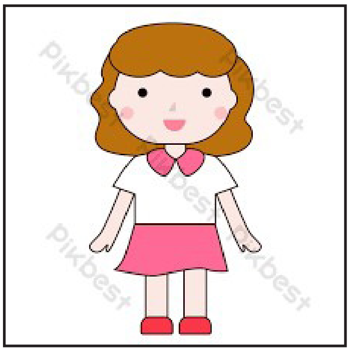

मैं राधा हूँ। Iam Radha.

हम सिनेमा देख रहे हैं। We are watching a movie.

तू क्या करता है? What do you do?

तुम बता सकते हो। You can tell.

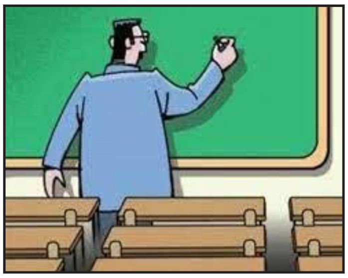

आप क्या लिखते हैं। What do you write?

वह लिखता है। He writes.

वह लिखती है। She writes.

वे लिखते हैं / ये लिखते हैं। They write.

(बोलनेवाले, सुननेवाले या अन्य व्यक्ति के बारे में सूचित करने के लिए मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, यह, वे, ये सर्वनामों का प्रयोग करते हैं।)

SGOU

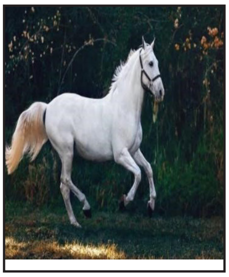

यह घोड़ा है। This is a horse.

वह लडकी है। That is a girl.

ये लड़के हैं। These are boys

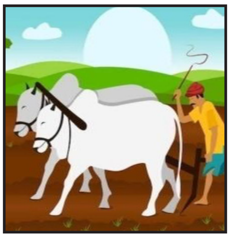

वे बैल हैं। Those are bullocks

(पास की या दूर की किसी खास वस्तु की ओर संकेत प्रकट करने केलिए यह, ये, वह, वे आदि का प्रयोग किया जाता है।)

कौन अन्धेरे में खड़ा है? Who stands in the dark.

बाज़ार से तुम क्या लाये हो

(यहाँ 'कौन' और 'क्या' प्रश्नसूचक है।)

SGOU

तुम में से कोई भी उत्तर दे सकता है। any one of you can answer.

चाय में कुछ है। There is something in the tea.

(अनिश्चित प्राणी या वस्तु के लिए कोई और कुछ का प्रयोग किया जाता है।)

जो अच्छी तरह पढ़ता है, **सो (वह)** परीक्षा में पास होगा। यहाँ 'जो' और 'सो' दो बातों को आपस में मिलानेवाले है और ये संबंधवाचक सर्वनाम है।

सर्वनाम के साथ प्रत्यय जुडने पर होनेवाला परिवर्तन

सर्वनाम के साथ कारकीय रूपों की रचना

	ने	को	से	का	के	की	में	पर
मैं	मैं ने	मुझको	मुझसे	मेरा	मेरे	मेरी	मुझमें	मुझ पर
हम	हम ने	हमको	हमसे	हमारा	हमारे	हमारी	हममें	हम पर
तू	तू ने	तुझको	तुझसे	तेरा	तेरे	तेरी	तुझमें	तुझ पर
तुम	तुम ने	तुमको	तुमसे	तुम्हारा	तुम्हारे	तुम्हारी	तुम में	तुम पर
आप	आप ने	आप को	आप से	आप का	आप के	आप की	आप में	आप पर
यह	इसने	इसको	इससे	इसका	इसके	इसकी	इसमें	इस पर
ये	इन्होंने	इनको	इनसे	इनका	इनके	इनकी	इनमें	इन पर
वह	उसने	उसको	उससे	उसका	उसके	उसकी	उसमें	उस पर
वे	उन्होंने	उनको	उनसे	उनका	उनके	उनकी	उनमें	उन पर
कौन	किसने	किसको	किससे	किसका	किसके	किसकी	किसमें	किस पर
कोई	किसी ने	किसीको	किसी से	किसीका	किसीके	किसी की	किसी में	किसी पर
जो	जिसने	जिसको	जिससे	जिसका	जिसके	जिसकी	जिसमें	जिसपर

संज्ञा

I. व्यक्ति

राजू

मीरा

गीता

राहुल

II. वस्तु

गेंद

फल

साइकिल

बोतल

पेंसिल

पुस्तक

पेड

पत्ता

III. प्राणी

मनुष्य

पशु

पक्षी

गाय

घोडा बंदर रीछ हाथी

IV. भाव

खुशी प्रेम दुःख क्रोध

भूख प्यास दर्द

V. स्थान

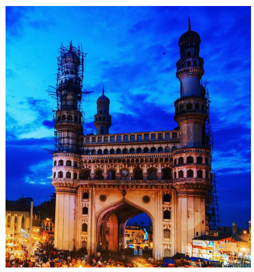

दिल्ली मुंबई चेन्नई हैदराबाद

केरल

कोलकत्ता

अमृतसर

राजस्थान

संज्ञा का अर्थ

ऊपर आपने व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, भाव, स्थान आदि के अन्तर्गत कुछ चित्र देखें हैं। ये सब नाम हैं। नाम को सूचित करनेवाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं। अर्थात् संज्ञा, उस विकारी शब्द को कहते हैं जिसमें किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, भाव, स्थान या गुण के नाम का बोध हो।

अभ्यास 1

वह एक औरत है। उसके हाथ में चमच है। बर्तन में कुछ है। वे लडकियाँ हैं। लडकी के हाथ में क्या है? गेंद किसके हाथ में है?

इन वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छांटिए।

अभ्यास 2

अध्यापक : चित्र में कौन-कौन हैं?

छात्र : ....

अध्यापक : वे क्या कर रहे हैं?

छात्र : ....

अध्यापक : लड़का किसको देख रहा है?

छात्र : ....

अभ्यास 3

अध्यापक : वह कौन हैं?

छात्र : ....

अध्यापक : कौन बैठे हैं?

छात्र : ....

अध्यापक : कितने छात्रों ने हाथ उठाये हैं?

छात्र : ....

अध्यापक : अध्यापक के हाथ में क्या है?

छात्र : ....

अभ्यास 4

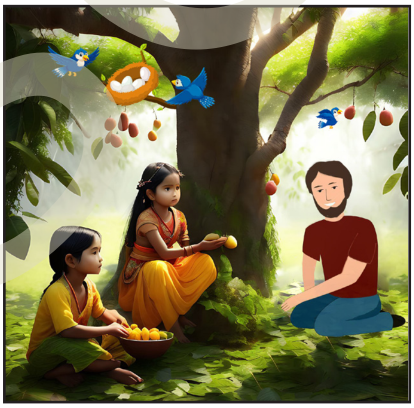

प्रश्न : चित्र में कितने लोग हैं?

उत्तर : ....

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

प्रश्न : आदमी क्या कह रहा है?

उत्तर :............................

प्रश्न : लडकी आदमी को क्या दे रही है?

उत्तर :.......................................

प्रश्न : लडकी के हाथ में क्या है?

उत्तर : ....

प्रश्न : पेड़ के ऊपर क्या हैं?

उत्तर : ....

प्रश्न : कितनी चिड़ियाँ हैं?

उत्तर : ....

प्रश्न : कितने अंडे हैं?

उत्तर : ....

अध्यापक : बच्चों, एक से बीस तक की गिनती सुनो

एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस

ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह, सोलह, सत्रह, अठारह, उन्नीस, बीस

विशेषण

जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट होती है उन्हें विशेषण कहते हैं।

उदाहरणः

अच्छा, मीठा

प्राचीन, नया

कश्मीरी, पहाडी

गोल, ऊँचा

स्वस्थ, बीमार

काला, लाल, पीला, हरा

पाँच अमरूद

तीन लड़कियाँ

सवा लीटर दूध

पौने पाँच बजे

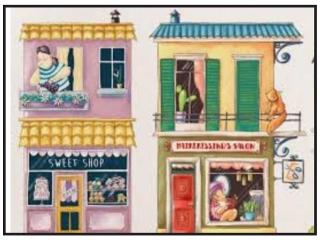

दूसरी दूकान

तीसरा आदमी

दुगुना दाम

चौगुना फसल

दोनों नारियल

तीनों कुत्ते

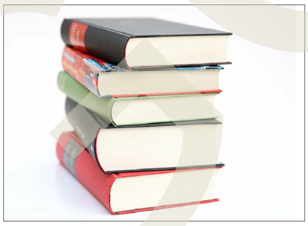

हर एक किताब

प्रत्येक सैनिक

गिलास भर पानी

थोडा दूध

एक किलो सेब

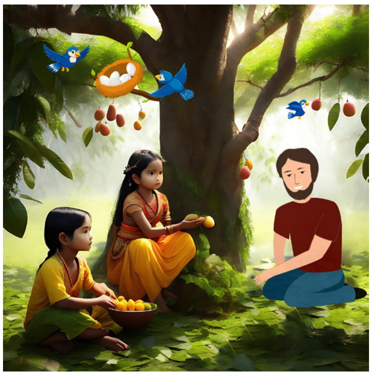

तीनों व्यक्ति बैठे हैं। (तीन - विशेषण)

लड़कियाँ पीले रंग के कपड़े पहनी हैं। (पीले - विशेषण)

लडकी के हाथ में मीठा आम है। (मीठा - विशेषण)

पेड़ के ऊपर तीन चिड़ियाँ हैं। (तीन - विशेषण)

पेड़ की डाल पर सफ़ेद अंडे हैं। (सफ़ेद - विशेषण)

आदमी ने भूरा रंग के बनियान पहना है। (.................. - विशेषण)

नीचे बहुत पत्ते पड़े है। (...................- विशेषण)

टोकरी में पका हुआ आम है। (...................- विशेषण)

आदमी ने नीला पैंट पहना है। (...................- विशेषण)

लडकी की बाल लंबी है। (...................- विशेषण)

अभ्यास

विशेषण शब्द चुनिए

1. राघव चौथी कक्षा का छात्र है।
2. घर का सारा काम लता करती है।
3. कुछ मिठाई बच्चों में बाँट दो।
4. साधु की जटाएँ लंबी थीं।
5. कुत्ता समझदार जानवर है।
6. कोयल की बोली मीठी है।

Critical Overview / अवलोकन

हिन्दी भाषा की स्पष्ट और प्रभावी अभिव्यक्ति के लिए व्याकरणिक ज्ञान की मजबूत आधारशिला आवश्यक होती है। जब शब्दों का सही रूप और स्थान ज्ञात होता है, तो भाषा में सहजता और प्रवाह अपने आप आ जाता है। संज्ञा और सर्वनाम जैसे मूलभूत तत्वों की सही समझ से वाक्य निर्माण अधिक सटीक होता है। कारक और लिंग के सही प्रयोग से भाषा में व्याकरण की शुद्धता बनी रहती है। नियमित अभ्यास से यह ज्ञान व्यवहार में स्वतः प्रकट होने लगता है, जिससे संवाद में आत्मविश्वास बढ़ता है। इस प्रकार, भाषा को न केवल सही ढंग से बोलना बल्कि उसे सही ढंग से समझना और प्रस्तुत करना भी संभव होता है।

Recap / पुनरावृत्ति

- सर्वनाम का परिचय
- विशेषण का परिचय
- प्रत्ययो का प्रयोग
- वाक्य संरचना का परिचय
- गिनती का परिचय
- वार्तालाप का अभ्यास

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. अन्धेरे में ...... खड़ा है? (खाली जगह भरिए)
2. ...... तुम पुस्तक लाये हो? (खाली जगह भरिए)
3. कुए ..... पानी है। (में, पर इनमें से किसका प्रयोग होता है?)
4. राजू, तुम किताब ..... रखते हो? (खाली जगह भरिए)
5. 'ये' सर्वनाम के साथ 'ने' प्रत्यय जोडने से क्या होगा?
6. 'मैं' के साथ 'को' लगाने से क्या निकलेगा?
7. टोकरी में ...... अंडे हैं? (खाली जगह भरिए)
8. कोई + से =.......?

Answers / उत्तर

1. कौन
2. क्या
3. में
4. कहाँ
5. इन्होंने
6. मुझको (मुझे)
7. कितने
8. किसी से

Assignments / प्रदत्त कार्य

I. विशेषण शब्द चुनिए

1. मेहनती छात्र ने अधिक अंक प्राप्त किए।
2. भोली शबरी ने मीठे बेर राम को दिए।
3. गार्ड ने हरी झंडी दिखाई।
4. इस कलम का मूल्य पाँच रूपए है।
5. वह बंदर रोटी उठाकर ले गया।

II. सर्वनाम शब्द चुनिए

1. वह मेरा भाई है।
2. वहाँ कौन बैठा है?
3. बाहर कोइ खडा है।
4. यह मेरी किताब है।
5. तुम यहाँ क्यों आये?

III. अनुच्छेद से संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्द चुनिए।

मैं स्कूल जा रहा था। रास्ते में राजू से मिला। राजू मेरा दोस्त है। हम बस स्टैंड गए। काफी भीड़ थी। हमें आज गणित परिक्षा है। गणित मेरे लिए आसान विषय है। पर राजू के लिए वह कठिन विषय है। हम बस पर चढ़े। नौ बजे हम स्कूल पहुँचे। कुछ बच्चे कक्षा के बाहर खड़े थे। परीक्षा में आसान प्रश्न थे। हम सभी प्रश्नों के उत्तर लिख सके।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 3
घरेलू वस्तुएँ, वचन, लिंग, योजक एवं दिनचर्याएँ

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- घरेलू वस्तुओं से परिचय प्राप्त करता है
- एकवचन तथा बहुवचन का ज्ञान प्राप्त होता है
- स्त्रीलिंग तथा पुल्लिंग का ज्ञान प्राप्त होता है
- समय एवं सप्ताह के दिनों की पहचान कर सकता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

भाषा का प्रयोग तब ही सुगम हो सकता है जब हम दैनिक जीवन में प्रयुक्त या टकराने वाली हर सामग्री से परिचित हों, वरना भाषा का प्रयोग उतना आसान नहीं हो सकता। उदाहरण के लिए, जैसे घरेलू वस्तुएं जो रसोई में प्रायः प्रयुक्त होती हैं, उनके शब्दों का परिचय होना आवश्यक है। केवल सब्जियों और फलों का परिचय प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मसाले, बर्तन, उपकरण और अन्य वस्तुओं की भी जानकारी होनी चाहिए। इससे भाषा का सही और प्रभावी प्रयोग संभव हो पाता है।

भाषा सीखने की प्रक्रिया में केवल शब्दों को जानना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उन शब्दों का सही वचन (एकवचन और बहुवचन), लिंग (पुल्लिंग और स्त्रीलिंग), और योजक (संधि, समास आदि) के साथ प्रयोग करना भी आवश्यक होता है। जब हम किसी वस्तु या व्यक्ति का नाम लेते हैं, तो हमें उसके वचन और लिंग के अनुसार शब्दों को सही रूप में प्रयोग करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, 'सेब' एकवचन और बहुवचन दोनों में समान रहता है, 'आम' एकवचन और बहुवचन दोनों हो सकता है, और 'फल' पुल्लिंग है, इसलिए इसे वाक्य में सही लिंग के अनुसार प्रयोग करना जरूरी है।

इसी प्रकार, योजक का ज्ञान भाषा को समझने और प्रभावी बनाने में मदद करता है। योजक जैसे संधि और समास भाषा को सरल, सुस्पष्ट और सुंदर बनाते हैं। जब हम इनका अभ्यास करते हैं, तो हमारी भाषा न केवल सही होती है, बल्कि सुनने वाले पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है। अभ्यास और वार्तालाप भाषा के ज्ञान को स्थायी और सशक्त बनाते हैं। नियमित अभ्यास से हमारे शब्दों का चयन बेहतर होता है और हम अधिक आत्मविश्वास से बोल पाते हैं। वार्तालाप के माध्यम से हम विभिन्न परिस्थितियों में भाषा के विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हैं, जिससे हमारी भाषा का दायरा और भी विस्तृत होता है।

दैनिक जीवन में यदि हम सिर्फ सब्जियों और फलों के नाम जानें, तो हमारी भाषा का दायरा सीमित रह जाएगा। इसलिए हमें मसालों, रसोई के बर्तनों, उपकरणों और अन्य घरेलू वस्तुओं से भी परिचय होना चाहिए। उदाहरण के लिए, 'चमच', 'कड़ाही', 'तवा', 'कटोरी', 'मसाला' जैसे शब्दों को जानना और उनका सही प्रयोग करना आवश्यक है। इससे न केवल हमारी भाषा मजबूत होती है, बल्कि हम अपने विचारों को स्पष्ट और प्रभावी ढंग से व्यक्त कर पाते हैं।

अभ्यास के लिए रोज़मर्रा के जीवन से जुड़े विषयों पर वार्तालाप करना अत्यंत लाभकारी होता है, जैसे रसोई में सब्जियों के नाम लेकर उनसे संबंधित संवाद करना, उनके गुणों पर चर्चा करना या किसी व्यंजन की रेसिपी पर बातचीत करना। यह न केवल भाषा की पकड़ मजबूत करता है, बल्कि हमारी सोच को भी विकसित करता है।

अतः भाषा का सशक्त प्रयोग तभी संभव है जब हम इसे केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित न रखें, बल्कि

रोज़मर्रा के जीवन में उसकी समझ और प्रयोग को बढ़ाएं। भाषा को अभ्यास के माध्यम से मजबूत किया जा सकता है, जिसमें शब्दों के वचन, लिंग, योजक और उनकी सही संरचना सीखना शामिल है। इसके साथ ही वार्तालाप के जरिए भाषा की मौखिक प्रवीणता भी बढ़ती है। इसलिए, भाषा सीखने के लिए सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है दैनिक जीवन की वस्तुओं, उनकी विशेषताओं और उनके सही शब्दों का परिचय प्राप्त करना। जब हम इन वस्तुओं के बारे में जानेंगे, तभी हम भाषा का सही और प्रभावी प्रयोग कर पाएंगे। साथ ही, वचन, लिंग और योजक की समझ हमें भाषा को शुद्ध और सुंदर बनाने में मदद करेगी। अंत में, अभ्यास और संवाद के माध्यम से ही भाषा सशक्त और प्रभावशाली बनती है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

घरेलू वस्तु, दैनिक गतिविधियाँ, योजक, वचन, लिंग, समय, सप्ताह

Discussion / चर्चा

घरेलू वस्तुएँ

अध्यापक : आज हमें कुछ घरेलू वस्तुओं के बारे में सीखना है। मैं हरेक से पूछूँगा और तुम लोगों को उनके उपयोग के बारे में बताना पड़ेगा। रमेश, चारपाई और बिस्तर का उपयोग क्या है?

रमेश : लेटने और सोने केलिए हम चारपाई का उपयोग करते हैं।

चारपाई

बिस्तर

अध्यापक : अर्जुन, कडाही, केतली और तवा के उपयोग क्या है?

अर्जुन : कडाही में हम खाने की चीजें भून लेते हैं, केतली पानी उबालने केलिए और तवा रोटी पकाने केलिए हैं।

कडाही

केतली

तवा

अध्यापक : अनुश्री, आइना और कंघी किस केलिए हैं?

अनुश्री : आइना या दर्पण हमारे प्रतिबिम्ब देखने केलिए है और कंघी बाल संवारने केलिए है।

आईना

कंघी

अध्यापक : अनुजा, तुम बताओ कि घडा, बर्तन, प्याला, सुराही किसके लिए हैं?

अनुजा : घडा पानी भरने केलिए है।

घडा

बर्तन खाना पकाने केलिए और खाना परोस देने केलिए है।

बर्तन

प्याला चाय पीने केलिए तथा सुराही पानी ठंडा करने केलिए है।

प्याला

सुराही

अध्यापक : गणेश, चूल्हा और झाड़ू किसके लिए है?

गणेश : चूल्हा खाना पकाने केलिए हैं और झाड़ू साफ़-सफाई करने के लिए है।

चूल्हा

झाड़ू

अध्यापक : किरण कुल्हाडी का क्या उपयोग होता है?

किरण : कुल्हाड़ी से हम लकड़ी काट लेते हैं।

कुल्हाड़ी

अध्यापक : साबुन और तौलिया किसके लिए हैं, अनूप?

अनूप : नहाते समय देह साफ करने केलिए, कपडे धोने केलिए साबुन का उपयोग होता है और नहाने के बाद देह और सिर पोछने केलिए तौलिए का उपयोग होता है।

साबुन

तौलिये

अध्यापक : मीनू, रस्सी का क्या उपयोग है?

मीनू : कुए से पानी खींचने केलिए तथा किसी भी चीज़ को बाँधने केलिए रस्सी का उपयोग करते हैं।

SGOU

रस्सी

अध्यापक : हे अमृता, टेलिफोन और टेलिविज़न का उपयोग क्या है?

अमृता : टेलिफोन दूर रहनेवालों से बातें करने केलिए है और टेलिविज़न में हम सिनेमा देखते हैं और समाचार सुनते हैं तथा तरह- तरह के कार्यक्रम देख सकते हैं।

टेलीफोन

टेलीविज़न

अध्यापक : अशोक मेज़ और कुर्सी का उपयोग क्या है?

अशोक : लिखने और बैठने केलिए।

मेज़ और कुर्सी

अध्यापक : आर्या, क्यों मोमबत्ती और अगरबत्ती का उपयोग करते है?

आर्या : अगर बिजली चले जाए तो रोशनी केलिए मोमबत्ती का उपयोग करते हैं और चारों ओर सुगन्धित करने केलिए अगरबत्ती का उपयोग है।

मोमबत्ती

अगरबत्ती

रसोई के बर्तनों के नाम - Name and list of Kitchen Utensils

	बर्तनों के नाम हिन्दी में(Name of Utensils in Hindi)	बर्तनों के नाम अंग्रेजी में(Name of Utensils in ENGLISH)	बर्तनों की तस्वीर(pictures of utensils)
1	बोतल	Bottle	
2	बाल्टी	Bucket	
3	कटोरा	Bowl	
4	डिब्बा	Container	
5	कांटा	Fork	

6	प्याला	Cup	
7	पलटा	Flat Spoon / Turner	
8	ओखली	Mortar	
9	मर्तबान	Jar	
10	कद्दुकश	Grater	
11	करछुल	Ladle	
12	दिया सलाई की डिबिया	Match Box	
13	कड़ाही / तवा	Pan	
14	चाकू	Knife	

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

15	ढक्कन	Lid	
16	प्लास / संडसी / चिमटा	Pliers /Tongs	
17	थाली	Plate	
18	लोटा	Round Water Pot	
19	बेलन	Rolling Pin	
20	तराजू	Scale	
21	चकला	Rolling Board	
22	चम्मच	Spoon	
23	केंची	Scissor	

24	छलनी	Sieve	
25	मटका	Pot	
26	केतली	Kettle	

अब कुछ अनाज, दाल, सब्जी और फलों के नाम

ज़

No	हिन्दी	अंग्रेज़ी	चित्र
1	अरहर की दाल	pigeon pea	
2	काला चना	Black Chickpeas	
3	चना दाल	Chickpeas Split	
4	हरी मूंग दाल	Green Gram	
5	मसूर की दाल	Red Lentil	

6	उड़द	Black Gram	
7	कुलथी दाल	Horse Gram	
8	काबुली चना	Chickpeas white	
9	राजमा	Kidney Beans	
10	मूंगफली	Peanut	
11	मकई	Corn	
12	बाजरा	Millet	
13	चावल	Rice	
14	गेहूं	Wheat	

SGOU

15	जौ	Barley	
16	पोहा	RiceFlakes	
17	मेथी	Fenugreek	
18	जई	Oats	
19	मंडुआ/रागी	Ragi	
20	साबूदाना	Sago	
21	सरसों	Mustard	
22	जीरा	Cumin	

SGOU

23	मिर्च	Chilli	
24	हल्दी	Turmeric	
25	लौंग	Clove	
26	दालचीनी	Cinnamon	
27	इलायची	Cardamom	
28	हींग	Asafoetida	
29	अजवाइन	Carom Seed	
30	अदरक	Ginger	
31	लहसुन	Garlic	
32	प्याज	Onion	

SGOU

33	धनिया	Coriander	
34	ककडी	cucumber	
35	भिंडी	Ladies finger	
36	करेला	Bittergourd	
37	आलू	potato	
38	टमाटर	Tomato	
39	काजू	Cashewnut	
40	सेब	Apple	
41	बैंगन	Brinjal	

SGOU

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

42	गाजर	Carrot	
43	पत्ता गोभी	Cabbage	
44	फूल गोभी	Cauliflower	
45	मटर	Peas	
46	कढी पत्ता	Curryleaves	
47	केला	Banana	
48	चकुंदर	Beetroot	
49	कटहल	Jackfruit	
50	पुदीना	Peppermint	

51	आम	Mango	
52	संतरा	Orange	
53	अमरूद	Guava	
54	पपीता	Papaya	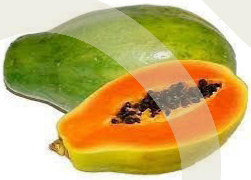
55	अंगूर	Grapes	
56	अनानस	Pineapple	
57	नारियल	coconut	
58	चीकू	sapotta	

59	नींबू	Lemon	
60	गन्ना	Sugarcane	
61	खरबूजा	Muskmelon	
62	तरबूजा	Watermelon	
63	अनार	Pomengranate	
64	इमली	Tamarind	
65	तेल	Oil	
66	नमक	Salt	

अभ्यास : 1

ग्राहक	: भैया, एक किलो प्याज़ का क्या दाम है?
सब्जीवाला	: 20 रुपए किलो।
ग्राहक	: दो किलो तौलना। टमाटर कैसे दिए?
सब्जीवाला	: तीस रुपए किलो।
ग्राहक	: इतने महंगे! 25 रुपए में करदो। दो किलो ले लुंगी।
सब्जीवाला	: ठीक है, मैडम ले लेना।
ग्राहक	: ठीक है। दो किलो टमाटर डाल देना। रुक जा, मुझे चुनने दे।
सब्जीवाला	: सब ताज़ा ही है। देख लीजिये।
ग्राहक	: हाँ। कितना हुआ पूरा?
सब्जीवाला	: नब्बे रुपए।
ग्राहक	: थोड़ा मिर्च डाल दो और थोडे धनिया पत्ते भी।
सब्जीवाला	: ठीक है, लीजिए।

अभ्यास : 2

ग्राहक	: अरे भाई, ये आम के क्या भाव है?
दूकानदार	: पचास रुपये किलो।
ग्राहक	: पचास रुपये? इतना महँगा?
दूकानदार	: कोरोना के बाद सब कुछ महँगा है साहब।
ग्राहक	: हाँ भाई, बात तो सही है, तो एक किलो आम दो। और ये संतरे का क्या भाव है?
दूकानदार	: संतरे 60 रुपये किलो है।
ग्राहक	: मैं दो किलो लूँगा, दाम थोड़ा कम करो।
दूकानदार	: ठीक है साहब, एक किलो 55 रुपये में लीजिये।
ग्राहक	: फिर तो ठीक है।

रेसिपियाँ

भिन्डी की सब्जी कैसे बनाएँ?

सामग्री

- 400 ग्राम भिन्डी

- 1 छोटा चम्मच जीरा
- ½ छोटा चम्मच अजवाइन
- 2-3 चुटकी हींग
- ½ छोटा चम्मच हल्दी
- 1 छोटा चम्मच नमक
- ½ छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 ह छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- ½ चम्मच इमली
- 2 बड़ा चम्मच तेल

बनाने की विधि

भिन्डी को अच्छी तरह धोएँ। फिर आधा इंच के टुकड़ों में काटें। कडाही में माध्यम आंच में (medium flame) में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। फिर इसमें जीरा डाल दें और एक करछुल से इसे कुछ सेकण्ड के लिए भूनें। फिर अजवाइन और हींग डालें। कुछ सेकण्ड इन्हें भी भूनें। अब इसमें हल्दी डालें। फिर कटी भिन्डी के टुकडे डालें और सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएँ। इसे दो मिनट के लिए भूनें। अब इसमें लाल मिर्च और दनिया पाउडर डालें। सबको अच्छी तरह मिलाएँ। अब इसमें नमक डालें और ढक्कन से ढककर भिन्डी के गलने तक पकायें। जब भिन्डी गल जाएँ तो इसमें इमली का थोड़ा सा रस मिलाएँ और दो मिनट और पकायें। आंच बंद करें। चिमटे से पकड़कर कडाही को नीचे उतारें। स्वादिष्ट भिन्डी की सब्जी तैयार।

प्रश्न?

1. इनमें आये सब्जी का नाम लिखिए।
2. इनमें आये मसालों का नाम लिखिए।
3. इसमें आये बर्तनों के नाम बताएँ।
4. इनमें प्रयुक्त सर्वनामों को चुनकर लिखिए।
5. इनमें प्रयुक्त विशेषणों के नाम बताएँ।

(इनके उत्तर खुद ढूंढकर लिखें)

योजक

दो शब्दों, उपवाक्यों और वाक्यों को मिलाने वाला अव्यय है योजक।

अर्जुन **और** आदर्श कश्मीर जा रहे हैं **तथा** वे जम्मू **एवं** श्रीनगर ठहरेंगे।

राहुल परीक्षा पास होता, **परंतु** बीमार हो गया।

किसानों ने काफी मेहनत की **इसलिए** फसल अच्छा रहा।

अध्यापक ने रमेश को समझाया **ताकि** वह नटखटपन न करे

अगर वह पढता **तो** परीक्षा पास होता।

लड़की परीक्षा हार गयी **क्योंकि** वह बीमार थी।

यद्यपि पानी का बहाव तेज़ थी,फिर भी उसने नदी पार किया।

(और, या, व, यद्यपि-तथापि, परन्तु, किन्तु, ताकि, अगर-तो, तथा, अथवा, क्योंकि आदि शब्द योजक हैं।)

एकवचन/ बहुवचन स्त्रीलिंग / पुल्लिंग का प्रयोग

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मोहन पाठ पढ रहा है। वह रेडियो सुन रहा था।	लड़के गेंद खेलते हैं। वे पानी पी रहे थे। हम रात के दस बजे सोये।	मीरा गीत गा रही है। बच्ची रोयी। गाडी स्टेशन पहूँची।	मीरा और मीना आम खा रही हैं। लड़कियाँ स्कूल गयी हैं।

दैनिक दिन-चर्या

सनूप : सन्दीप, तुम सुबह कितने बजे उठते हो?

सन्दीप : मैं सुबह पौने छः या छः बजे उठता हूँ।

सनूप : उठने के बाद सबसे पहले क्या करते हो?

सन्दीप : उठने के बाद टूथब्रश और पेस्ट लेकर दाँत साफ करता हूँ और हाथ-मुँह धो लेता हूँ।

सनूप : फिर क्या करते हो?

सन्दीप : साढे छः बजे के लगभग पढ़ने केलिए बैठता हूँ। आठ बजे या सवा आठ बजे तक पढ़ा करता हूँ।

सनूप : अगला काम क्या होगा?

सन्दीप : फिर स्नान करने के लिए जाता हूँ।

अनूप : फिर क्या?

सन्दीप : पौने नौ बजे नाश्ता करने के बाद नौ बजे स्कूल बस आयेगा और स्कूल चला जाता हूँ।

अनूप : स्कूल से कब लौटोगे?

सन्दीप : साढ़े चार बजे स्कूल से लौट आकर खाना खाने के बाद खेलने केलिए बाहर चला जाता हूँ।

अनूप : खेलने के बाद कब लौट आओगे?

सन्दीप : खेलने के बाद साढे छः बजे आया करता हूँ और नहाने के बाद सात बजे पढने केलिए बैठ जाता हूँ।

अनूप : फिर?

सन्दीप : नौ बजे तक पढता हूँ। फिर रात का भोजन करके साढे नौ बजे से ग्यारह बजे तक टी.वी देखता हूँ और फिर ग्यारह बजे सो लेता हूँ।

(इस तरह अपनी-अपनी दिनचर्याओं के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।)

सप्ताह और महीने के बारे में

टीचर मंजू से : मैंने पिछले दिन सप्ताह और महीने के बारे में पढ़कर आने को कहा था न? क्या तुम पढ़कर आयी हो?

मंजू : जी, टीचर क्या मैं बता दूँ?

टीचर : तो बताओ।

मंजू : रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार आदि सप्ताह के सात दिन हैं।

टीचर : एक साल के कितने महीने हैं?

मंजू : बारह

टीचर : तो बारह महीनों का नाम बताओ।

मंजू : जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर, नवम्बर और दिसम्बर।

टीचर : क्या शक वर्ष के बारह महीनों के नाम बता सकती हो?

मंजू : जी हाँ टीचर, चैत्र, बैसाख, जेठ, आषाढ, सावन, भाद, अश्विन, कार्तिक, अग्रहायन, पौष, माघ, फागुन।

टीचर : हमने बीस तक की गिनती पढी है। अब चालीस तक पढ़ें।

इक्कीस, बाईस, तेईस, चौबीस, पच्चीस, छब्बीस, सत्ताईस, अठाईस, उनतीस, तीस

इकतीस, बत्तीस, तैंतीस, चौंतीस, पैंतीस, छत्तीस, सैंतीस, अठतीस, उनचालीस, चालीस

Critical Overview / अवलोकन

भाषा सीखना केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की जिंदगी में प्रयोग और अनुभव से जुड़ा होता है। जब शब्द जीवन की छोटी-छोटी गतिविधियों से जुड़ते हैं, तो उनका अर्थ और उपयोग दोनों अधिक स्पष्ट हो जाते हैं। घरेलू वस्तुओं और दैनिक क्रियाओं से जुड़े शब्द भाषा को वास्तविक संदर्भों में प्रयोग करने की क्षमता देते हैं। लिंग, वचन और योजक जैसे व्याकरणिक तत्व तब ही अर्थपूर्ण बनते हैं जब वे रोज़मर्रा की बातचीत में प्रयुक्त हों। भाषा का प्रभाव तब ही दिखता है जब वह हमारे अनुभवों, भावनाओं और विचारों को सरलता से व्यक्त कर सके। इस दिशा में नियमित अभ्यास और सतत संवाद ही भाषा कौशल को जीवन्त और सशक्त बना सकते हैं।

Recap / पुनरावृत्ति

- घरेलू सामान
- सब्जियों के नाम
- अनाज व दालों के नाम
- फलों के नाम
- वचन की परिभाषा एवं उसके भेद
- लिंग की परिभाषा एवं उसके भेद
- सप्ताह के दिनों का ज्ञान
- चालीस तक की गिनती

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बाल संवारने केलिए किस चीज का उपयोग करते है?
2. ....गीत गा रही हैं। यहाँ कर्ता के लिंग और वचन का परिचय दीजिए?
3. ....पाठ पढता हूँ। कर्ता कौन है?
4. किसी एक दिन की दिनचर्या का परिचय दीजिए?
5. ....गेंद खेल रहे हैं। कर्ता के लिंग और वचन का परिचय दीजिए।
6. 4 ¾ इसको हिन्दी में कैसे बता सकते हैं?
7. Friday को हिन्दी में क्या कहते हैं?
8. किसी एक घरेलू वस्तु का परिचय दीजिए।
9. ....क्या करते हो? कर्ता कौन है?
10. 3½ - का हिन्दी में कैसा बता सकते हैं?

Answers / उत्तर

1. कंघी
2. स्त्रीलिंग बहुवचन
3. मैं (पुल्लिंग)
4. नहाना
5. पुल्लिंग बहुवचन
6. पौने पाँच
7. शुक्रवार
8. झाडू
9. तुम
10. साढे तीन

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. सब्जी की दूकान में महिला और दूकानदार के बीच का वार्तालाप लिखिए।
2. फल विक्रेता और ग्राहक के बीच का वार्तालाप लिखिए।
3. अपने मनपसंद भोजन की रेसिपी लिखिए।
4. एक अध्यापक के एक दिन की दिनचर्या लिखिए।
5. सप्ताह के दिनों की सूची बनाइए।
6. समय की सूची बनाए।
7. वचन की परिभाषा लिखिए।
8. लिंग किसे कहते हैं?
9. हर महीने में आनेवाले दो विशेष दिनों के नाम लिखिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 4
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा लिंग का प्रयोग

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- व्याकरण में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा लिंग के प्रयोग संबंधी जानकारी प्राप्त करता है
- हिन्दी भाषा में आदान-प्रदान की दक्षता प्राप्त करने के लिए उपयुक्त वार्तालाप का अभ्यास करता है
- सब्जी और फलों के नाम दुहराता है जो दैनिक जीवन में अनिवार्य है
- दिनचर्या संबंधी बातचीत करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

व्याकरण के अध्ययन में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा लिंग के प्रयोग को समझना अत्यंत आवश्यक होता है। संज्ञा भाषा की वह इकाई है जो किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव का नाम बताती है, जबकि सर्वनाम संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होता है ताकि वाक्य सरल और प्रवाहपूर्ण बने। विशेषण का कार्य संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताना होता है, जिससे वाक्य में अधिक स्पष्टता और रुचि आती है। इसके साथ ही, लिंग का ज्ञान भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिन्दी भाषा में शब्दों का पुल्लिंग और स्त्रीलिंग रूप उनकी सही पहचान और अर्थ की स्पष्टता में मदद करता है। इन सभी तत्वों के सही प्रयोग से भाषा की समझ और अभिव्यक्ति में सुधार होता है।

यह अध्याय ऐसे संवादों को भी शामिल करता है जो भाषा कौशल को सुधारने में मदद करते हैं। इन वार्तालापों के माध्यम से विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और लिंग के प्रयोग को व्यवहार में समझ पाते हैं। ये संवाद सरल और दैनिक जीवन से जुड़े होते हैं, जिससे भाषा का अभ्यास सहज और प्रभावी होता है। इस प्रकार के अभ्यास से न केवल व्याकरण की समझ गहराती है, बल्कि हिन्दी में बोलचाल और विचार व्यक्त करने की क्षमता भी विकसित होती है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, फल और सब्जियों के नाम।

Discussion / चर्चा

संज्ञा

आपने, ऊपर दिये गये चित्र में क्या-क्या देखे हैं? इनमें से संज्ञा शब्द छांटिए।

लडकी, लड़का

लडकियाँ, लड़के

सूरज, झूला, स्केटिंग, पेड़, हँसी, गेंद, झूमा-झूमी(see-saw)

अच्छा। अब इन शब्दों से वाक्य बनाएँ।

एक लडकी झूला झूल रही है।

एक लडकी रस्सी से कूद रही है।

एक लड़का स्केटिंग चला रहा है।

एक लड़का गेंद खेल रहा है।

सब हँस रहे हैं।

चित्र देखकर संज्ञा शब्द छांटिए।

इस चित्र में आप क्या क्या देख रहे हैं? इसके बारे में छोटे-छोटे वाक्यों से एक अनुच्छेद लिखिए।

सर्वनाम

विद्यार्थी अध्यापक से	: क्या मैं क्लास के अंदर आऊँ सार?
अध्यापक	: **तुम** कहाँ गये थे?
विद्यार्थी	: **हम** बाहर गेंद खेलने गये थे।

सर्वनाम छांटकर लिखिए।

माँ बच्ची से : तू दूध पी।

बच्ची : हाँ, मैं दूध पीती हूँ।

बेटा अपने पिताजी से : पिताजी, क्या आप दफ्तर जा रहे हैं?
पिताजी : हाँ, मैं दफ्तर जा रहा हूँ।

माताजी मीनू से : मीनू, पानी मत छूना। वह खराब हो जाएगा।

लड़का लड़की से : यह किसकी कलम है?

SGOU

लड़की : वह शीला की कलम है, वह बाहर गयी है।

अध्यापक राजू से : ये लड़कियाँ क्या कर रही हैं?

राजू : वे नाच रही हैं।

अभ्यास 1

इस अनुच्छेद से सर्वनाम छांटिए।

मैं बड़ा होकर अपने देश के लिए कुछ करना चाहता हूँ। मुझे देश का सैनिक बनना है। मेरे पिताजी सेना में एक ऑफिसर हैं। मैं उन्हीं की तरह बनूँगा। वे हमेशा मुझसे कहते हैं, अनुशासन का जीवन में बड़ा महत्व है। हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए और निडर होकर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

मैं, मुझे(मैं + को),मेरे (मैं + के), वे, मुझसे(मैं + से), हमें(हम + को)

अभ्यास 2

कक्षा के बाहर कोई खडा था। अध्यापक ने उसे अन्दर बुलाया। उसके हाथ में कुछ था। उसने अध्यापक के हाथ में वह पैकेट दिया। उसमें बच्चों के लिए मिठाइयां थीं। अध्यापक ने हम सबको मिठाइयां दीं। रवि ने मुझसे पूछा ये कौन हैं? मैंने कहा ये हमारे स्कूल में नए-नए आये क्लर्क है।

सर्वनाम छांटिए -..

विशेषण

आइए, देखें, यहाँ तरह - तरह की चीज़े मिलती है।

अच्छा कपडा

प्राचीन ग्रंथ

मीठा आम

नया घर

कश्मीरी सेंब

पहाडी रास्ता

गोल गेंद

ऊँचा पेड

स्वस्थ खिलाडी

बीमार लड़का

लाल गुलाब

काला घोडा

हरे पत्ते

पीला गुब्बारा

अब इन शब्दों के विशेषण शब्द देखेंगे

अच्छा, प्राचीन, मीठा, नया, कश्मीरी, पहाडी, गोल, ऊँचा, स्वस्थ, बीमार, लाल, काला, हरे, पीला।

अभ्यास

निम्नलिखित कहानी में से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए।

एक काला कौआ कोयल के जैसा मीठा बोलना चाहता था। उसने फूलों का मधुर रस पिया, मधुमक्खी के छत्ते से शहद पिया; फिर उड़कर आम के बगीचे में गया और पेट भरकर मीठे पीले आम खाए। घर की ओर जाते हुए हलवाई की स्वादिष्ट मिठाई चोंच में दबाई और डाल पर बैठकर सारी खा गया। प्यास लगी, तो शरबत वाले के ठेले पर बैठकर आधी बोतल ठंडा शरबत भी पी गया। अब उसने अपना गाना शुरू किया- "काँव-काँव-काँव।" तभी एक पत्थर उसकी डाल से आकर टकराया। वह समझ गया कि उसने तो 'कुहू-कुहू' कहना चाहा था, पर स्वर "काँव-काँव" ही निकला।

फल की दुकान में

राहुल अपने पिता के साथ एक फल की दूकान पहुँचा। वहाँ तरह-तरह के फल दिखाई पडे।

दूकानदार : आइए साब, आपको क्या चाहिए?

पिता : हमें कुछ फल चाहिए, अनन्नास का दाम कितना है?

दूकानदार : पचास रूपये एक किलो का।

पिता : राहुल, तुझे क्या चाहिए?

राहुल : मुझे कुछ सेब चाहिए।

पिता : एक किलो सेब भी ले लो।

दूकानदार : सेब का दाम कुछ ज़्यादा है। दो सौ रूपये किलो का है।

दूकानदार : सीसन न होने से अनार का भी दाम कुछ ज़्यादा है।

पिता : एक किलो संतरा और एक किलो आम भी चाहिए।

दूकानदार : अंगूर, अमरूद, शहतूत, बेर, पपीता आदि भी हैं।

राहुल : गर्मी का दिन है न? कुछ तरबूजा और कुछ नींबू चाहिए।

राहुल और पिता अनन्नास, संतरा, सेब, तरबूजा और नींबू खरीद कर अपने घर लौटे।

सब्जी की दुकान में

मनु कुछ सब्जियाँ खरीदने केलिए सब्जी की दूकान पहुँचा।

दूकानदार : आइए, आइए। क्या चाहिए।

मनु : मुझे कुछ सब्जियाँ चाहिए।

दूकानदार : आज आनेवाली ताजी सब्जियाँ है, आप चुन लीजिए।

मनु : आलू एक किलो प्याज एक किलो करेला आधा किलो गाजर खीरा दो किलो गोभी एक फूलगोभी एक बैंगन

एक किलो भिन्डी एक किलो कुछ हरीमिर्च और थोड़ा लहसुन भी चाहिए। थोडा पालक और कुछ सहिजन भी दे दो।

मनु : कुल मिलाकर कितना होगा?

दुकानदार : चार सौ पच्चीस रुपये।

मनु : यह पाँच सौ लेकर बाकी दे दो।

दुकानदार : बाकी लीजिए, धन्यवाद जी।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पायी जानेवाली वस्तुएँ

बेलन - रोटी, पापड आदि बेलने के लिए है।

ओखली और **मूसल** - धान कूटने केलिए ओखली में डालकर मूसल से कूट दिया जाता है।

चायदानी - चाय बनाकर भरने के लिए।

पाजामा : उत्तर के लोग पाजामा पहनते हैं।

धोती - केरल के लोग विशेषकर पुरुष धोती पहनते हैं।

रजाई - सर्दी के दिनों में ओढने केलिए और अन्य अवसर पर बिस्तर पर बिछाने केलिए इसका उपयोग होता है।

ढोल - केरल में उत्सवों के अवसर पर बजाया जानेवाला एक बाजा है।

कचौड़ी - खाने केलिए बनाये जानेवाला एक पकवान है।

चीड - जंगलों में बड़ी ऊँचाई पर दिखाई पड़नेवाला एक पेड है।

जूट(पटुआ) - बंगाल में दिखाई पडने वाला एक पेड़ है।

संगमरमर - वह चिकना पत्थर है जिसे फर्श पर बिछा दिया जाता है।

मोठा - बैठने केलिए बेंत से बनाया जानेवाला एक उपकरण है।

गिनती

अध्यापक : आज चालीस से सत्तर तक पढेंगे।

इकतालीस, बयालीस, तैंतालीस, चवालीस, पैंतालीस, छियालीस, सैंतालीस, अठतालीस, उनचास, पच्चास

इक्कावन, बावन, तिरपन, चौवन, पचपन, छप्पन, सत्तावन, अठावन, उनसठ, साठ

इकसठ, बासठ, तिरसठ, चौसठ, पैसठ, सतसठ, अठसठ, उनहत्तर, सत्तर

Critical Overview / अवलोकन

व्याकरण के मूल तत्वों को समझना भाषा सीखने का पहला और महत्वपूर्ण कदम है। जब हम संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और लिंग के सही प्रयोग को रोज़मर्रा की भाषा में आत्मसात करते हैं, तो हमारी अभिव्यक्ति स्वाभाविक और प्रभावशाली बनती है। ये व्याकरणिक नियम केवल कागज तक सीमित नहीं रहते, बल्कि संवाद और सोच के महत्वपूर्ण हिस्से बन जाते हैं। भाषा की

SGOU

दक्षता तभी बढ़ती है जब हम इसे जीवन के हर क्षेत्र में अभ्यास के माध्यम से उपयोग करें। संवाद और वार्तालाप से न केवल शब्दों का ज्ञान बढ़ता है, बल्कि उनकी सही पकड़ भी मजबूत होती है। इसी निरंतर अभ्यास से भाषा में निपुणता आती है और हम अपने विचारों को स्पष्ट और आत्मविश्वास से प्रस्तुत कर पाते हैं।

Recap / पुनरावृत्ति

- संज्ञा तथा सर्वनाम का आपसी संबंध
- विशेषण का प्रयोग
- फल और सब्जियों के नामों का परिचय
- भारत के क्षेत्रीय वस्तुओं का परिचय
- दैनिक जीवन का अनुभव

Objective questions/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. संज्ञा का उदाहरण दीजिए।
2. निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण दीजिए।
3. 'अच्छा कपडा' इस में विशेषण कौन-सा है?
4. किसी एक फल का नाम लिखिए।
5. सब्जी कहाँ भेजी जाती है?
6. किसी एक सब्जी का नाम लिखिए।
7. दूकान में सब्जियाँ कौन बेचता है?
8. धोती अक्सर कहाँ पहनाई जाती है?

Answers /उत्तर

1. राजू
2. आप
3. अच्छा
4. सेब
5. दूकान में
6. बैंगन
7. दूकानदार
8. केरल

Assignments/ प्रदत्त कार्य

1. संज्ञा एवं सर्वनाम का संबन्ध
2. संज्ञा की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए।
3. सर्वनाम का परिचय दीजिए।
4. विशेषण की परिभाषा दीजिए।
5. लिंग का परिचय दीजिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 5

संज्ञा के साथ क्रियाओं का प्रयोग

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- काल के साथ क्रिया के परिवर्तन का परिचय प्राप्त होता है
- संज्ञा के साथ क्रिया के संबन्ध का ज्ञान प्राप्त होता है
- 'चाहिए' के प्रयोग का ज्ञान प्राप्त होता है
- भूतकालीन क्रियाओं का परिचय प्राप्त करता है
- भविष्यत् कालीन क्रियाओं का परिचय प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

इस भाग में काल के अनुसार क्रियाओं में होने वाले परिवर्तन को समझने का अवसर मिलता है। वर्तमान, भूत और भविष्य काल में क्रिया कैसे बदलती है, यह अभ्यास के माध्यम से स्पष्ट किया जाता है। इससे यह जानने में सहायता मिलती है कि क्रिया का रूप समय के अनुसार कैसे परिवर्तित होता है।

साथ ही, संज्ञा के साथ क्रिया के संबंध का भी अभ्यास कराया जाता है, जिससे यह समझने में आसानी होती है कि क्रिया किस प्रकार संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार अपना रूप बदलती है। उदाहरण के रूप में - 'लड़का खेलता है' और 'लड़कियाँ खेलती हैं' जैसे वाक्यों से यह अंतर स्पष्ट होता है।

चाहिए' शब्द के प्रयोग का अभ्यास भी किया जाता है, जिससे आवश्यकता या सुझाव प्रकट करने की भाषा को समझा जा सके। जैसे - 'मुझे पानी चाहिए' या 'हमें समय पर पहुँचना चाहिए।'

इसके अतिरिक्त, भूतकाल में प्रयुक्त होने वाली क्रियाओं से परिचय कराया जाता है, जैसे - 'वह कल स्कूल गया था' या 'मैंने खाना खाया।' इसी प्रकार, भविष्यत काल की क्रियाओं का प्रयोग करना भी सिखाया जाता है, जैसे - 'मैं कल जाऊँगा' या 'हम पिकनिक पर जाएँगे।'

इस प्रकार, क्रियाओं के रूपों और प्रयोगों का अभ्यास भाषा को समय के अनुसार सही ढंग से प्रयोग करने में मदद करता है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

वर्तमानकाल, भूतकाल, भविष्यतकाल, क्रिया, चाहिए।

Discussion / चर्चा

क्रिया

इकाई 1 में हमने वर्तमान काल के तीनों रूपों के बारे में चर्चा की है। ज़रा फिर से देखें

मैं जाता हूँ।/ जाती हूँ।	I go
मैं जा रहा हूँ।/ जा रही हूँ।	I am going

मैं जाता हूँगा।/ जाती हूँगी।	I He /She
तुम जाते हो।/ जाती हो।	you go
तुम जा रहे हो।/रही हो।	You are going
तुम जाते होगे।/जाती होगी।	You may be going
वह जाता है।/जाती है।	He /She goes
वह जा रहा है।/ जा रही है।	He /She is going
वह जाता होगा।/ जाती होगी।	He /She may be going
वे जाते हैं।/ जाती हैं।	They go
वे जा रहे हैं।/ जा रही हैं।	They are going
वे जाते होंगे।/ जाती होगी।	They may be going

सामान्य वर्तमानकाल

अभ्यास करें

पुल्लिंग एकवचन	पुल्लिंग बहुवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	स्त्रीलिंग बहुवचन	अर्थ
आता है	आते हैं	आती है	आती हैं	come
जाता है	जाते हैं	जाती है	जाती हैं	go
करता है	करते हैं	करती है	करती हैं	do
खाता है	खाते हैं	खाती है	खाती हैं	eat
देखता है	देखते हैं	देखती है	देखती हैं	see
चलता है	चलते हैं	चलती है	चलती हैं	walk
बैठता है	बैठते हैं	बैठती है	बैठती हैं	sit
उठता है	उठते हैं	उठती है	उठती हैं	getting up
पीता है	पीते हैं	पीती है	पीती हैं	drink
लिखता है	लिखते हैं	लिखती है	लिखती हैं	write
पढता है	पढ़ते हैं	पढ़ती है	पढ़ती हैं	read/study
दौड़ता है	दौड़ते हैं	दौडती है	दौडती हैं	run
खेलता है	खेलते हैं	खेलते हैं	खेलती है	play
पूछता है	पूछते हैं	पूछती है	पूछती हैं	ask
बोलता है	बोलते हैं	बोलती है	बोलती हैं	tell
कहता है	कहते हैं	कहती है	कहती हैं	say
रोता है	रोते हैं	रोती है	रोती हैं	cry
सोता है	सोते है	सोती है	सोती हैं	sleep
चढ़ता है	चढ़ते हैं	चढ़ती है	चढ़ती हैं	climb
उतरता है	उतरते हैं	उतरती है	उतरती हैं	descends
उड़ता है	उड़ते हैं	उडती है	उडती हैं	fly

डालता है	डालते हैं	डालती है	डालती हैं	puts
बनाता है	बनाते हैं	बनाती है	बनाती हैं	make
खरीदता है	खरीदते हैं	खरीदती है	खरीदती हैं	buy
बेचता है	बेचते हैं	बेचती है	बेचती हैं	sell
छोड़ता है	छोड़ते हैं	छोडती है	छोडती हैं	leave
सुनता है	सुनते हैं	सुनती है	सुनती हैं	hear
गाता है	गाते हैं	गाती है	गाती हैं	sing
देता है	देते हैं	देती है	देती हैं	give
लेता है	लेते हैं	लेती है	लेती हैं	take
लाता है	लाते हैं	लाती है	लाती हैं	bring
माँगता है	मांगते हैं	मांगती है	मांगती हैं	demand

तात्कालिक वर्तमान काल

अभ्यास करें

पुल्लिंग एकवचन	पुल्लिंग बहुवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	स्त्रीलिंग बहुवचन	अर्थ
आ रहा है	आ रहे हैं	आ रही है	आ रही हैं	coming
जा रहा है	जा रहे हैं	जा रही है	जा रही हैं	Going
कर रहा है	कर रहे हैं	कर रही है	कर रही हैं	Doing
खा रहा है	खा रहे हैं	खा रही है	खा रही हैं	Eating
देख रहा है	देख रहे हैं	देख रही है	देख रही हैं	seeing
चल रहा है	चल रहे हैं	चल रही है	चल रही हैं	Walking
बैठ रहा है	बैठ रहे हैं	बैठ रही है	बैठ रही हैं	Sitting
उठ रहा है	उठ रहे हैं	उठ रही है	उठ रही हैं	getting up
पी रहा है	पी रहे हैं	पी रही है	पी रही हैं	Drinking
लिख रहा है	लिख रहे हैं	लिख रही है	लिख रही हैं	Writing
पढ रहा है	पढ़ रहे हैं	पढ़ रही है	पढ़ रही हैं	Reading/studying
दौड़ रहा है	दौड़ रहे हैं	दौड रही है	दौड रही हैं	Running
खेल रहा है	खेल रहे हैं	खेल रही हैं	खेल रही है	Playing
पूछ रहा है	पूछ रहे हैं	पूछ रही है	पूछ रही हैं	Asking
बोल रहा है	बोल रहे हैं	बोल रही है	बोल रही हैं	Telling
कह रहा है	कह रहे हैं	कह रही है	कह रही हैं	Saying
रो रहा है	रो रहे हैं	रो रही है	रो रही हैं	Crying
सो रहा है	सो रहे है	सो रही है	सो रही हैं	Sleeping
चढ़ रहा है	चढ़ रहे हैं	चढ़ रही है	चढ़ रही हैं	Climbing

उतर रहा है	उतर रहे हैं	उतर रही है	उतर रही हैं	Descending
उड़ रहा है	उड़ रहे हैं	उड रही है	उड रही हैं	Flying
डाल रहा है	डाल रहे हैं	डाल रही है	डाल रही हैं	Putting
बना रहा है	बना रहे हैं	बना रही है	बना रही हैं	Making
खरीद रहा है	खरीद रहे हैं	खरीद रही है	खरीद रही हैं	Buying
बेच रहा है	बेच रहे हैं	बेच रही है	बेच रही हैं	Selling
छोड़ रहा है	छोड़ रहे हैं	छोड रही है	छोड रही हैं	Leaving
सुन रहा है	सुन रहे हैं	सुन रही है	सुन रही हैं	Hearing
गा रहा है	गा रहे हैं	गा रही है	गा रही हैं	Singing
दे रहा है	दे रहे हैं	दे रही है	दे रही हैं	Giving
ले रहा है	ले रहे हैं	ले रही है	ले रही हैं	Taking
ला रहा है	ला रहे हैं	ला रही है	ला रही हैं	Bringing
माँग रहा है	मांग रहे हैं	मांग रही है	मांग रही हैं	Demanding

संदिग्ध वर्तमान काल

अभ्यास करें

पुल्लिंग एकवचन	पुल्लिंग बहुवचन	स्त्रीलिंग एकवचन	स्त्रीलिंग बहुवचन	अर्थ
आता होगा	आते होंगे	आती होगी	आती होंगी	May be coming
जाता होगा	जाते होंगे	जाती होगी	जाती होंगी	May be going
करता होगा	करते होंगे	करती होगी	करती होंगी	May be doing
खाता होगा	खाते होंगे	खाती होगी	खाती होंगी	May be eating
देखता होगा	देखते होंगे	देखती होगी	देखती होंगी	May be seeing
चलता होगा	चलते होंगे	चलती होगी	चलती होंगी	May be walking
बैठता होगा	बैठते होंगे	बैठती होगी	बैठती होंगी	May be sitting
उठता होगा	उठते होंगे	उठती होगी	उठती होंगी	May be getting up
पीता होगा	पीते होंगे	पीती होगी	पीती होंगी	May be drinking
लिखता होगा	लिखते होंगे	लिखती होगी	लिखती होंगी	May be writing
पढता होगा	पढ़ते होंगे	पढ़ती होगी	पढ़ती होंगी	May be reading/ studiying
दौड़ता होगा	दौड़ते होंगे	दौडती होगी	दौडती होंगी	May be running
खेलता होगा	खेलते होंगे	खेलते होगी	खेलती होंगी	May be playing
पूछता होगा	पूछते होंगे	पूछती होगी	पूछती होंगी	May be asking
बोलता होगा	बोलते होंगे	बोलती होगी	बोलती होंगी	May be telling
कहता होगा	कहते होंगे	कहती होगी	कहती होंगी	May be saying
रोता होगा	रोते होंगे	रोती होगी	रोती होंगी	May be crying

सोता होगा	सोते होंगे	सोती होगी	सोती होंगी	May be sleeping
चढ़ता होगा	चढ़ते होंगे	चढ़ती होगी	चढ़ती होंगी	May be climbing
उतरता होगा	उतरते होंगे	उतरती होगी	उतरती होंगी	May be descending
उड़ता होगा	उड़ते होंगे	उडती होगी	उडती होंगी	May be flying
डालता होगा	डालते होंगे	डालती होगी	डालती होंगी	May be putting
बनाता होगा	बनाते होंगे	बनाती होगी	बनाती होंगी	May be making
खरीदता होगा	खरीदते होंगे	खरीदती होगी	खरीदती होंगी	May be buying
बेचता होगा	बेचते होंगे	बेचती होगी	बेचती होंगी	May be selling
छोड़ता होगा	छोड़ते होंगे	छोडती होगी	छोडती होंगी	May be leaving
सुनता होगा	सुनते होंगे	सुनती होगी	सुनती होंगी	May be hearing
गाता होगा	गाते होंगे	गाती होगी	गाती होंगी	May be singing
देता होगा	देते होंगे	देती होगी	देती होंगी	May be giving
लेता होगा	लेते होंगे	लेती होगी	लेती होंगी	May be taking
लाता होगा	लाते होंगे	लाती होगी	लाती होंगी	May be bringing
माँगता होगा	मांगते होंगे	मांगती होगी	मांगती होंगी	May be demanding

अभ्यास 1

सीता पांचवीं कक्षा में पढ़ती है। वह रोज़ पांच बजे उठती है। उठते ही हाथ-मुंह धोने के बाद नहाती है। छः बजे उसकी माँ उसे चाय देती है। सीता चाय पीने के बाद पढने बैठती है। वह आठ तक पढ़ती है। फिर स्कूल जाने के लिए तैयार होती है। साढ़े आठ बजे वह नाश्ता करती है। फिर पुस्तक लेकर स्कूल बस पकड़ने बस स्टेशन जाती है। वह स्कूल बस से रोज़ स्कूल जाती है। नौ बजे वह स्कूल पहुँचती है।

सीता के बदले रवि कर्ता के स्थान पर आ जाय तो अनुच्छेद कैसे होगा?

रवि पांचवीं कक्षा में पढ़ता है। वह रोज़ पांच बजे उठता है। उठते ही हाथ-मुंह धोने के बाद नहाता है। छः बजे उसकी माँ उसे चाय देती है। रवि चाय पीने के बाद पढने बैठता है। वह आठ तक पढ़ता है। फिर स्कूल जाने के लिए तैयार होता है। साढ़े आठ बजे वह नाश्ता करता है। फिर पुस्तक लेकर स्कूल बस पकड़ने बस स्टांड जाता है। वह स्कूल बस से रोज़ स्कूल जाता है। नौ बजे वह स्कूल पहुँचता है।

(कर्ता को बदलकर अनुच्छेद का पुनर्लेखन कीजिये। कर्ता के स्थान पर 'मैं', 'हम', 'वे' रखकर देखिये।)

अभ्यास - 2

मैदान में लड़के फूटबाल खेल रहे हैं। हम सब उनके खेल देख रहे हैं। सेंट तोमस स्कूल और माउन्ट कार्मल स्कूल के बीच मैच चल रही है। हम सेंट तोमस स्कूल में पढ़ रहे हैं। हमारी टीम अच्छे तरह खेल रही है। दूसरी टीम को हारने के लिए जी-जान से कोशिश कर रहे हैं। हम सब उनकी जीत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

(इस अनुच्छेद को सामान्य वर्तमान काल में बदलकर लिखिए।)

अभ्यास - 3

राजू रोज सुबह 6:15 बजे उठता है। वह पार्क में एक घंटे तक जॉगिंग करता है।

फिर वह स्नान करता है। वह अपने दांत ब्रश करता है। वह 7:45 बजे नाश्ता करता है। वह अखबार पढ़ता है। उसने बर्तन धोए। फिर वह काम करने के लिए ड्राइव करता है। वह 8:30 बजे काम शुरू करता है। वह 5:30 बजे घर जाता है।

वह शनिवार और रविवार को आराम करता है। वह सप्ताहांत प्यार करता है।

(इस अनुच्छेद को तात्कालिक वर्तमान काल और संदिग्ध वर्तमानकाल में बदलकर लिखिए।)

अभ्यास - 4

निम्नलिखित वाक्यों को हिन्दी में लिखिए।

- Where do you work?
- What does he do?
- How do they come here?
- When do we start?
- Why do they play football so late?
- What does she like doing at the weekend?
- Where do you go to the cinema?
- When do we leave?

निम्न लिखित अनुच्छेद को हिन्दी में लिखिए।

Chandan is a simple person. He is a farmer. He lives in village with his wife. He gets up early in the morning. He does not use toothbrush to clean his teeth. He cleans his teeth with a small twig of neem tree. He takes break fast after bath. He goes to his field early in the morning. He does not buy food from market. He grows it in his field. He also grows some vegetables like potatoes, onions and tomatoes. He doesn't buy clothes with money. He gives some rice and wheat to the shopkeeper and the shopkeeper gives him clothes in exchange.

चंदन एक साधारण व्यक्ति है। वह एक किसान है। वह गांव में अपनी पत्नी के साथ रहता है। वह सुबह जल्दी उठता है। वह दांत साफ करने के लिए ब्रश का प्रयोग नहीं करता है। वह नीम के पेड़ की छोटी टहनी (दातून) से दांत साफ करता है। नहाने के बाद वह नाश्ता करता है। वह सुबह जल्दी अपने खेत पर जाता है। वह बाजार से खाना नहीं खरीदता है। वह इसे अपने खेत में उगाता है। वह कुछ सब्जियां जैसे आलू, प्याज और टमाटर भी उगाता है। वह पैसे से कपड़े नहीं खरीदता है। वह दुकानदार को कुछ चावल और गेहूं दे देता है और दुकानदार उसके बदले में उसे कपड़े दे देता है।

अभ्यास - 5

इन अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

1. My name is Amit. I live in a village. I like my village very much. I study in class 10th. Saurabh is my friend. He reads with me in my school. He lives near my village.I like to play cricket. We play cricket together. Gaurav is younger brother of Saurabh. He reads in class 8th. He also plays cricket with us.
2. Mr. Sharma is a teacher. He is teaching in our school. He is a good person. He teaches us English. His way of teaching is very good. All children respect him. I also respect him. He always comes to school on time. All children obey him.

भूतकाल

भूतकाल के छः भेद

- लड़का आया।
- बच्चे सोये।
- मीरा दौडी।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

- वह आया है।
- मैं सोया हूँ।
- लड़के पहुँचे हैं।

- रमेश आया था।
- कीर्ती रोयी थी।
- बच्ची गयी थी।

- वे चले होंगे।
- गाडी स्टेशन पहुँची होगी।
- पिताजी घर आये होंगे।

- सीता गीत गाती थी (गा रही थी)।
- अक्षय पानी पीता था (पी रहा था)।
- लड़के गेंद खेलते थे (खेल रहे थे)।

- अगर तुम पढते तो पास होते।
- अगर लड़की कलम देती तो लड़का लिखता।
- अगर पिताजी साडी लाते तो माताजी खुश हो जाती।

सामान्यभूतकाल

भूतकाल के छः रूपों में सामान्य भूतकाल क्रिया में जिन क्रियाधातुओं के अंत में स्वर हो उनके साथ 'या' और जिन क्रिया धातुओं के अंत में व्यंजन हो उनके साथ 'आ' जोडकर सामान्यभूतकाल क्रिया रूप बनाया जाता है।

स्वरव्यंजन

आया	came	देखा	saw
पिया	drank	सुना	heard
रोया	cried	दौड़ा	ran

अपवाद

जा	-	गया
कर	-	किया
हो	-	हुआ
छू	-	छुआ
दे	-	दिया
ले	-	लिया

आसन्नभूतकाल

सामान्यभूतकाल क्रिया के साथ हूँ, हो, है, हैं आदि जोड़कर आसन्नभूतकाल कियारूप बनाया जाता है।

आया है	has come	देखा है	has seen
पिया है	has drunk	दौड़ा है	has run
सोया है	has slept	सुना है	has heard

पूर्णभूतकाल

सामान्य भूतकाल क्रिया के साथ था, थे, थी, थीं आदि जोड़कर पूर्णभूतकाल क्रिया रूप बनाया जाता है।

आया था	had come	देखा था	had seen
सोया था	had slept	चला था	had walked
पिया था	had drunk	दौड़ा था	had run

संदिग्धभूतकाल

सामान्यभूतकाल क्रिया के साथ हूँगा, हूँगी, होगे, होगा, होगी, होंगे, होंगी आदि जोड़कर संदिग्धभूतकाल क्रियारूप बनाया जाता है।

आया होगा	might have come	देखा होगा	might have seen
पिया होगा	might have drunk	सुना होगा	might have heard
रोया होगा	might have cried	चला होगा	might have walked

अपूर्णभूतकाल

कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार क्रियाधातु के साथ ता था (रहाथा), ती थी (रही थी), ते थे (रहे थे), ती थीं (रही थीं) आदि जोड़कर अपूर्णभूतकाल क्रिया रूप बनाया जाता है।

लड़का आता था (आ रहा था)।	the boy was coming
हम टी.वी. देखते थे (देख रहे थे)।	we were watching TV
मीना और मीरा बेंच पर बैठती थीं (बैठ रही थीं)।	Meena and Meera were sitting on the bench
वे पाठ पढ़ते थे (पढ़ रहे थे)।	They were studying

हेतुहेतुमदभूतकाल

वाक्य में 'अगर' और 'तो' का प्रयोग किया जाता है। क्रियाधातु के साथ ता, ते, ती, तीं आदि कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार जोड दिया जाता है।

अगर लड़का पढ़ता तो पास होता।	If the boy had studied, he would have passed
अगर लडकियाँ गाती तो हम सुनते।	if the girls had sung we would have heard .
अगर वह आता तो मैं उसके साथ बाहर जाता।	if he had come I would have gone out with him

क्रिया धातु	सामान्य भूत	आसन्न भूत	संदिग्ध भूत	पूर्ण भूत	अपूर्ण भूत	हेतु हेतुमद भूत
आ	आया	आया है	आया होगा	आया था	आता था	अगर आता तो
खा	खाया	खाया है	खाया होगा	खाया था	खाता था	अगर खाता तो
पढ़	पढ़ा	पढ़ा है	पढ़ा होगा	पढ़ा था	पढता था	अगर पढ़ता तो
सुन	सुना	सुना है	सुना होगा	सुना था	सुनता था	अगर सुनता तो
बोल	बोला	बोला है	बोला होगा	बोला था	बोलता था	अगर बोलता तो
कर	किया	किया है	किया होगा	किया था	करता था	अगर करता तो
दौड़	दौड़ा	दौड़ा है	दौड़ा होगा	दौड़ा था	दौड़ता था	अगर दौड़ता तो
जा	गया	गया है	गया होगा	गया था	जाता था	अगर जाता तो

'ने' नियम

सामान्य, आसन्न, संदिग्ध और पूर्ण भूतकाल में क्रिया अगर सकर्मक है तो कर्ता के साथ 'न' प्रत्यय लगाया जाता है। कर्ता के साथ 'ने' लगा है तो क्रिया कर्म के लिंग वचन के अनुसार बदलती है। अन्य सब जगहों में क्रिया करता के लिंग वचन के अनुसार बदलती है।

अब क्रिया सकर्मक है या अकर्मक यह कैसे पहचानेंगे?

क्रिया के साथ 'क्या' या 'किसको' - ये प्रश्न पूछिए। अगर उत्तर मिल रहा है तो क्रिया सकर्मक अन्यथा क्रिया अकर्मक।

उदाहरण देखिये :-

रवि पाठ पढ़ रहा है।

रवि क्या पढ़ रहा है? उत्तर मिल रहा है। इसलिए क्रिया सकर्मक। अब इसे सामान्य, आसन्न, संदिग्ध और पूर्ण भूतकाल में कैसे लिखेंगे?

रवि ने पाठ पढ़ा।

रवि ने पाठ पढ़ा है।

रवि ने पाठ पढ़ा होगा।

रवि ने पाठ पढ़ा था। (पाठ कर्म है ,पुलिंग एकवचन है। इसलिए क्रिया का रूप है 'पढ़ा'। अब रवि के बदले करता के स्थान पर लीला आ जाय तो भी क्रिया का रूप 'पढ़ा' ही होगा।)

जैसे -

लीला ने पाठ पढ़ा।

लीला ने पाठ पढ़ा है।

लीला ने पाठ पढ़ा होगा।

लीला ने पाठ पढ़ा था।

और भी उदाहरण देखिये :

रवि ने रोटी खायी। हम ने रोटी खायी।

मैं ने रोटी खायी। उसने रोटी खायी।

रवि ने दो रोटियाँ खाईं।

रवि ने दो रोटियाँ खायी हैं।

हम स्कूल गए। (जा अकर्मक क्रिया है।)

लड़के चले थे। लडकियाँ चली थीं। (चल अकर्मक क्रिया)

निम्नलिखित वाक्यों को सामान्य, आसन्न, संदिग्ध, पूर्ण और अपूर्ण भूतकाल में बदलकर लिखें।

1. मैं अपना पाठ याद करता हूँ।
2. सीता एक मधुर गाना गाती है।
3. तुम एक पत्र लिखते हो।
4. वे अपना पाठ याद करते है।
5. वह स्कूल जाता है।
6. हम हॉकी खेलते है।
7. वह कभी झूठ नहीं बोलता है।
8. हम अपनी किताबे नहीं पढते हैं।
9. क्या मै तुम्हे एक कलम देता हूँ?
10. वह यहाँ क्यों आती है?
11. तुम कौन-सी पुस्तक चाहते हो?
12. वह स्कूल कब जाता है?
13. क्या वह एक पत्र नहीं लिखती है?
14. क्या वह किताब पढता है?

मैं ने अपना पाठ याद किया।

मैं ने अपना पाठ याद किया है।

मैं ने अपना पाठ याद किया होगा।

मैं ने अपना पाठ याद किया था।

मैं अपना पाठ याद करता था।

- इस तरह अन्य वाक्यों को भी बदलिए।

अभ्यास - 1

हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

1. Meena sang a melodious song.
2. They helped you.
3. Brother went to work today.
4. Ram stole my book.

5. The field caught fire yesterday.
6. Ram went to school to read.
7. You went to school.
8. Ramesh went to the market.
9. Sohan went to Azamgarh today.
10. He beat me.
11. Sona taught English today.
12. Rakesh worked.
13. Mohan bought mango.

अभ्यास - 2

हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

1. I went to Benaras yesterday.
2. Ramji did not go to the post office today.
3. Who was assisted by Rama's brother yesterday?
4. In which park did Rajan play cricket?
5. Grandpa has walked towards the garden.
6. It rained heavily this morning.
7. I did not write two letters yesterday.
8. What did my elder sister not see?
9. Who had no book yesterday?
10. He was living in that house.
11. Why have the police not arrested the thief yet?
12. Dog killed the black snake.
13. Where did Mali go?

अब इस अनुच्छेद का अनुवाद करके देखें

A crow was very thirsty. He flew around in search of water, but the water did not appear anywhere. After some time he saw a pitcher. He sat on that pitcher. When he put his beak in it, he found that there was very little water in the pitcher. His beak could not reach the water. He thought up a trick. He saw some pebbles nearby. He picked up the pebbles one by one and started putting them in the pitcher. After a while, water got up to the pitcher's brim. The crow drank water and quenched his thirst.

एक कौआ बहुत प्यासा था। वह पानी की तलाश में इधर-उधर उड़ा पर पानी कहीं दिखाई नहीं दिया। कुछ देर बाद उसने एक घड़ा देखा। वह उस घड़े पर जा बैठा। जब उसने अपनी चोंच उसके अंदर डाली तो उसने पाया की घड़े में पानी बहुत कम था। उसकी चोंच पानी तक नहीं पहुँच सकी। उसने एक तरकीब सोची। पास ही उसने कुछ कंकड़ देखे। उसने एक-एक करके कंकड़ उठाये और घड़े में डालने लगा। थोड़ी देर में पानी घड़े के मुँह तक उठ आया। कौए ने पानी पिया और अपनी प्यास बुझाई।

अभ्यास - 3

इन अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

1. Due to the flood, water was all round. A saint went to the river Ganga for bathing. When he was bathing, he saw that a scorpion was flowing in the current of water. The saint tried to bring him out by hand many times but each time it fell down into the water. At last the saint succeeded but his hand was bleeding. When the saint came out, the people who were standing by asked him the reason for the incident. The saint replied, "When the scorpion does not change its behavior though it was only an insect,then why should I, being a man, should change my behavior?" All the people were full of admiration for the saint.

2. One day a little boy was playing near a bridge.He was only twelve years old. But he was a brave boy. As he was playing ,he saw that a horse had thrown its rider into the water .He jumped at once into the water . He swam up to the drowning man and brought him to the bank .Everybody praised the courage of the boy.

3. Once a farmer was standing at his door. Then a hungry fakir came there and asked the farmer to eat some-

thing.The farmer said 'I have nothing to give you.' Then the fakir asked water to drink. But the farmer didn't give him even water to drink. He told the fakir to leave the place immediately. The sad fakir left from there. After few days the farmer forgot his way in the forest. He saw a fakir's hut and went there. The farmer started asking him the way to his house. The fakir said it is far away and the sun is about to set. Spend the night in the hut. If you stay in the forest wild animals will eat you. So the farmer spent the night in that hut. In the morning the fakir went with the farmer showing the way. On the way the fakir asked him 'Do you recognize me?' The farmer recognized the fakir and was very ashamed.

भविष्यतकाल

सामान्य भविष्यतकाल

कर्ता के लिंग और वचन केअनुसार क्रियाधातु के साथ ऊँगा, ऊँगी, ओगे, ओगी, एगा, एगी, एँगे, एँगी आदि जोडकर सामान्य भविष्यतकाल क्रियारूप बनाया जाता है।

मैं आऊँगा।

तुम क्या करोगे।

लड़के गेंद खेलेंगे।

लड़कियाँ पानी पियेंगी।

मनु आम खाएगा।

संभाव्य भविष्यतकाल

सामान्य भविष्यतकाल से गा, गे, गी, गीं आदि छोड़कर संभाव्य भविष्यकाल क्रियारूप बनाया जाता है।

क्या मैं अन्दर आऊँ।

शायद हम आज दिल्ली जाएँ।

हे, भगवान मुझपर कृपा करें।

क्रिया धातु	सामान्य भाविकाल	संभाव्य भविष्यत्
आ	आयेगा /आयेगी /आयेंगे /आयेंगी /आऊँगा /आऊँगी /आओगे /आओगी	आये/आये/आयें/आऊँ/आओ
जा	जाएगा/जायेगी/जायेंगे/जायेंगी/जाऊंगा/जाऊंगी/जाओगे/जाओगी	जाए/जाएँ/जाऊं/जाओ
पढ़	पढेगा/पढेगी/पढेंगे/पढ़ेंगी/पढूँगा/पढ़ूंगी/पढोगे/पढ़ोगी	पढ़े/पढ़ें/पढ़ूं/पढो

रवि आयेगा।	Ravi will come
राधा आयेगी।	Radhaa will come
हम आयेंगे।	We shall come
हम आयेंगी।	We shall come
मैं आऊँगा / मैं आऊँगी।	I will come

इन वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करके देखें।

1. I shall write a letter. — मैं एक पत्र लिखूँगा।
2. We shall go to school tomorrow. — हम कल स्कूल जायेंगे।

3. You will read a book. तुम एक किताब पढ़ोगे।
4. His father will come from Delhi tomorrow. उसके पिता कल देहली से आयेंगे।
5. These boys will play a football match on Monday. ये लड़के सोमवार को फुटबॉल का मैच खेलेंगे।
6. I shall not go to Aligarh tomorrow. मैं कल अलीगढ नहीं जाऊँगा।
7. The boys will not sleep during the day. लड़के दिन में नहीं सोयेंगे।
8. We shall not play a hockey match tomorrow. हम कल हॉकी का मैच नहीं खेलेंगे।
9. Will he give you some pens? क्या वह तुमको कुछ कलमें देगा?
10. Will your brother not come tomorrow? क्या तुम्हारे भाई कल नहीं आयेंगे?
11. Will they eat mangoes? क्या वे आम खायेंगे?
12. Where shall we go tomorrow? हम कल कहाँ जायेंगे?
13. How many books will he buy? वह कितनी पुस्तकें खरीदेगा?
14. Which song will Maria sing? मरिया कौन-सा गाना गायेगी?

अभ्यास

इस अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

Ravi is my youngest son .He will get up at six AM in the morning. Then he will go for a walk in the park.After having breakfast he will study for two hours. He will go to college on time .He will not waste his time in idle hours.He will not make noise in the library.Teachers consider him a good boy.

सहायक क्रियायें

सक (can, able to)

मैं गीत गा सकता हूँ।

राधा पानी में तैर सकती है।

लडके पाठ पढ सकते हैं।

'सक' सहायक क्रिया में कर्ता के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता।

चुक (Finished)

वे खाना खा चुके।

लडकी आम खा चुकी।

'चुक' सहायक क्रिया में कर्ता के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता।

लग (begins to)

लडकियाँ गीत गाने लगीं।

बच्चे दूध पीने लगे।

मोहन रेडियो सुनने लगा।

'लग' सहायक क्रिया में कर्ता के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता।

चाहिए (should, must)

हमको अपने देश की सेवा करनी चाहिए।

सीता को पाठ पढना चाहिए।

मोहन को रोटी खानी चाहिए।

'चाहिए' सहायक क्रिया में कर्ता के साथ 'को' प्रत्यय लगाया जाता है।

पड (have to, has to)

मुझको दिल्ली जाना पड़ा।

रमेश को मिठाई खानी पड़ी।

अमृता को निबन्ध लिखना पड़ा।

'पड' सहायक क्रिया में कर्ता के साथ 'को' प्रत्यय लगाया जाता है।

अभ्यास

इन वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये।

1. He can lift this box.
2. You can speak English.
3. I can do this job.
4. He could not study in this college.
5. You could not make him understand.
6. He could not talk to me.
7. You can go.
8. Can I sit here.?
9. I should talk to him about it.
10. You should wait for him.
11. He should not study in this college.
12. I should do this job.
13. You should help him.
14. They must do this work.
15. He began to study
16. She began to sing

Critical Overview / अवलोकन

क्रिया के विभिन्न कालों को समझना भाषा की सटीकता और प्रभावी संप्रेषण के लिए आवश्यक है। समय के अनुसार क्रिया रूपों का सही प्रयोग संवाद को स्पष्ट और सजीव बनाता है। जब हम संज्ञा के लिंग और वचन के अनुसार क्रियाओं को बदलना सीखते हैं, तो भाषा की गतिशीलता और सुंदरता बढ़ती है। 'चाहिए' जैसे शब्दों का उपयोग हमें जरूरत और सुझाव व्यक्त करने की क्षमता प्रदान करता है। भूतकाल और भविष्यत काल के प्रयोग से हम घटनाओं को समय के क्रम में सही ढंग से व्यक्त कर सकते हैं। इस प्रकार, कालों के सही अभ्यास से भाषा में आत्मविश्वास बढ़ता है और बातचित का प्रवाह सहज होता है।

Recap / पुनरावृत्ति

- भूतकाल
- वर्तमानकाल
- भविष्यतकाल
- चाहिए काप्रयोग
- संज्ञा

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. .... हिन्दी पढता है।उचित एक संज्ञा के साथ वाक्य पूरा कीजिए?
2. मैं पानी में तैर......... (सक) सहायक क्रिया से वाक्य पूरा करें।
3. वह गाता है। संज्ञा स्त्रीलिंग एकवचन है तो प्रयोग कैसा होगा?
4. अध्यापक पाठ पढाते हैं। अध्यापिका से वाक्य पूरा करें।
5. राहुल ने आम खाया। अगर आम के बदले मिठाई हो तो क्रिया कैसी होगी?
6. चाहिए सहायक किया में कर्ता के साथ कौन-सा प्रत्यय लगाया जाता है?
7. 'हमको अपने देश की सेवा करना चाहिए। यह वाक्य शुद्ध कीजिए।
8. 'पेड पर' में पेड बहुवचन है तो प्रयोग कैसा होगा?
9. लड़का + ने = लड़के ने, लड़के + ने..........का प्रयोग कैसा होगा?
10. लड़के पानी पीने हैं, लड़कियाँ पानी ....क्रिया पूरा कीजिए।

Answers / उत्तर

1. अर्जुन
2. सकता हूँ
3. वह गीत गाती है
4. अध्यापिका पाठ पढ़ाती हैं।
5. राहुल ने मिठाई खायी
6. को
7. हमको देश की सेवा करनी चाहिए
8. पेडों पर
9. लड़कों ने
10. लडकियाँ पानी पीती हैं।

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. संज्ञा के साथ क्रियाओं का प्रयोग।
2. काल का परिचय दीजिए।
3. संज्ञा का परिचय दीजिए।
4. क्रिया की परिभाषा लिखिए।
5. 'चाहिए' का प्रयोग लिखिए।

इस वार्तालाप का हिन्दी में अनुवाद करो।

Dinesh: Did you do homework today?

Raju: No, I didn't.

Dinesh: Hey, the head of mathematics will scold you.

Raju: Will you show me your homework?

Dinesh: Yes, yes I will definitely show.

Raju: Yesterday I had a big headache, so I went to bed early at night.

Dinesh: You showed it to the doctor?

Raju: No, mother had given pills for headache.

Dinesh: But you should see the doctor.

इन अनुच्छेदों का हिन्दी में अनुवाद करो

1. One day Gautam Budhha was going to market. He saw some men. They were worried. Gautam Buddha asked one of them, "Where are you coming from and why are you so upset.?" The man replied, "Oh hermit! We are coming from the palace of the king. We had gone to complain about a dacoit." Hearing this, Gautam Budhha said, "Tell me more about the dacoit." Then the man said,"The dacoit is very terrible. He is more powerful than a tiger. He has killed many people. The army of the king can not face him. His name is Angulimal. " Hearing this, Gautam Budhha set out to the forest where Angulimal lived.

2. The king of the Kannaj was very intelligent. He had a son. The prince was very young and the king was very old. So, the king wanted an honest minister for his son. One day he called all his courtiers. He said, "Am I a good king?" Some courtiers said, "Sir, you are the best king of the world." Hearing this, the king was very happy. He gave a diamond to every courtier. A courtier was sitting silently. The king asked him the same question. He said,"You are really a good king but there are better kings than you in the world." Hearing this, the king became very happy and he appointed the courtier guardian of his son.

इस रेसिपी का हिन्दी में अनुवाद करो

Easy way to make Chana Masala

Material :-

Chana (gram) - 100 grams

Oil - 3 spoons

Cumin - 1/2 tsp

Curry leaves - 5-6

Onion - 1

Green chili - 3

Ginger Garlic Pest - 1/2 tsp

Chili Powder - 1 teaspoon

Coriander Powder - 1/2 tsp

Salt - as per taste

Garam masala - 1 teaspoon

Coconut Powder - 1 teaspoon

Lemon juice - 2 teaspoons

Coriander leaf

recipe :-

First of all, put a pan on the gas and put oil and cumin in it.

Then put curry leaves in it and then put onion and green chillies in it and roast it for a while.

Then add ginger garlic paste, chili powder, coriander powder, and a little salt to it and roast it for a while.

Then put gram in it and roast it.

Now put some water in it.

Then put coconut powder and garam masala in it and cover it and cook for 5 minutes.

Then put lemon juice and coconut powder in it and turn off the gas.

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

BLOCK - 02

शुभकामनाएँ, अभिलाषाएँ एवं कहानी

इकाई : 1

दैनिक गतिविधियाँ इच्छाएँ तथा वरीयताओं का वर्णन एवं सप्ताह तथा महीने

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- परिवार तथा दोस्तों के साथ किए जानेवाले वार्तालाप से अभ्यस्त होता है
- हमारी इच्छाओं और वरीयताओं को सरल भाषा में प्रकट करने की क्षमता प्राप्त करता है
- महीने, सप्ताह, तथा दिनों के हिन्दी समानार्थी शब्द की जानकारी प्राप्त करता है
- जान-पहचान के व्यक्तियों के बारे में सरल भाषा में वर्णन करने की क्षमता प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

दैनिक जीवन में हम एक दूसरे से बहुत सारे बातें करते हैं। दैनिक गतिविधियाँ जैसे खाना, पीना, सोना, जागना, पढ़ना आदि बातों के बारे में हम बात करते हैं। हमारे विचारों के आदान प्रदान करने में सबसे सशक्त माध्यम है बोलना। यद्यपि विचारों के आदान प्रदान केलिए कई माध्यम है, फिर भी 'कहना' सबसे ज़्यादा प्रयुक्त माध्यम है। बातों में हम इच्छाओं के बारे में, शौक के बारे में कहते हैं। हर बात करने का एक तरीका होता है। अपने शौक के बारे में बातें करना और अपने कामयाबियों के बारे में बात करने में अंतर होता है। हर विशेष प्रकार के बातें करने में विभिन्न बातों का ध्यान रखना पड़ता है। जैसे शब्द चुनाव आदि।

दैनिक गतिविधियों में हम जाने अनजाने कई प्रकार के शब्दों का प्रयोग करते हैं। विशेषकर दिन एवं महीनों का नाम हम हर रोज़ किसी न किसी प्रकार से करते ही है। इसका जिक्र के बिना हमारा एक भी दिन नहीं गुज़रता। दिनों का नाम और महीनों का ना जानना इसलिए जरूरी भी है। छोटे बच्चों को भी हम बचपन से ही यह सब बातें सिखाते हैं। और कुछ दिन ऐसे भी होते है जो हमारे जीवन में विशेष महत्व रखता है, जैसे - जन्मदिन, विवाह आदि। समूह के रूप में भी कुछ विशेष दिन होते हैं, जैसे - स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, पर्यावरण दिवस आदि। इन सारे दिनों को हम मनाते भी हैं और परीक्षाओं में इन दिनों के बारे में पूछा भी जाता है। इसलिए दिनों एवं महीनों के नाम सीखना ज़रूरी है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

गतिविधियाँ, व्यक्तित्व, उपस्थिति, इच्छाएँ, वरीयताएँ, महीने, सप्ताह, दिन

Discussion / चर्चा

भाषा विचार-विनमय का साधन है। यह मनुष्य जाति की पहचान भी है। दैनिक जीवन में परिवार से लेकर समाज तक हम जाने-अनजाने भाषा का प्रयोग करते हैं। चाहे जिस भाषा में हो विचार-विनिमय में कुशलता प्राप्त करना अनिवार्य है। यह विचार-विनमय परिवार से शुरु होता है।

परिवार की गतिविधियाँ

माता : उठिए न, सुबह छः बज चुके हैं।

पिता : कल रात सोने में कुछ देर हो गया था। इसलिए उठने में देर हो गयी।

माता : सूरज, बेटा, उठो न, छह बज चुके हैं।

सूरज : कुछ और देर तक सोने दो माँ, आज रविवार है न? कॉलेज की छुट्टी है।

पिता : रविवार तो है, लेकिन परीक्षा के सिर्फ एक हफ्ता बाकी है। अच्छी तरह न पढे तो अच्छे अंक नहीं मिलेंगे।

माता : बेटा अच्छे अंक चाहिए तो काफी मेहनत करनी पडेगी।

सूरज : मैं अपना पाठ रोज़ पढ़ा करता हूँ माँ। मुझे उमींद है कि रिसलट अच्छा ही निकलेगी।

पिता : बी.ए. पास होने के बाद तुम्हें क्या करने का इरादा है बैटा?

सूरज : एम.ए. करूँगा पापा।

माता : जो भी हो सुबह उठकर पढने की आदत न छोड़ो।

सूरज : जी माँ।

(इसी तरह अन्य पारिवारिक प्रसंगों पर बातचीत करने का अभ्यास करे)

माँ और बेटी के बीच का संवाद देखो

बेटी : माँ, देखो मेरी ये नयी ड्रेस कैसी है?

माँ : यह कैसी ड्रेस पहन राखी है तूने?

बेटी : माँ, यह क्रॉप टॉप है। आजकल यही फैशन है।

माँ : होगा फैशन। पर मुझे अच्छा नहीं लगा।

बेटी : इसमें क्या खराबी है माँ?

माँ : फैशन करना गलत नहीं है, पर कपड़ा बदन को ढकने के लिए होता है न।

अब इन वार्तालापों का हिन्दी में अनुवाद करे

1. Mother : Where are you going daughter?
   Daughter : I am going to Shweta's house for group study.
   Mother : Okay, come before evening.
   Daughter : Okay mom, don't you worry. I will reach before it gets dark.

2. Sangeeta : Priya how was your question paper?
   Priya : My question paper turned out to be very good, I am very happy and how was yours.
   Sangeeta : I got it right but can't say good.
   Priya : Now let's prepare for the second question paper.
   Sangeeta : Yes come on.

दोस्तों के साथ की गयी गतिविधि (छुट्टी की जानकारी)

संजय : नमस्ते सन्दीप।

सन्दीप : नमस्ते

संजय : आज छुट्टी है न? क्या हम एक सिनेमा देखने केलिए जाएँ?

सन्दीप : कौन-सी मूवी?

संजय : अर्चना थियेटर में।

सन्दीप : क्या वहाँ कोई अच्छी मूवी चल रही है?

संजय : मंजू ने कहा था कि वहाँ 'पठान' मूवी नामक सिनेमा चल रही है।

सन्दीप : सिनेमा का नायक कौन है?

संजय : नायक शाहरुखखान है और नायिका है दीपिक।

सन्दीप : सिनेमा कितने बजे शुरू होगा?

संजय : साढ़े तीन बजे, शाम को छह बजे हम लौट सकेंगे।

सन्दीप : अच्छा, तो चलें। आज की छुट्टी का दिन हम इस तरह मनायेंगे।

संजय : मेरी भी यही इच्छा है।

अभ्यास

निम्न लिखित वार्तालाप में प्रकाश का वार्तालाप आप की ओर से लिखिए।

दिलीप : अरे मित्र! तूने हिन्दी का पाठ याद कर लिया?

प्रकाश : ....

दिलीप : मैं ने तो पूरा पाठ ही दोहरा लिया पता नहीं आज गुरु जी क्या क्या सवाल पूछेंगे?

प्रकाश : ....

दिलीप : स्कूल जाकर एक बार फिर से दोहरा लेंगे।

प्रकाश : ....

दिलीप : हाँ सही कहा।

प्रकाश : ....

संवाद पढो और दूरदर्शन के बारे में एक अनुच्छेद लिखो

जया : हेलो माया कैसे हो?

माया : मैं ठीक हूँ।

जया : तुमने भी सोचा दूरदर्शन की हमारे जीवन में कितनी उपयोगिता है?

माया : हाँ, सच कह रही है। दूरदर्शन नहीं होता तो हमें दिन-दुनिया की खबरों के बारे पता नहीं चलता।

जया : सर्वप्रथम दूरदर्शन ने टी.वी. जगत में अपनी अहम भूमिका निभाई और सबके दिल को जीत लिया।

माया : हाँ, सबसे पहले में तो दूरदर्शन ही था। जिसमें कोई अलग चैनल नहीं होता था।

जया : और हम सारे दूरदर्शन में ही खबरें सुनते थे, नाटक देखते थे।

माया : उस समय थी एक मनोरंजन का साधन था।

जया : कुछ भी कहो आज सब कुछ है नए-नए आविष्कार है लेकिन दूरदर्शन का लग मज़ा था।

भविष्यत काल का प्रयोग

हम मूवी देखने चलें?

हम मूवी देखने चलेंगे।

(यहाँ पहला वाक्य संभाव्य भविष्यत काल में है और दूसरा वाक्य सामान्य भविष्यत काल में है। भविष्यत काल में क्रिया कर्ता के लिंग वचन के अनुसार बदल जाती है। सामान्य भविष्यत काल के 'गा', 'गे', 'गी' को हटाने पर सभाव्य भविष्यतकालीन क्रिया का रूप मिलेगा।)

तुम कहाँ जाओगे?

मैं स्कूल जाऊँगा। सामान्य भविष्यत काल

क्या मैं स्कूल जाऊँ। संभाव्य भविष्यत काल

वह रवि को पुस्तक देगा। सामान्य भविष्यत

वह रवि को पुस्तक दे। संभाव्य भविष्यत

हम सिनेमा जाएँगे। सामान्य भविष्यत

हम सिनेमा जाएँ। संभाव्य भविष्यत

(संभाव्य भविष्यत काल अनुमति, इच्छा आदि भाव प्रकट करते हैं।)

इच्छा

अध्यापक : अच्छा बच्चो बताओ बड़े होने पर तुम क्या बनना चाहते हो?

किरण : मैं एक डॉक्टर बनना चाहता हूँ।

अध्यापक : क्यों?

किरण : डॉक्टर बीमारीयों से मनुष्य को बचानेवाला है और एक डाक्टर का काम बहुत महत्वपूर्ण है।

किशन : मैं एक अध्यापक बनना चाहता हूँ। मुझे पढाना अच्छा लगता है।

मंजू : मैं एक नर्स बनना चाहती हूँ क्योंकि नर्स लोगों को पीडा से मुक्त करती है।

मनु : मैं इंजीनीयर बनना चाहता हूँ।

जोबिन : मैं पुलीस बनना चाहता हूँ।

अभिनव : मैं कलक्टर बनना चाहता हूँ।

अध्यापक : अच्छा बच्चो तुम लोग मन लगाकर पढो। ताकि अपने-अपने लक्ष्य पर पहूँच सके।

'चाह' सहायक क्रिया का प्रयोग

मैं डॉक्टर बनना चाहता हूँ।

वो कलक्टर बनना चाहता है।

तुम क्या करना चाहते हो।

मैं काम करना चाहता हूँ।

('चाह' सहायक क्रिया के पहले क्रिया का साधरण रूप 'ना' अर्थात् करना बनना जाना आते हैं। क्रिया कर्ता के लिंग वचन के अनुसार बदलती है।)

महत्वपूर्ण व्यक्तित्व

अध्यापक : बच्चो हमारे देश में बहुत से ऐसे व्यक्तित्व हैं जो हमारे जीवन में मार्गदर्शन देते हैं। इनके बारे में जानाकरी प्राप्त करना हमारे लिए बहुत आवश्यक है। अच्छा कुछ महान लोगों के नाम बताओ।

छात्र : महात्मा गांधी

अध्यापक : महात्मा गांधी कौन हैं?

छात्र : वे हमारे राष्ट्र पिता हैं।

अध्यापक : उनका जन्म कब और कहाँ हुआ जानते हो?

छात्र : हाँ हाँ अक्टूबर 2 को पोरबन्दर में।

अध्यापक : गांधी जी का पूरा नाम मोहदास करमचंद गांधी था। उनके पिता का नाम करमचंद गांधी और माँ का नाम पुतली बाई था।

छात्र : हाँ सर् हम जानते हैं। प्यार से उनको हम बापू कहते हैं।

अध्यापक : जानते हो महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता क्यों कहते हैं?

छात्र : पूरे देश को एक साथ खडा करके बापू ने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था इसलिए उन्हें हम बापू कहते हैं।

अध्यापक : गांधी जी की मृत्यु जनवरी 30 1948 को हुई। अच्छा बच्चो गांधी जी के बारे में हमने बहुत सारी बातें जानी। अब उनके बारे में एक अनुच्छेद लिखो।

महात्मा गांधी हमारा राष्ट्रपिता है। उनका जन्म गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर 1869 में हुआ। उनके पिता का नाम करमचंद गांधी और माँ का नाम पुतलीबाई था। महात्मा गांधी का असली नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी थी। उन्होंने पूरे देश को एक साथ खडा करके स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया था इसलिए उन्हें हम बापू कहते हैं। उनकी मृत्यु जनवरी 30 1948 को हुई।

(इसी तरह प्रमुख व्यक्तियों के संबंध में वार्तालाप द्वारा अनुच्छेद लिखवाने की चेष्टा करें।)

महीने तथा सप्ताह के नाम

महीनों के नाम

1. जनवरी
2. फरवरी
3. मार्च
4. अप्रैल
5. मई
6. जून
7. जुलाई
8. अगस्त
9. सितंबर
10. अक्टूबर
11. नवबर
12. दिसंबर

सप्ताहों के दिन के नाम

1. रविवार
2. सोमवार
3. मंगलवार
4. बुधवार
5. गुरुवार
6. शुक्रवार
7. शनिवार

गिनती

अब 70 से 100 तक की गिनती देखें

इकहत्तर, बहत्तर, तिहत्तर, चौहत्तर, पचहत्तर, सतहत्तर, अठहत्तर, उन्नास्सी, अस्सी

इक्यासी, बयासी, तिरास्सी, चौरासी, पचासी, छियासी, सत्तासी, अठासी, नवासी, नब्बे

इक्यानाब्बे, बानाब्बे, तिरान्ब्बे, चौरानब्बे, पचानब्बे, छियानब्बे, सत्तानब्बे, अठानब्बे, निन्यानब्बे, सौ

बच्चो रिपब्लिक डे कब है?

जनवरी 26

विश्व हिन्दी दिवस कब है?

जनवरी 10

वालन्डैन्स डे कब मनाते हैं?

फरवरी 14

अंतर्राष्ट्रीय वनिता दिवस कब है?

मार्च 8

अंबेडकर जयन्ती कब है?

अप्रैल 14

मई दिन कब है?

मई 1

पर्यावरण दिवस कब है?

जून 5

कार्गिल विजय दिवस कब मनाते हैं?

जुलाई 26

स्वतंत्रता दिवस कब है?

अगस्त 15

विश्व साक्षरता दिवस कब है?

सितंबर 8

शिक्षक दिवस कब है?

सितंबर 5

हिन्दी दिवस कब है?

सितंबर 14

गांधी जयन्ती कब है?

अक्टूबर 2

संविधान दिवस कब है?

नवंबर 26

मानवाधिकार दिवस कब है?

दिसंबर 10

क्रिसमस कब है?

दिसंबर 25

एड्स दिन कब है?

दिसंबर 1

Critical Overview / अवलोकन

दैनिक जीवन में जाने-अनजाने हम भाषा का प्रयोग करते रहते हैं। जब हम आपस में चर्चा करते हैं तब हम अपनी वरीयताओं तथा इच्छाओं के बारे में दूसरों से बाँटते हैं। यह विचार-विनियम परिवार से लेकर समाज के परिचित और अपरिचित व्यक्तियों से भी होता है।

Recap / पुनरावृत्ति

- दैनिक गतिविधियाँ
- इच्छाएँ
- वरीयताएँ
- महीनों के नाम
- सप्ताहों के नाम
- शुभकामनाएँ संबंधित वार्तालाप
- अभिलाषाएँ संबंधित वार्तालाप
- प्रमुख व्यक्तियों के संबंध में वार्तालाप द्वारा अनुच्छेद

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. एक सप्ताह का पहला दिन कौन-सा है?
2. सप्ताह का अंतिम दिन?
3. हिन्दी दिवस कब है?
4. अंग्रेजी के monday को हिन्दी में क्या कहते है?
5. पर्यावरण दिवस कब है?
6. किस महीने में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है?
7. साल के अंतिम महीने का नाम बताइए?
8. संभाव्य भविष्यत में बदलिए

   हम खाना खाएँगे।

   मैं पाठ पढ़ूँगा।

   हम सिनेमा देखने जाएेंगे।
9. शुद्ध कीजिए
   1. हम वहाँ जाने चाहते हैं।
   2. तुम क्या करनी चाहती हो।
   3. मैं हिन्दी सीखनी चाहती हूँ।

Answers/ उत्तर

1. रविवार (इतवार)
2. शनिवार
3. सितंबर 14
4. सोमवार
5. जून 8
6. अगस्त
7. दिसम्बर
8. हम खाना खाएें।
   मैं पाठ पढ़ूँ।
   हम सिनेमा देखने जाएें।
9.
   1. हम वहाँ जाना चाहते हैं।
   2. तुम क्या करना चाहती हो।
   3. मैं हिन्दी सीखना चाहती हूँ।

Assignments/ प्रदत्त कार्य

1. अध्यापक और छात्रों के बीच हमारे प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी के संबंध में वार्तालाप हो रहा है। उस संभावित वार्तालाप तैयार कीजिए।
2. आप डॉक्टर क्यों बनना चाहते हैं। इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।
3. आपके और दोस्त के बीच अपनी अभिलाषा के संबंध में वार्तालाप हो रहा है। उस संभावित वार्तालाप को तैयार कीजिए।
4. वार्तालाप को पढ़िए और 'सरफ़रोश' फिल्म पर एक अनुच्छेद लिखिए।

वरुण : नमस्ते अरुण! इस समय कहाँ से चले आ रहे हो।

अरुण : नमस्ते वरुण! मैं इस समय फ़िल्म देखकर आ रहा हूँ।

वरुण : अरे! कोई नई फ़िल्म आई है क्या?

अरुण : नहीं वरुण, यह नई फ़िल्म नहीं है। बड़े भाई साहब दो-तीन साल पहले कह रहे थे कि 'सरफरोश' अच्छी फ़िल्म है, मौका मिले तो देखना।

वरुण : अरुण, कौन-कौन से अभिनेता-अभिनेत्रियों ने इसमें काम किया है?

अरुण : इस फ़िल्म में मुख्य रूप से आमिर खान, सोनाली बेंद्रे, नसीरुद्दीन शाह आदि ने प्रभावपूर्ण अभिनय किया है।

वरुण : इस फ़िल्म की कहानी का आधार क्या है?

अरुण : इस फ़िल्म की कहानी का आधार देशभक्ति, देश में व्याप्त नशीले पदार्थ और हथियारों का क्रय-विक्रय और देश में अस्थिरता फैलाने और देश के दुश्मनों का पर्दाफ़ाश करना है।

वरुण	:	आमिर खान की इस फ़िल्म में भूमिका क्या है?
अरुण	:	इस फ़िल्म में आमिर खान ने एक जाँबाज पुलिस अफसर की भूमिका निभाई है जो देश के दुश्मनों का पर्दाफ़ाश करते हुए इसके मुखिया की असलियत सभी के सामने लाते हैं।
वरुण	:	इस फ़िल्म में नसीरुद्दीन शाह की क्या भूमिका है?
अरुण	:	इस फ़िल्म में नसीरुद्दीन शाह कला प्रेमी हैं जो अपनी कला की आड़ में काले-धंधे चलाते हैं।
वरुण	:	फिर तो इस रविवार को मैं भी इस फ़िल्म को देखूगा।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी .पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 2

चाहना, पसंद होना, अच्छा लगना, प्रश्नवाचक शब्द एवं विशेषण

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- चाहना पसंद होना, अच्छा लगना आदि क्रियाओं की प्रयोग संबंधी जानकारी प्राप्त करता है
- प्रश्नवाचक शब्द कैसे, क्यों, किस प्रकार आदि की प्रयोग संबंधी जानकारी प्राप्त करता है
- विशेषणों की प्रयोग संबंधी जानकारी प्राप्त करता है
- व्याकरण सम्मत वाक्य संरचना की जानकारी प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

दैनिक जीवन के बातचीत में हम विभिन्न प्रकार के शब्दों का प्रयोग करते हैं। उनमें से एक है - इच्छा बोधक वाक्य एवं वाक्यांश। हम हर दिन विभिन्न कार्यों केलिए इच्छा बोधक शब्दों का उपयोग करते हैं। जैसे की कुछ खाने या पीने का चाहत या फिर कुछ करने या पाने की चाहत। हम अपने करीबी लोगों से अपने चाहतों के बारे में कहते हैं। कुछ चाहत आसानी से पा सकते हैं लेकिन कुछ को पाने में बहुत मेहनत लगता है। कुछ चाहतें हम अकेले पूरे कर सकते हैं और कुछ केलिए दूसरों का सहयोग भी चाहिए होते हैं। और कुछ चाहतें ऐसे होते हैं जिनके पूरे होने तक कोई हमपर एकीन ही नहीं करेंगे। जीवन में चाहत का हम स्थान है, इसलिए भी वह बार बार हमारे बातों में आ ही जाते हैं।

प्रश्नवाचक शब्द दैनिक जीवन में प्रयुक्त अन्य एक प्रकार के शब्द हैं। हम हर दिन सवाल पूछते रहते हैं। नए नए बातों को जानने केलिए और आम एवं साधारण बातों का पता लगाने केलिए भी प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न पूछना मनुष्य की सबसे सशक्त प्रवृत्ति है। जहाँ कहीं भी अत्याचार एवं अनाचार देखता है तो मानव ह्रदय सवाल कर उठता है। इसकेलिए प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग होते है। यद्यपि हम हर रोज इसका प्रयोग करते हैं, फिर भी इसका करना ज़रूरी है।

हमारे बातों को और अधिक प्रभावशाली बनाने केलिए हम विशेषण शब्दों का प्रयोग करते हैं। जी जिन बातें हम करते हैं उन्हें अधिक सरलता एवं स्पष्टता के साथ सुननेवाले तक पहूँचाने केलिए ऐसे शब्द सहायक हैं। विशेषण शब्द कई प्रकार के हैं। इसका अध्ययन रोचक एवं मज़ेदार होते हैं।

Keywords / मुख्य बिन्दु

चाहना, पसंद होना, अच्छा लगना

Discussion / चर्चा

कुछ सहायक क्रियाएँ मुख्य क्रिया के साथ आकर उसे कुछ विशेष अर्थ प्रदान करता है। चाहना, पसंद होना, अच्छा लगना आदि ऐसी क्रियाएँ हैं। दैनिक जीवन में हमारे वार्तालाप में ये क्रियाएँ आती रहती है।

चाहना - क्रिया का प्रयोग

कुछ वाक्य

1. मैं जाना चाहता हूँ।
2. मैं हिन्दी बोलना चाहता हूँ।

3. हम उनसे मिलना चाहते हैं।

('चाह' सहायक क्रिया के पहले क्रिया का साधरण रूप 'ना' अर्थात् करना बनना जाना आते हैं। क्रिया कर्ता के लिंग वचन के अनुसार बदलती है।)

पसंद होना - क्रिया

कुछ वाक्य

1. मुझे आम पसंद है।
2. मैं अकेला रहना पसंद करता हूँ।
3. वह मुझे पसंद करता है।
4. पापा को चाय पसंद है।
5. तुम्हें क्या पसंद है।

(पसंद शब्द किसी भी क्रिया के पहले आकर उस क्रिया को विशेष अर्थ प्रदान करता है।)

वह उसको पसंद होना चाहिए।

हमको शाकाहारी भोजन पसंद होना चाहिए।

अच्छा लगना - क्रिया

कुछ वाक्य

1. आप को क्या-क्या अच्छा लगता है?
2. अच्छा लगनेवाली चीजें सबके लिए अलग-अलग क्यों है?
3. आपको कौन सा फल अच्छा लगता है?

प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग

जैसे

1. आप कैसे दिल्ली जाएँगे?
2. तुम कैसे स्कूल जाओगी?
3. मैं कैसे बाज़ार जाऊँ?

क्यों

जैसे,

1. तुम क्यों बाजार जाना चाहती हो?
2. आप क्यों बारिश में भीगाना चाहते हैं?
3. वह क्यों स्कूल नहीं गया?

विशेषणों का तुलनात्मक रूप

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
अधिक	अधिकतर	अधिकतम
बृहत	बृहत्तर	बृहत्तम
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
सुंदर	सुंदरतर	सुंदरतम
सभ्य	सभ्यतर	सभ्यतम
श्रेष्ठ	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम

संस्कृत तत्सम विशेषण शब्दों के साथ तर और तम जोडकर विशेषण के उत्तरावस्था और उत्तमावस्था बना लिया जाता है।

इसके अलावा कुछ उदाहरण

मूलावस्था	-	अमरूद मीठा फल है।
उत्तरावस्था	-	संतरा अमरूद से मीठा फल है।
उत्तमावस्था	-	सेब सब से मीठा फल है।

मूलावस्था	-	अतुल नम्र लड़का है।
उत्तरावस्था	-	अखिल अतुल से नम्र लड़का है।
उत्तमावस्था	-	अरविन्द सबसे नम्र लड़का है।

मूलावस्था	-	चमेली सुन्दर फूल है।
उत्तरावस्था	-	कमल चमेली से सुन्दरतर फूल है।
उत्तमावस्था	-	गुलाब सबसे सुन्दरतम फूल है।

Critical Overview / अवलोकन

क्रिया क्रिया शब्द और शब्द होने की अवस्था है। क्रिया शब्दों के उदाहरण है - चाहना, पसंद होना, अच्छा लगना। होने की अवस्था शब्दों के उदाहरण है: है, था, होना। चाहना, पसंद होना, अच्छा लगना आदि का प्रयोग दैनिक जीवन में हम करते आ रहे है।

पूछने की क्रिया या सामान्य क्रिया जिसका उपयोग प्रश्न में किया जाता है।

क्यों, किस प्रकार, कैसे आदि प्रश्नवाचक है। चाहना ,पसंद होना, अच्छा लगना आदि का प्रयोग दैनिक जीवन में हम करते आ रहे है। क्यों, किस प्रकार, कैसे आदि प्रश्न वाचक है।

Recap / पुनरावृत्ति

- चाहना का प्रयोग
- पसंद होना का प्रयोग
- अच्छा होना का प्रयोग
- प्रश्नवाचक शब्द - क्यों, कैसे, किस प्रकार
- विशेषण की अतिशयोक्तिपूर्ण डिग्री
- व्याकरण सम्मत वाक्य संरचना

Objective questions/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्नवाचक शब्द लिखिए

1. आप किस प्रकार परीक्षा लिखेंगे?
2. तुम क्यों है दराबाद जाओगी?
3. वह कैसे बाज़ार जाएगा?

विशेषण की अतिशयोक्तिपूर्ण डिग्री लिखे।

4. श्रेष्ठ
5. उच्च
6. अधिक
7. प्रिय
8. सुंदर

Answers / उत्तर

1. किस प्रकार
2. क्यों
3. कैसे
4. श्रेष्ठतर
5. उच्चतर
6. अधिकतर
7. प्रियतर
8. सुन्दरतर

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. क्यों, कैसे, किस प्रकार आदि से वाक्य बनाइए।
2. शुभम : मित्र ध्रुव! विज्ञान ने दूरदर्शन के रूप में हमें कितना सुंदर उपहार दिया है।

   ध्रुव : शुभम, बिलकुल ठीक कहते हो। आज यह हर घर की ज़रूरत बन गई है।

   शुभम : ठीक कह रहे हो। बच्चे, बूढ़े और युवा सभी इसके कार्यक्रमों का आनंद उठाते हैं।

   ध्रुव : शुभम, दूरदर्शन मनोरंजन का ही नहीं, बल्कि ज्ञान का भी साधन है।

   शुभम : है तो पर इसके कई चैनल अश्लील कार्यक्रम भी दिखा रहे हैं जिन्हें परिवार के साथ बैठकर देखने में शर्म आती

   ध्रुव : ऐसे कार्यक्रमों का युवाओं पर अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। फिर भी ऐसे कार्यक्रम पता नहीं क्यों दिखाए जाते हैं?

   शुभम : इन कार्यक्रमों के निर्माताओं को ऐसे कार्यक्रमों से अधिक लाभ मिलता है तथा उनकी टी.आर.पी. बढ़ती है।

ध्रुव : कुछ भी हो, पर इन अश्लील कार्यक्रमों पर रोक लगनी ही चाहिए।

शुभम : पर इन पर रोक कैसे लगे?

ध्रुव : सरकार को चार-पाँच सदस्यों के सहयोग से 'दूरदर्शन कार्यक्रम नियंत्रण बोर्ड' का गठन कर देना चाहिए। इसकी स्वीकृति के बाद ही कार्यक्रम प्रसारित किया जाना चाहिए।

शुभम : पर समाज की भी तो कुछ ज़िम्मेदारी होनी चाहिए।

ध्रुव : समाज को भी ऐसे अश्लील कार्यक्रमों के खिलाफ़ आवाज़ उठानी चाहिए ताकि समाज का वातावरण स्वस्थ बना रहे।

-इस वार्तालाप के आधार पर दूरदर्शन पर एक अनुच्छेद लिखिए।

3. प्रभात : अरे पल्लव! यह सामान कैसे बिखरा हुआ है?

पल्लव : दुकानदार ने घटिया थैलियों में सामान दे दिया था। उसके टूटते ही सारा सामान बिखर गया।

प्रभात : इसमें दुकानदार की क्या गलती है?

पल्लव : फिर किसकी गलती है?

प्रभात : गलती तुम्हारी है। तुम घर से थैला लेकर क्यों नहीं आए?

पल्लव : इन प्लास्टिक की थैलियों में सामान लाने में क्या नुकसान है?

प्रभात : नुकसान है। ये प्लास्टिक की थैलियाँ पर्यावरण के अनुकूल नहीं हैं।

पल्लव : वो कैसे?

प्रभात : देखो, प्लास्टिक आसानी से सड़-गलकर मिट्टी में नहीं मिलता है। वह सालों-साल मिट्टी में बना रहता है। इससे ज़हरीली गैसें निकलती हैं।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी .पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 3
घटनाओं का वर्णन तथा कहानी वर्णन

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- पिछली घटनाओं की श्रृंखला का वर्णन करने का रीति समझता है
- कहानी कहने के लिए परिचयात्मक वाक्यांशों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करता है
- कहानी समाप्त होनेवाले पारंपरिक वाक्यांशों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करता है
- इसके बाद, इसीलिए, उसका मतलब आदि का प्रयोग संबंधि जानकारी प्राप्त करता है
- छात्र अपने विद्यार्थी जीवन में कहानियाँ बताने का परिचय प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

कहानी कहने और सुनने की कला बहुत पहले से ही मानव के जीवन का हिस्सा बना हुआ है। घर के बड़े बुजुर्ग बच्चों को कहानी सुनाया करते थे। जैसे जैसे बच्चें बड़े होते हैं, उन्हें कहानी ही पढ़ने को मिलते हैं। कहानियों के ज़रिए ही उनमें भाषाई कौशलों का विकास होता है।

बड़े लोग भी हर दिन अनगिनत कहानियों को सुनते हैं, कहते हैं और जीते हैं। हर ज़िंदगी कहानी है। हर रोज़ हम ऐसे कई कहानियाँ देखते हैं।

जीवन घटना प्रधान है। हर दिन नित नए नए घटनाएँ होते रहते हैं। और आँखों देखा आकस्मिक घटनाओं का वर्णन हम दूसरों के सामने प्रस्तुत करते हैं। इसमें समय, स्थान, लोग, हमारी भूमिका आदि का जिक्र होता है। प्रभावी ढंग से वर्णन करने केलिए विस्तृत शब्द भंडार एवं रोचक शैली मददगार साबित हो सकती है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

घटनाएँ, श्रृंखला, वाक्यांश, इसकेबाद, इसीलिए, उसका मतलब

Discussion / चर्चा

पिछली घटनाओं की श्रृंखला का वर्णन

कल सबेरे नौ बजे मैं स्कूल जा रहा था। वर्षा का फुहार हो रहा था। मैं घर के फाटक से निकलकर सडक पर पहुँच गया। अचानक लोगों का शोरगुल सुनाई पड़ा। कुछ दूर एक भीडजमा हो गयी थी। जब मैं उनके नज़दीक पहुँचा तो मुझे पता चला कि वहाँ एक दुर्घटना हुई है। एक स्कूटर बस से टकरा गया है और स्कूटर चलानेवाला युवक सड़क पर गिर पड़ा है। उसके सिर से खून बह रहा था। तुरंत कुछ लोगों ने उसे उठाकर एक कार में लिटाया और वहाँ से बहुततेज़ गति से कार लपक गयी। इसीलिए मैं क्लास में पहुँचने में देर गया था।

अध्यापक ने देर होने के बारे में मुझसे पूछा तो मैंने उनको उस दुर्घटना के बताया। उन्होंने कहाकि सड़क वर्षा के कारण टूट-फूट गयी है और इसलिए वाहन चलानेवालों को सतर्क रहनाचाहिए। क्लास में बैठते समय भी मेरे मन में उस युवक के बारे में सोचकर बड़ी चिन्ता होतीथी। शाम को क्लास खत्म होने के बाद घर जाकर मैं ने घरवालों को यह कहानी सुनायी। पिताजी ने मुझे उपदेश दिया कि वर्षा के दिनों, धीमी गति से गाड़ी चलानी पडेगी और गाडीचलाते समय बडी सतर्कता बरतनी पडेगी।

अभ्यास

1. यह चित्र देखें और घटना का वर्णन करें।

सहायक संकेतः

बूढ़ी औरत क्या कर रही थी?

बूढ़ी औरत क्या मांग रही थी?

रस्ते पर चलनेवालों ने क्या किया?

छोटे लड़के ने क्या किया

फिर क्या हुआ?

2. अब इस अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद करें

Did you know that the Moon has two wives?

One is an excellent cook. When the Moon visits her, she makes him many delicious plates of food. She cooks and he eats. She cooks and he eats. And he gets fatter and fatter until he is entirely round and he can't eat any more.

When he can't eat any more, he goes off to see his other wife. She is an excellent storyteller. And when he visits her she tells him many exciting stories. Day and night, night and day, he sits and listens. And he is so busy listening that he forgets to eat. So he gets thinner and thinner until he is just a tiny crescent.

Then he gets hungry, and so he goes to see his cook-wife again.

Critical Overview / अवलोकन

- जीवन की किसी एक घटना के वर्णन को कहानी कहते है। मनोरंजन केलिए मानव कहानी सुनना या पढना चाहते है। कहानी मनोरंजन के साथ ज्ञान भी प्रदान करता है। मानव हमेशा अपने जीवन की घटनाओं का वर्णन करते आ रहे हैं। इसलिए वे कहानियाँ बताने में समर्थ होते है। कहानी सुनने और पढने का चलन सदियों से मानव जीवन का हिस्सा है।

Recap / पुनरावृत्ति

- घटनाएँ
- कहानी में(बताने या सुनने में) इसके बाद का प्रयोग
- कहानी में(बताने या सुनने में) इसीलिए का प्रयोग
- कहानी में(बताने या सुनने में) उसके मतलब का प्रयोग
- छात्रों की बोलने और लिखने की क्षमता
- छात्रों की भाषा कौशल की वृद्धि
- छात्रों की कल्पना शक्ति में वृद्धि

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वाक्य बनाइए - इसके बाद
2. वाक्य बनाइए - इसीलिए
3. वाक्य बनाइए - उसका मतलब
4. कहानी क्यों सुनी जाती है?
5. कहानियाँ सुनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
6. कहानी का उद्देश्य क्या है?
7. कहानियों की उपयोगिता क्या है?
8. ....मनोरंजन की विधा है।

Answers / उत्तर

1. परीक्षाएँ खत्म हुई। इसके बाद हम सिनेमा देखने गये।
2. राजू बीमार था। इसीलिए वह स्कूल नहीं गया।
3. किशन ने कुछ कहानियाँ सुनायीं। अगर उसका मतलब समीर समझ न सका।
4. कल्पनात्मक शक्ती बढने लगती है
5. दर्शकों को घटनाओं और पात्रों की समझदारी चाहिए।
6. मनोरंजन करना।
7. सुनना, पढना और लिखना
8. कहानी

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. कुछ सूचना दी जाए जिसके बल पर छात्र कहानी लिखे।
2. किसी यात्रा घटना के बारे में कहानी लिखिए।
3. कहानी लिखे- a) चिडियाघर
   b) फिल्म
   c) उत्सव

4. इस वार्तालाप का हिन्दी में अनुवाद करो।

Tree : Hey pigeon brother! Seeing you here after a long time. Where were you all these days?

Bird : Hey brother! Where will I go, just wandering here and there in search of food, I had gone far away.

Tree : good! Then you must have eaten your food

Bird : no brother! Food is not available. But a hunter had definitely met. I am coming back after saving my life with great difficulty.

Tree : good! Let's be thankful that you escaped from the clutches of that devil hunter.

Bird : Yes brother! We don't know what is wrong with man? They are after our life.

Tree : let's see what will happen? Now you too calm down and rest.

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी .पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 4
पूर्णभूतकाल का प्रयोग, सिनेमा की कहानी

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- वस्तुओं पर आधारित पूर्णभूतकाल के प्रयोग का ज्ञान प्राप्त होता है
- मलयालम या हिन्दी फिल्म की कहानी बताने का कौशल प्राप्त करता है
- वचन में शब्दों के संख्या का बोध समझता है
- शब्दों के एकवचन और बहुवचन रूप का परिचय प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

गुज़रे गए समय का ज़िक्र हम भूतकाल के अंदर रखकर करते हैं। भूतकाल के छः भेद होते हैं। उनमें एक भेद है - पूर्णभूतकाल। बीते हुए समय का बोध पूर्णभूतकाल के प्रयोग से मिलता है। पूर्णभूतकाल का प्रयोग उस क्रिया केलिए किया जाता है जो भूतकाल में पूरा हो चुका है और उसका प्रभाव वर्तमान काल में नहीं है। यह क्रिया के उस रूप को दर्शाता है जो भूतकाल में किसी समय पर पूरी तरह से सम्पन्न हो गई है। इसका वर्तमान समय से कोई संबंध नहीं रहता, जैसे - मैंने खाना खा लिया, उसने गना गाया था।

सिनेमा सबसे लोकप्रिय संचार माध्यम है। सिनेमा देखना सबको पसंद होता है। सिनेमा मनोरंजन की साधन है। थिएटर, दूरदर्शन, कंप्युटर, मोबाईल आदि में सिनेमा देखा जा सकता है। सिनेमा में एक मुख्य कहानी होती है और पात्रों की गतिविधियाँ कहानी के अनुसार चलती है। सिनेमा की कहानी रोचक एवं मज़ेदार होती है। सिनेमा में कहानी को प्रभावशालों ढंग से प्रस्तुत किया जाता है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

पूर्णकाल, फिल्म, वचन

Discussion / चर्चा

पूर्व परिचित इकाइयों का अध्ययन तथा पुनरावृत्ति के प्रश्न पूछे जाते हैं।

अभ्यास 1

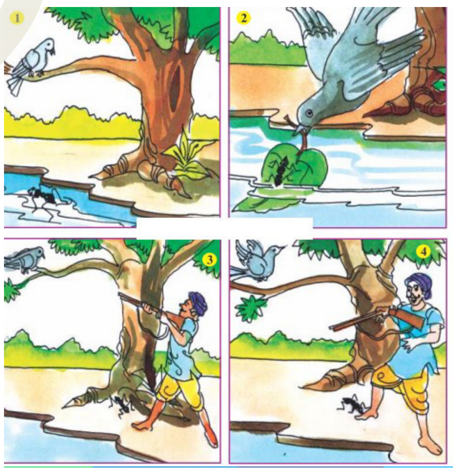

चित्र के आधार पर कहानी विकसित कीजिए :-

चित्र में कौन-कौन हैं?

चींटी की सहायता पक्षी ने कैसे की?

शिकारी के हाथ में क्या है?

शिकारी क्या कर रहा था?

चींटी ने क्या किया?

अभ्यास 2

चित्र देखकर कहानी लिखिए :-

अभ्यास 3

चित्र देखकर घटना का वर्णन कीजिये :-

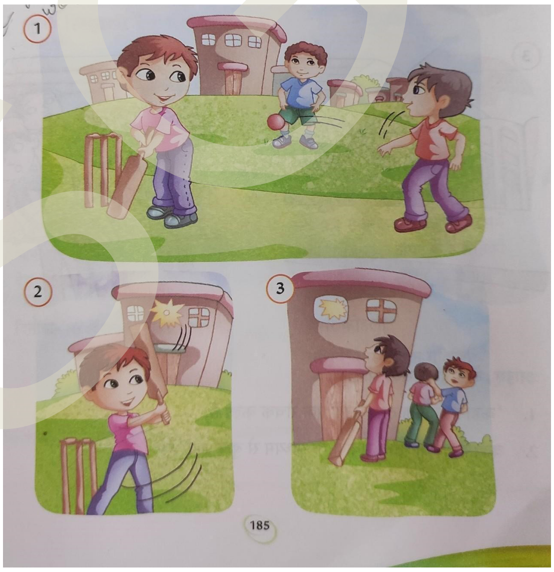

SGOU

शेर और चूहा

गर्मी का दिन था और एक शेर अपनी गुफा में झपकी ले रहा था। अचानक एक चूहा गलती से उसकी नाक पर चढ़ गया और शेर जैसे खतरनाक जानवर को जगा दिया। शेर को बहुत गुस्सा आया। शेर अपने पंजे के नीचे चूहे को कुचलने ही वाला था कि नन्हा चूहा अपनी जान की भीख मांगने लगा। शेर ने चूहे पर दया की और उसे जाने दिया।

कुछ दिनों बाद शेर जंगल में भटकते हुए शिकारियों के जाल में फंस गया और जाल में फंस गया। वह रस्सियों में इस कदर उलझा हुआ था कि हिल भी नहीं पा रहा था। शेर जमीन पर लेट गया और बेबस होकर दहाड़ने लगा। उसकी पुकार पूरे जंगल में गूँज उठी और चूहे के कानों तक पहुँच गई। वह दौड़कर मौके पर पहुंचा और जाल के धागों को टुकड़ों में काट लिया। इस प्रकार शेर की जान बच गई।

शिक्षा -: हर चीज की अपनी कीमत होती है

Critical Overview / अवलोकन

छात्र को पूर्णभूतकाल से संबंधित प्रदान की है। क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात होता हो कि कार्य पहले ही पूरा हो चुका है, उसे पूर्ण भूतकाल कहते है। शब्दों के संख्यावाचक रूप को वचन कहते है। छात्र को तस्वीरों से हिन्दी में कहानी विस्तार करने की क्षमता हासील की है। छात्र को फिल्म देखने तथा कहानी बताने की क्षमता होती हैं।

Recap / पुनरावृत्ति

- भूतकाल
- पूर्णभूतकाल
- वचन
- एकवचन
- बहुवचन
- फिल्म की कहानी

Objective questions/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

वचन बदलिए।

1. लड़का
2. घर
3. रीति
4. बिन्दू
5. गुरु
6. चिड़िया
7. वधू
8. तिथि

Answers/ उत्तर

1. लड़के
2. घर
3. रीतियाँ
4. बिन्दू
5. गुरु
6. चिड़ियाँ
7. वधूएँ
8. तिथियाँ

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. मनपसंद मलयालम या हिन्दी फिल्म की कहानी।
2. वचन की परिभाषा लिखिए।
3. वचन और उसके भेद।
4. भूतकाल और उसके भेद।
5. पूर्णभूतकाल परिचय।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी .पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

BLOCK - 03

मेरी छुट्टी,
दोस्त और यात्रा

SGOU

इकाई : 1
छुट्टी के बारे में

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- छुट्टी के बारे में आदान प्रदान करने की क्षमता प्राप्त करता है
- प्रश्नवाचक शब्द कहाँ, क्या, कैसे, किसके साथ आदि की प्रयोग संबंधी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करता है
- सहायक क्रियाओं से परिचय प्राप्त करता है
- सक, चुक, पा आदि की प्रयोग संबंधी विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

छुट्टी जैसे रोजमर्रा की विषय-वस्तु पर संवाद लेखन के लिए कुछ बुनियादी पूर्व-आवश्यकताएं ज़रूरी होती हैं। सबसे पहले, हिन्दी भाषा का मूल ज्ञान होना आवश्यक है, जिसमें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और वाक्य रचना की समझ शामिल है। इसके अलावा, रोजमर्रा की घटनाओं - जैसे छुट्टी बिताना, घूमने जाना, या घर पर आराम करना - की सामान्य जानकारी और अनुभव होना संवाद को अधिक स्वाभाविक बनाता है। संवाद लेखन के लिए यह समझना भी ज़रूरी है कि मुख्य क्रिया (जैसे 'जाना', 'खाना') के साथ सहायक क्रिया (जैसे 'रहा है', 'गया था' कैसे जुड़ती है और क्रिया का काल, प्रकार या भाव कैसे बदलती है। साथ ही, संयुक्त क्रियाओं (जैसे 'देख लिया', 'बैठ गया') की पहचान और प्रयोग का अभ्यास भी आवश्यक है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

छुट्टी, छुट्टियों में गए जगहों का विवरण, सक, चुक, पा के प्रयोग

Discussion / चर्चा

छुट्टियाँ बच्चो के लिए खुशियाँ मनाने का समय है। छुट्टियों में वे कई जगह जाते हैं, मौज-मस्ती करते हैं। इसके बारे में वे दोस्तों से बढा-चढाकर बताते भी हैं।

वार्तालाप - 1

राजू : नमस्कार।

रामू : नमस्कार।

राजू : रामू, तुम कैसे हो? बहुत दिनों से तुम मिले नहीं हो? तुम कहाँ गये थे?

रामू : मैं ठीक हूँ। तुम कुशल तो है ना। हाँ, कई दिनों से हमारी मुलाकात नहीं हुई। छुट्टियों में मैं अपने परिवार के साथ घूमने गया था।

राजू : अच्छा कहाँ गये थे?

रामू : हम दिल्ली गए थे।

राजू : अच्छा, यह बताओ कि आप लोगों ने वहाँ क्या- क्या देखे हैं?

राजू : मैं ने दिल्ली में राष्ट्रपतिभवन देखा। तुम यह जानते हो कि भारत के राष्ट्रपति जहाँ रहते हैं उस कार्यालय का नाम राष्ट्रपतिभवन है।

राजू : आप लोग किसके साथ वहाँ गये थे?

रामू : मेरे मामाजी दिल्ली में संसदभवन के राजभाषा विभाग में कार्य करते हैं। हम उनके साथ दिल्ली घूमने गये थे।

राजू : क्या, आप लोगों ने संसदभवन देखा?

रामू : हाँ, हम उनके साथ संसद गये थे। जब हम वहाँ गये थे, तब सभा चल रही थी। उसके बाद अगले दिन हम जंतर-मंतर, इंडिया गेट आदि जगहों पर भी गए। बहुत ही अच्छा लगा।

राजू : अच्छा रामू, जब अगली बार आप लोग दिल्ली जाएंगे तब हम लोग भी आप लोगों के साथ आना चाहते हैं।

रामू : ज़रूर राजू।

राजू : ठीक है।

वार्तालाप - 2

अध्यापक : प्रिय छात्रों, नमस्कार।

छात्र : नमस्कार।

अध्यापक : हम यह जानते हैं कि मार्च में आप लोगों की परीक्षाएँ खत्म हो जाएँगी।

छात्र : जी सार।

अध्यापक : परीक्षाओं के खत्म होने के बाद आप लोगों के **क्या-क्या** कार्यक्रम हैं?

छात्र : हम लोग छुट्टियाँ मनाना चाहते हैं।

अध्यापक : आप छुट्टियाँ **कैसे** मनाएंगे?

छात्र : मैं राजस्थान जाना चाहता हूँ?

अध्यापक : तुम **किसके साथ** राजस्थान, जाना चाहते हो?

छात्र 1 : मैं अपने परिवार के साथ राजस्थान जाना चाहता हूँ।

अध्यापक : **क्या** तुम जानते हो कि राजस्थान में **क्या-क्या** देखने लायक जगहें हैं।

छात्र 1 : जी नहीं सर।

अध्यापक : मैं राजस्थान के कुछ दर्शनीय स्थानों के बारे में बता दूंगा।

छात्र 1 : राजस्थान में कैसे जा पाएंगे सर।

अध्यापक : राजस्थान में हम रेलगाड़ी में जा सकते हैं।

छात्र : ठीक है सर। वहाँ क्या-क्या देखने को मिलते हैं?

अध्यापक : राजस्थान की राजधानी का नाम जयपुर है। जिसे प्राचीन शहर माना जाता है। उदयपुर दूसरा शहर है, जो 'झीलों का शहर' माना जाता है। जैसलमेर, राजस्थान की गोल्डनसिटी है। मांउट आबू, जोधपुर, अजमेर, रणथंभौर, बीकानेर आदि राजस्थान के अन्य दर्शनीय स्थान हैं।

छात्र 1 : धन्यवाद सर।

छात्र 2 : मैं भी छुट्टियाँ मनाना चाहता हूँ।

अध्यापक : ठीक है। तुम **किसके साथ** छुट्टियाँ मनाना चाहते हो?

छात्र 2 : मैं अपने परिवार के साथ छुट्टियाँ मनाना चाहता हूँ। मैं दिल्ली जाना चाहता हूँ। दिल्ली में **क्या- क्या** देखने को मिलते हैं, सर?

अध्यापक : दिल्ली में बहुत पर्यटन जगहे हैं। लाल किला मुगल वास्तुकला का सुंदर किला है। दिल्ली में इंडियागेट, कुतुब मीनार, हुमायूँ का मकबरा, अक्षरधाम मंदिर, कमल मंदिर आदि भी है। तुम यह बताओ कि दिल्ली में आप लोग कैसे जाना चाहते हैं?

छात्र 2 : हम लोग दिल्ली बस में घूमना चाहते हैं।

अध्यापक : ठीक है। हम छुट्टियों के बाद जून में मिलेंगे।

छात्र : धन्यवाद सर।

सकना, चुकना, पाना

सक, चुक, पा आदि हिन्दी की सहायक क्रियाएँ हैं। ये मुख्य क्रियाओं के साथ आकर वाक्य को विशेष अर्थ प्रदान करते हैं। इसके प्रयोग के नियम जानना हिन्दी भाषा में आदान-प्रदान के लिए अनिवार्य है।

विद्यार्थी : नमस्ते जी।

अध्यापक : नमस्ते, आज हिन्दी के कुछ संयुक्त क्रियाओं के बारे में बता दूंगा।

विद्यार्थी : कौन-सी क्रियाएँ?

अध्यापक : सक, चुक, पा आदि। ये सहायक क्रियाएँ हैं।

विद्यार्थी : सहायक किया से क्या तात्पर्य है?

अध्यापक : मुख्य क्रिया की सहायता करनेवाली क्रियाओं को सहायक क्रियाएँ कहते हैं। उदाहरण देखो- मैं काम करता हूँ।

मैं काम कर सकता हूँ। इन दो वाक्यों को देखो। पहले वाक्य में एक ही क्रिया है(करता हूँ) दूसरे वाक्य में सहायक क्रिया 'सक' के आने पर कार्य करने की क्षमता व्यक्त होती है। जैसे 'कर सकता हूँ'। एक और उदाहरण देखो - सीता गीत गाती है। सीता गीत गा सकती है (गाने की क्षमता)।

विद्यार्थी : तो 'सक' सहायक क्रिया क्षमता का सूचक है न सर?

अध्यापक : हाँ। इस तरह और भी सहायक क्रियाएँ हैं, जैसे चुक, पा आदि।

विद्यार्थी : उसके भी उदाहरण बताइए न।

अध्यापाक : जी जरूर। मैं काम करता हूँ। मैं काम कर चुका। पहले वाक्य में वर्तमान काल में काम करने का अर्थ मिलता है। लेकिन 'चुक' जोडने पर कार्य की समाप्ति का बोध होता है।

उदाहरण केलिए,

मैं पाठ पढता हूँ। मैं पाठ पढ चुका।

मैं ने होमवर्क किया। मैं होमवर्क कर चुका।

विद्यार्थी : 'पा' सहायक क्रिया के बारे में भी बताइए न।

अध्यापक : मै पाठ पढता हूँ। मैं पाठ पढ पाया। मैं काम करता हूँ। मैं काम कर पाया।

यहाँ कार्य को करने का सामर्थ्य का बोध होता है।

विद्यार्थी : मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया के मेल से संयुक्त क्रिया बनती है क्या सर?

अध्यापक : दो या दो से अधिक धातुओं से मिलकर आनेवाली क्रिया संयुक्त किया कहलाती है।

विद्यार्थी : कुछ और उदाहरण दिया जाए तो अच्छा होगा।

अध्यापक : 'घोडा दौड सकता है'। इस वाक्य में 'दौडना' मुख्य क्रिया के साथ शक्तिबोधक के रूप में 'सक' क्रिया का प्रयोग होता है।

उदाः- मोहन शतरंज खेल सकता है।

लडकियाँ नाच सकती हैं।

छोटी बच्ची गराम दूध पी सकती है।

इसमें ध्यान देने की बात यह है कि 'सक' सहायक क्रिया में कर्ता के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता।

विद्यार्थी : चुक सहायक क्रिया संबंधी और कुछ उदाहरण बता दीजिए।

अध्यापक : चुक सहायक क्रिया अंग्रेजी के 'Finished' के बदले प्रयुक्त की जाती है।

उदाहरण केलिए 'लडके पाठ पढ़ चुके' या 'किसान लोग काम कर चुके' या 'माया पानी पी चुकी' में पढ़ना, करना, पीना क्रिया की समाप्ति सूचित करते हुए 'चुक' सहायक क्रिया का प्रयोग किया गया है।

विद्यार्थी : यहाँ मुख्य क्रिया धातु के साथ चुक सहायक क्रिया का प्रयोग हुआ है न?

अध्यापक : ठीक है, चुकना सहायक क्रिया में भी कर्ता के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता।

विद्यार्थी : 'पा' सहायक क्रिया के कुछ और उदाहरण बताइए?

अध्यापक : 'पा' सहायक क्रिया अवकाश बोधक है।

अध्यापक : उदा :- पैर में चोट लगने से वह चल नहीं पाया।

रमेश मुशकिल से अपना पाठ पढ पाया।

'पा' सहायक क्रिया में भी कर्ता के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगाया जाता।

अभ्यास

रिक्त स्थान को भरो

1. एक पक्षी उड़ सकता है, पर एक हाथी उड़ ....। (सक)
2. एक जानवर ...., पर एक चिड़िया गा सकती है।
3. क्या आप हिन्दी बोल सकते हो? जी नहीं, मैं ....
4. पर मीना ....।
5. क्या आप पक्षी की तरह उड़ सकते हो? जी नहीं, मैं ....।
6. क्या आप तैर सकते हो? हाँ, मैं ....।

Critical Overview / अवलोकन

छुट्टी जैसी रोज़मर्रा की घटनाओं पर आधारित संवाद लेखन में मुख्य रूप से सहायक क्रियाओं और संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग किया जाता है, जिससे संवाद अधिक स्पष्ट और प्रभावशाली बनता है। ऐसे संवाद आमतौर पर दो या अधिक व्यक्तियों के बीच होते हैं और उनमें सामान्य घटनाएं, अनुभव और भावनाएं व्यक्त की जाती हैं। सहायक क्रियाएं मुख्य क्रिया के साथ आकर काल और भाव को दर्शाती हैं, जैसे 'गया था', 'कर रही है' आदि। वहीं संयुक्त क्रियाएं दो क्रियाओं के मेल से बनती हैं जो एक नया भाव देती हैं, जैसे 'पढ़ लिया', 'बैठ गया'। कई बार दोनों प्रकार की क्रियाएं एक साथ प्रयोग होती हैं, जैसे 'देख कर आ गया', 'जा चुका है'। संवाद में इनका सही प्रयोग संवाद को ज़्यादा जीवंत और स्वाभाविक बनाता है। इस अभ्यास से न केवल व्याकरणिक समझ विकसित होती है, बल्कि भाषा के व्यावहारिक उपयोग में भी सुधार होता है।

कुछ अभिवादन देखें

Hi, how are you doing?	हाय, तुम कैसे हो?
I'm fine. How about yourself?	मैं ठीक हूँ। अपने बारे में बताओ?
I'm pretty fine. Thanks for asking.	मैं बहुत ठीक हूँ। पूछने के लिए धन्यवाद।
I'm in college right now.	मैं अभी कॉलेज में हूँ।
Which college do you go to?	आप किस कॉलेज में जाते हैं?
I go to OXFORD.	मैं ऑक्सफ़ोर्ड जाता हूँ।
Do you like it there?	क्या आप इसे पसंद करते हैं?
It's okay. It's a really big campus.	यह ठीक है। यह वास्तव में एक बड़ा परिसर है।
Good luck.	शुभकामनाएँ।
Thank you very much.	बहुत-बहुत धन्यवाद।

अब इस वार्तालाप का हिन्दी में अनुवाद कीजिए

1.

Waiter : Hello, Do you want breakfast sir?

Customer : Yes, please

Waiter : What do you want sir?

Customer : I want a set of dosa

Waiter : Anything else, sir

Customer : No, Please bring the bill. This food is delicious.

Waiter : Thank you very much.

2.

Chandrakaant : Is the taxi available?

Taxi driver : Where do you want to go?

Chandrakaant : Railway Station.

Taxi driver : Please come and be seated.

Chandrakaant : I have to catch the Chennai Express.

Taxi driver : There is enough time. Definitely we can catch it.

Chandrakaant : Won't you switch on the metre?

Taxi driver : I will!(certainly!) But you have to pay me ten rupees extra (more than the meter charge).

Chandrakaant : Why?

Taxi driver : Now there has been a big hike in petrol price.

Chandrakaant : All right.

Taxi driver : I will put the luggage (things) in the dicky. Please be seated inside.

Chandrakaant : O.K. Go to the station.

Chandrakaant : Why has the (car) vehicle stopped?

Taxi driver : The Railway gate is closed. It may be opened in five minutes.

Chandrakaant : Can we catch the train?

Taxi driver : Don't worry! I will take you there at the right time.

Taxi driver : We have reached the station. Till now the Chennai Express has not arrived on the platform.

Chandrakaant : What is the metre reading?

Taxi driver : Thirty.

Chandrakaant : Take this forty rupees; Take(bring) the luggage(the things) from the dicky.

Taxi driver : Yes; thanks.

3.

First Traveller : I have to go to Bangalore. Where is the Bangalore bus?

Second Traveler : It is there on the fifth platform. Go quickly.

First Traveler : At what time does it depart?

Second Traveler : It departs sharply at2 o' clock.

First Traveler : Conductor! Please give me a ticket to Bangalore.

Conductor : Please wait. Let me see if there is any vacant seat. Well! you are lucky. One seat is vacant.

First Traveler : Take this five hundred rupees. Give me the balance please.

Conductor : I have no change. If you have got eighty rupees give me.

First Traveler : I too have no change.

Conductor : If so, I will note it on the ticket. Get the balance afterwards.

First Traveler : O.K.

First Traveler : At what time will this bus reach Bangalore?

Conductor : It will reach Bangalore by 8 ‘o clock in the morning.

First Traveler : I have to go to Jayanagar in Bangalore. How am I to go?

Conductor : Get down at the central bus-stand and go to the near by town bus-stand. You can get town buses for Jainagar there. If you want to go by auto or taxi they will also be available at the bus-stand.

First Traveler : Thanks.

4.

The Train Ride

Sheela, Mona, Balu, Minnu, Sheenu, Sonu, Bunty, Sreeju, Raju, Karim, Arif, Bitto, Rana are at Appu Ghar, Delhi .They all want a train ride. Mrs Varma is buying tickets for them. They all stand in a line and get on to the train one by one.The train goes around to Appu Ghar. Mr.Manna is the train driver.He is sitting in the driver’s seat. You can see him at the window. Mr. Ram Bahadur is the guard. He gives the green signal and the train starts. All the children are sitting on their seats. They can see a bullock-cart and a bus from the train. There is an aeroplane and a ship also in the Appu Ghar. Now the ride is over. Mona, Sheela, Bala and all the children are getting off the train.

Recap / पुनरावृत्ति

- कहाँ, क्या, कैसे, किसके साथ आदि का उपयोग संवाद में
- रोजमर्रा की घटनाओं के बारे में मित्रों के बीच आदान-प्रदान
- सक, चुक, पा आदि सहायक क्रियाओं के प्रयोग संबंधी जानकारी

Objective questions/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

I. ‘सक’ सहायक क्रिया से वाक्य पूरा करें

1. लडकियाँ गाना गा..........।
2. बच्चे गेंद खेल.........।
3. मैं पानी में तैर.........।
4. छोटा बच्चा सड़क पार कर.........।

II. ‘चुक’ क्रिया से वाक्य पूरा करें

5. वह सिनेमा देख..........।
6. लड़के अपना पाठ पढ ....।
7. अंजू और मंजू आम खा...........।
8. अपर्णा तसवीर खींच...........।

III. ‘पाना’ क्रिया से वाक्य पूरा करें-

9. लीला दवा-खा नहीं ....।
10. वह आसानी से शतरंज खेल.........।

Answers/ उत्तर

1. सकती हैं।
2. सकते हैं।
3. सकता हूँ।
4. सकता है।
5. चुका।
6. चुके।
7. चुकीं।
8. चुकी।
9. पायी।
10. पाया।

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. गर्मी की छुट्टियों में आप कहाँ गए इसके बारे में मित्र से हुए संभावित वार्तालाप तैयार करे।
2. सक, चुक, पा आदि का प्रयोग करके दस-दस वाक्य लिखिए।
3. किसी दर्शनीय स्थान के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।
4. निम्न लिखित कविता का अनुवाद हिन्दी में करें।

Two little parrots Sitting on a tree,
Sitting on a tree.
Talking about you and me,
You and me.
Flowers smiling to them,
Smiling to them, Said,
"Why do you eat,
Chillies and chillies all the time.
Red and green one and all." Parrots said,
"Red for our beaks,
And green for our feathers,
We eat chillies all the time."

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 2
समय की जानकारी

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- समय के बारे में जानकारी प्राप्त करता है
- संज्ञा एवं सर्वनाम के साथ 'को' का प्रयोग समझता है
- अपूर्णांक शब्द जैसे सवा, सवा डेढ़, पौने आदि का परिचय प्राप्त करता है
- को + Infinite का प्रयोग समझता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

'समय की जानकारी' विषय को समझने के लिए कुछ बुनियादी भाषाई और व्याकरणिक ज्ञान आवश्यक है। सबसे पहले, विद्यार्थियों को हिन्दी संख्याओं, घंटों और मिनटों के नाम, तथा दिनों, महीनों और मौसमों की पहचान होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्हें यह समझना ज़रूरी है कि समय पूछने और बताने के लिए किस प्रकार के वाक्य प्रयोग किए जाते हैं, जैसे 'अभी क्या समय हुआ है?' या 'साढ़े चार बजे हैं।' इसके अतिरिक्त, काल (tense) की मूल समझ भी जरूरी होती है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कोई कार्य कब हुआ है, हो रहा है या होगा। संवाद में समय की जानकारी के उपयोग हेतु विद्यार्थियों को रोजमर्रा की दिनचर्या और समय के अनुसार गतिविधियों से परिचित होना चाहिए।

Keywords / मुख्य बिन्दु

समय, Infinite + को का प्रयोग

Discussion / चर्चा

समय संबंधी जानकारी देना और पाना दैनिक जीवन के मुख्य अंग है।

अध्यापक : बच्चो, क्या आप लोगों ने घड़ी देखी है।

छात्र : जी हाँ।

अध्यापक : घडी में कितनी सुइयाँ है?

छात्र : तीन। घंटे, मिनट तथा सेकेंड की सुइयाँ।

अध्यापक : ठीक है। इस कक्षा में घडी में समय की पहचान करने के बारे में सीखेंगे।

छात्र : ठीक है, सर।

अध्यापक : घंटा मिनट तथा सेकेंड की सुइयाँ। 12 के स्थान पर पहुँचने पर उसे बारह बजे कहते हैं। हम आज चार्ट के द्वारा आसानी से समय के बारे में सीखेंगे।

12. 30 - साढ़े बारह बजे या (बारह बजकर तीस मिनट)

1. 30 - डेढ बजे (एक बजकर तीस मिनट)

2. 30 - ढाई बजे (दो बजकर तीस मिनट)

3.30 - साढे तीन बजे(तीन बजकर तीस मिनट)

4.30 - साढे चार बजे (चार बजकर तीस मिनट)

5.30 - साढे पाँच बजे (पाँच बजकर तीस मिनट)

6.30 - साढे छः बजे (छः बजकर तीस मिनट)

7. 30 - साढे सात बजे (सात बजकर तीस मिनट)

8.30 - साढे आठ बजे (आठ बजकर तीस मिनट)

9.30 - साढे नौ बजे (नौ बजकर तीस मिनट)

10.30 - साढे दस बजे(दस बजकर तीस मिनट)

11.30 - साढे ग्यारह बजे (ग्यारह बजकर तीस मिनट)

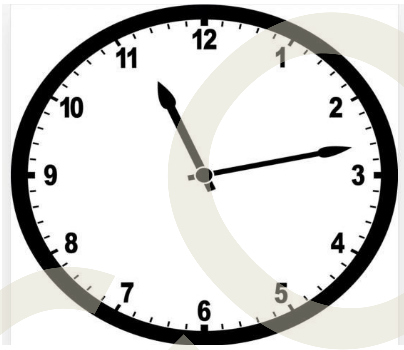

12.15 - सवा बारह बजे या (बारह बजकर पन्द्रह मिनट)

1.15 - सवा बजे (एक बजकर पन्द्रह मिनट)

2.15 - सवा दो बजे (दो बजकर पन्द्रह मिनट)

3.15 - सवा तीन बजे(तीन बजकर पन्द्रह मिनट)

4.15 - सवा चार बजे (चार बजकर पन्द्रह मिनट)

5.15 - सवा पाँच बजे (पाँच बजकर पन्द्रह मिनट)

6.15 - सवा छः बजे (छः बजकर पन्द्रह मिनट)

7.15 - सवा सात बजे (सात बजकर पन्द्रह मिनट)

8.15 - सवा आठ बजे (आठ बजकर पन्द्रह मिनट)

9.15 - सवा नौ बजे (नौ बजकर पन्द्रह मिनट)

10.15 - सवा दस बजे(दस बजकर पन्द्रह मिनट)

11.15 - सवा ग्यारह बजे (ग्यारह बजकर पन्द्रह मिनट)

छात्र : अच्छा है, सर।

अब आप लोगों ने पन्द्रह तथा तीस मिनट के बारे में सीखा। अब हम पैंतालीस(45) मिनट के बारे में सीखेंगे।

12.45 - पौने एक बजे या (बारह बजकर पैंतालीस मिनट)

1.45 - पौने दो बजे (एक बजकर पैंतालीस मिनट)

2.45 - पौने तीन बजे (दो बजकर पैंतालीस मिनट)

3.45 - पौने चार बजे(तीन बजकर पैंतालीस मिनट)

4.45 - पौने पाँच बजे (चार बजकर पैंतालीस मिनट)

5.45 - पौने छः बजे (पाँच बजकर पैंतालीस मिनट)

6.45 - पौने सात बजे (छः बजकर पैंतालीस मिनट)

7.45 - पौने आठ बजे (सात बजकर पैंतालीस मिनट)

8.45 - पौने नौ बजे (आठ बजकर पैंतालीस मिनट)

9.45 - पौने दस बजे (नौ बजकर पैंतालीस मिनट)

10.45 - पौने ग्यारह बजे (दस बजकर पैंतालीस मिनट)

11.45 - पौने बारह बजे (ग्यारह बजकर पैंतालीस मिनट)

छात्र : धन्यवाद सर।

'को' + Infinite की जानकारी

वार्तालाप में अक्सर हम 'मुझे जाना है', 'उसको वहाँ जाना है', 'हमें आना पडेगा', जैसे क्रियाओं का प्रयोग करना पडता है। ये ही को + Infinite है। यहाँ कर्ता के साथ को प्रत्यय लगाया जाता है। फिर क्रिया का साधारण रूप यहाँ प्रयुक्त होता है।

उदाहरण :- मुझको पानी पीना है।

मुझको चाय पीनी है।

उसको चावल खाना है।

उसको रोटी खानी है।

राधा को दवा नहीं खानी पडती।

उसको पत्र नहीं लिखना पडता।

Critical Overview / अवलोकन

'समय की जानकारी' विषय, हिन्दी भाषा शिक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह न केवल भाषा की व्यावहारिक समझ को बढ़ाता है, बल्कि संवाद कौशल को भी सुदृढ़ करता है। हालांकि यह विषय प्रारंभ में सरल प्रतीत हो सकता है, परंतु इसमें कई जटिलताएँ होती हैं, जैसे अलग-अलग समय रूपों का सही प्रयोग, उदाहरणतः 'साढ़े तीन', 'पौने छह', या 'एक चौथाई घंटे बाद' जैसी अभिव्यक्तियाँ, जो शुरुआती सीखने वालों के लिए भ्रमित कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ

समयबोधक शब्दों जैसे 'अभी', 'तुरंत', 'कल', 'परसों' आदि का प्रयोग प्रसंगानुसार बदल जाता है, जिससे स्पष्टता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस विषय की एक और आलोचना यह है कि बहुत से विद्यार्थी केवल यांत्रिक रूप से समय बताना सीखते हैं, पर उसका व्यावहारिक प्रयोग - जैसे किसी कार्यक्रम की योजना बनाना या यात्रा समय का उल्लेख करना - उतनी सहजता से नहीं कर पाते। अतः इसे सिखाते समय अधिक संवादात्मक और संदर्भ-आधारित पद्धति अपनाई जानी चाहिए, जिससे भाषा का वास्तविक जीवन में प्रयोग भी विकसित हो सके।

Recap / पुनरावृत्ति

- सवा, साढे, ढाई, पौने जैसे अपूर्णांक शब्द
- मुझे जाना पडेगा, उसको जाना है, लता को काम करना है आदि का प्रयोग

Objective questions/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

जोड़कर लिखिए।

1. कौन + को =
2. जो + को =
3. ये + को =
4. मैं + को =

समय की पहचान करें।

5. 1.45
6. 6.45
7. 1.15
8. 2.30

शुद्ध कीजिए

9. मुझे हिन्दी पढना है।
10. मैं वहाँ जाना है।
11. रमा काम करनी है।
12. हम सिनेमा देखना है।

Answers/ उत्तर

1. किसको
2. जिसको
3. इनको
4. मुझे
5. पौने दो बजे या एक बजकर पैंतालीस मिनट
6. पौने सात बजे या छः बजकर पैंतालीस मिनट
7. सवा एक बजे या एक बजकर पन्द्रह मिनट
8. ढाई बजे या दो बजकर तीस मिनट
9. मुझे हिन्दी पढनी है।
10. मुझे वहाँ जाना है।

11. रमा को काम करना है।
12. हम को सिनेमा देखना है।

Answers/ उत्तर

1. किसको
2. जिसको
3. इनको
4. मुझे
5. पौने दो बजे या एक बजकर पैंतालीस मिनट
6. पौने सात बजे या छः बजकर पैंतालीस मिनट
7. सवा एक बजे या एक बजकर पन्द्रह मिनट
8. ढाई बजे या दो बजकर तीस मिनट
9. मुझे हिन्दी पढनी है।
10. मुझे वहाँ जाना है।
11. रमा को काम करना है।
12. हम को सिनेमा देखना है।

Assignments प्रदत्त कार्य

- को + Infinite का प्रयोग करके दस वाक्य लिखिए।
- हिन्दी के अपूर्णांक शब्द लिखिए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 3

यात्रा कार्यक्रम

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- यात्रा संबंधी विवरण तैयार करने की क्षमता हासिल करता है
- मौसम पर आधारित यात्राएँ संबंधी वार्तलाप तैयार करता है
- जितना-उतना, जैसे-तैसे, जहाँ-वहाँ, जिधर-उधर, जबतक-तबतक आदि योजक शब्दों के प्रयोग की जानकारी प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

'यात्रा कार्यक्रम' विषय को प्रभावी रूप से समझने और व्यक्त करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पूर्व-आवश्यकताओं की पूर्ति आवश्यक होती है। सबसे पहले, विद्यार्थियों को स्थान, दिशा, दूरी और समय से संबंधित शब्दों और वाक्य संरचनाओं की जानकारी होनी चाहिए, जैसे 'हम सुबह आठ बजे निकलेंगे', 'पहले हम आगरा जाएँगे', 'दोपहर का भोजन रास्ते में करेंगे' आदि। इसके अलावा, दिनचर्या और समयबद्ध घटनाओं के क्रम को समझना आवश्यक होता है ताकि यात्रा का सही क्रम (itinerary) निर्धारित किया जा सके। संज्ञा, क्रिया और विशेषण के साथ-साथ सहायक और संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग, जैसे 'देखेंगे', 'घूमेंगे', 'रुकेंगे', यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाते समय सही ढंग से किया जाना चाहिए। साथ ही, विद्यार्थियों को स्थान संबंधी सामान्य ज्ञान (जैसे - पर्यटन स्थल, मौसम, यातायात के साधन) भी होना चाहिए ताकि यात्रा कार्यक्रम यथार्थवादी और व्यावहारिक बन सके।

Keywords / मुख्य बिन्दु

यात्रा, मौसम, जितना-उतना, जैसे-वैसे, जहाँ-वहाँ, जिधर-उधर, जबतक- तबतक

Discussion / चर्चा

यात्रा प्रत्येक व्यक्ति के मानसिक सुख का एक माध्यम है। सभी लोग यात्राएँ पसंद करते हैं। यात्रा करने के पहले कई पूर्व तैयारियाँ भी करनी पडती हैं। हमारे देश के मौसम के आधार पर हम यात्राओं के लिए स्थान चुनते हैं।

वार्तालाप 1

पिताजी माताजी तथा बच्चों के साथ वार्तालाप।

पिताजी : मीनू, इस बार हम बच्चों को लेकर कहाँ-कहाँ जाएँगे?

मीनू : देखिए जी। बच्चों की परीक्षाएँ मार्च में खत्म हो जाएँगी। उसके बाद हम हिमाचलप्रदेश में जाएँगे। बेटा सोनू, तुम कहाँ जाना चाहते हो? और बेटी मुन्नू, तुम?

सोनू : माँ हम सब इस बार हिमाचलप्रदेश जाएँगे।

मुन्नू : हिमाचलप्रदेश का मौसम कैसा है? कब वहाँ जाना अच्छा होता है?.

पिताजी : हिमाचलप्रदेश घूमने का सबसे अच्छा समय वसंतऋतु का है, जो फरवरी से अप्रैल तक है। पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, रिवर-ड्राफ्टिंग, पैरा-ग्लाइडिंग, स्कीइंग आदि केलिए यह मौसम अच्छा है।

बच्चे : ठीक है। तो हम इस बार हिमाचलप्रदेश जाएँगे। पिताजी एवं माताजी ठीक है।

वार्तालाप 2

अध्यापक : आज हम भारत के देखने लायक स्थान एवं वहाँ के मौसम के बारे में सीखेंगे।

छात्र : अच्छा है सर।

अध्यापक : दिसंबर में घूमने लायक भारत की मशहूर जगहों में एक शिमला है। दिसंबर में घूमने का अपना मजा कुछ और होता है।

छात्र : ठीक है सर।

अध्यापक : शिमला को पहाडियों की रानी भी कही जाती है। ऋषिकेश अन्य दूसरा स्थान है जिसका नाम सुनते ही लोगों के दिमाग में वहाँ के मंदिर, घाट के खुबसूरत नज़ारे सामने आ जाते हैं। अगर आप दिसंबर के महीने वहाँ जा रहे हैं तो साथ में ठंडे के कपड़े अच्छे से रखकर लेकर जाइए। प्रिय छात्रो, अब हम जैसलमेर के बारे में पढ़ेंगे।

छात्र : जैसलमेर में हमें कौन से महीने में जाना अच्छा होता है सर?

अध्यापक : यहाँ दिसंबर के महीने में पर्यटकों के घूमने की संख्या बहुत अधिक हैं। जैसलमेर का किला, कोठारी की पटवाओं की हवेली, व्यासछत्री आदि यहाँ के प्रमुख आकर्षण हैं।

छात्र : ठीक है सर।

अध्यापक : इस तरह पूर्वी भारत एवं दक्षिण भारत के अनेक स्थान एवं वहाँ के मौसम के बारे में अगली कक्षा में हम पढेंगे।

छात्र : धन्यवाद सर।

जितना-उतना

कुछ वाक्यः

1. जितना हम दूसरों की सहायता करते हैं उतना हमारा जीवन अच्छा होता है।
2. जल्दबाज़ी में खाना उतना ही खराब है जितना जल्दबाज़ी में काम करना।
3. जितना हम चाहेंगे, दिन उतना ही अच्छा रहेगा।
4. जितना आपका व्यवहार अच्छा है, उतना ही सरल आपका जीवन भी है।

जैसे-वैसे

कुछ वाक्यः

1. जैसे वह बड़ी हुई वैसे उसका व्यवहार भी अच्छा होता चला।
2. जैसे आप वैसे समाज।
3. जैसे आग फैल जाती है वैसे आग की लपटें भी।
4. जैसे हमारा जुबान वैसे दूसरों का।

जहाँ-वहाँ

कुछ वाक्यः

1. जहाँ चाह, वहाँ राह।
2. जहाँ अच्छा संबन्ध है वहाँ खुशी है।

जिधर -उधर

1. जिधर पानी है उधर चिडिया आती है।
2. जिधर दोस्ती है उधर सहकारिता है।

जबतक - तबतक

1. जब तक तुम नहीं पढोगे तब तक परीक्षा में कैसे जीत लोगे?
2. जब तक तुम यह काम नहीं करोगे तब तक कौन यह काम पूरा करेगा?

Critical Overview / अवलोकन

'यात्रा कार्यक्रम' विषय भाषा शिक्षण में रचनात्मकता, योजना कौशल और संवाद क्षमता को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह विषय विद्यार्थियों को एक काल्पनिक या वास्तविक यात्रा की योजना बनाकर उसे व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करता है। हालांकि, इस विषय की जटिलता इस बात में है कि इसमें समय, स्थान, घटनाओं के क्रम, और संसाधनों की योजना को एक साथ संयोजित करना होता है, जो कई विद्यार्थियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसके अतिरिक्त, बहुत से विद्यार्थी यात्रा कार्यक्रम को केवल एक सूची के रूप में लिखने की प्रवृत्ति रखते हैं, जिससे भाषा की प्रवाहमयता और संवादात्मकता कम हो जाती है। एक और चुनौती यह है कि विद्यार्थी कभी-कभी कल्पनाशीलता और यथार्थवाद के संतुलन को बनाए नहीं रख पाते, जिससे कार्यक्रम या तो अत्यधिक काल्पनिक या अत्यधिक साधारण बन जाता है। इसलिए शिक्षण में यह ज़रूरी है कि इस विषय को केवल यात्रा का ब्यौरा न मानकर एक संवादात्मक और भाषा समृद्ध अनुभव के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जिसमें योजना, विवरण और अभिव्यक्ति तीनों पर समान ज़ोर दिया जाए।

Recap / पुनरावृत्ति

- मौसम के आधार पर यात्रा की योजना
- जितना-उतना, जैसे-वैसे, जहाँ-वहाँ, जिधर-उधर, जबतक-तबतक आदि का प्रयोग

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिमाचलप्रदेश की राजधानी का नाम क्या है?
2. राष्ट्रपतिभवन कहाँ स्थित है?
3. संसदभवन कहाँ स्थित है?
4. जयपुर किस राज्य की राजधानी है?
5. ऋषिकेश किस राज्य में स्थित है?
6. जहाँ-वहाँ से एक वाक्य बनाए।
7. जैसे-वैसे से एक वाक्य बनाए।
8. हिमाचलप्रदेश घूमने का अच्छा महीना कौन सा है?

Answers/ उत्तर

1. शिमला
2. नई दिल्ली
3. नई दिल्ली
4. राजस्थान
5. हिमाचलप्रदेश
6. जहाँ चाह - वहाँ राह
7. जैसे आप वैसे समाज
8. दिसंबर

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. एक यात्रा कार्यक्रम की योजना तैयार कीजिए।
2. अपने परिवार या मित्रों के साथ आपने जहाँ यात्रा की है उस जगह संबंधी यात्राविवरण तैयार कीजिए।
3. जितना-उतना, जहाँ-वहाँ, जैसे-वैसे, जिधर-उधर, जब तक-तब तक आदि योजकों से दस-दस वाक्य बनाए।

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

BLOCK - 04

पशु-पक्षी, त्योहार-मेले, पेशा-धंधा, मनपसंद फिल्म आदि

इकाई : 1

पशु-पक्षी, त्योहार तथा पेशा- धंधा भारत के पशु- पक्षियाँ

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- भारत में पाए जानेवाली पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है
- हमारे देश के मेलों की जानकारी प्राप्त कर सकता है
- उन पशु-पक्षियों के वर्णन करने की क्षमता प्राप्त करता है
- मेले या उत्सव के बारे में वर्णन करने की क्षमता प्राप्त करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

भारत के पशु-पक्षियों के बारे में कुछ जानकारी हमें हैं और भारत के प्रमुख मेलाओं के बारे में भी हम जानते हैं। इन पशु-पक्षियों और मेलाओं के बारे में विस्तृत चर्चा करने से पहले, आपको इनके बारे में कुछ बुनियादी जानकारी होनी चाहिए। पशु-पक्षी भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और कई त्योहारों और मेलों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।बाघ (टाइगर) भारत का राष्ट्रीय पशु है। यह भारतीय संस्कृति में शक्ति और बल का प्रतीक है। भारत में मेले विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं को प्रदर्शित करते हैं। कई मेले धार्मिक अवसरों पर आयोजित किए जाते हैं। स्थानीय और रोजगार से सम्बंदित मेले भी होते हैं। प्रस्तुत इकाई में सरल शब्दों एवं वाक्यों द्वारा आशय विनिमय की तरीका भी जान सकते हैं।

Keywords / मुख्य बिन्दु

पशु-पक्षी, उत्सव, पेशा-धंधा, फिल्मिम व पात्र

Discussion / चर्चा

भारत विविधता का देश है। यहाँ विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षी निवास करते हैं। उसी तरह यहाँ विभिन्न प्रांतों में भिन्न-भिन्न प्रकार के उत्सव मानये जाते हैं। इन सबकी जानकारी प्राप्त करना एक तरह से हमारे देश को जानना है।

अध्यापक : बच्चो, आज हम भारत की विविधता के बारे में चर्चा करेंगे।

छात्र : नमस्कार।

अध्यापक : नमस्कार। भारत एक विशाल देश है। इसमें नाना प्रकार के पशु-पक्षी निवास करते हैं। कुछ छोटे रूप के होते हैं, कुछ बड़े रूप के होते हैं। अच्छा। कुछ पशु- पक्षियों के नाम बताओ।

छात्र : कौआ, मुर्गी, बिल्ली, कुत्ता, गाय, भैंस, बैल।

अध्यापक : ठीक है। कौआ प्रायः संसार के सभी भागों में पाए जाते हैं। बिल्ली, कुत्ता, गाय, भैंस, बैल आदि पालतू जानवर हैं। ये प्रायः संसार के सभी जगहों में पाये जाते हैं। आज हम कुछ अन्य पशु-पक्षियों के बारे में सीखेंगे।

छात्र : ठीक है।

अध्यापक : अच्छा यह बताओ, आप ने कोयल को देखा है?

छात्र : हाँ हाँ देखा है।

अध्यापक : कोयल की आवाज़ बडी मधुर और सुरीली होती है। यह काले रंग का होता है।

छात्र : सर, मैंने मोर को देखा है।

अध्यापक : मोर एक सुंदर पक्षी है। भारत सरकार ने मौर की अद्‌भुत सुंदरता के कारण 26 जनवरी 1963 को इसे राष्ट्रीय पक्षी का दर्जा दिया था।

छात्र : मेरे घर में गाय है।

अध्यापक : गाय एक पालतू जानवर है जो हमें दूध देती है। कुछ पालतू जानवरों के नाम बताइए।

छात्र : गाय, सांड, बैल, भैंस, कुत्ता, बिल्ली आदि पालतू जानवर हैं।

अध्यापक : अच्छा। क्या आप लोग जंगली जानवरों के बारे में जानते हैं?

छात्र : हाँ हाँ, हाथी, बाघ आदि जंगली जानवर हैं।

अध्यापक : बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है। शेर भी भारत में पाए जानेवाले एक जंगली जानवर है। तेंदुआ भारत में लगभग सभी जगह पाया जाता है। हाथियों को भारत में बहुत ही सम्मान और प्यार की नज़रों से देखा जाता है।

छात्र : जब हम लोग पिकनिक में मैसूर के बन्दीपुर गए थे, तब हिरन तथा बंदरों को देखा था।

अध्यापक : ठीक है। अब हम कुछ पक्षियों के बारे में भी सीखेंगे।

छात्र : मैंने कबूतर, तोता आदि को देखा है।

अध्यापक : ठीक है। तोता दुनिया के सबसे सुंदर चिडियों में से एक है। कबूतर भी बहुत सुंदर पक्षी है, वह हमेशा झुंड में पाए जाते हैं। कोयल दुनिया के सभी देशों में पाये जाते हैं। चील, बतख, कठफोडवा, उल्लू, मैना, तीतर आदि भारत में पाये जानेवाली पक्षीयाँ हैं।

भारत के मेले एवं त्योहार

छात्र : नमस्कार सर।

अध्यापक : नमस्कार। आज हम भारत के कुछ मेले एवं त्योहारों के बारे में सीखेंगे।

छात्र : ठीक है।

अध्यापक : कुछ त्योहारों के नाम बताइए।

छात्र : केरल में ओणम, विषू, क्रिसमस, ईद आदि त्योहार मनाते हैं।

अध्यापक : ठीक है। क्या आप भारत के अन्य राज्यों के विशेष त्योहारों के नाम जानते हैं?

छात्र : होली, पोंगल.....

अध्यापक : हाँ हाँ, दीपावली, नवरात्रि, दशहरा, जन्माष्टमी आदि अनेक उत्सव और भी हैं। क्या आप लोगों

ने कुंभ मेला के बारे में सुना है?

छात्र : जी सर, सुना है। पोंगल के बारे में भी सुना है।

अध्यापक : महावीर जयंती, वसंत पंचमी, बुद्ध जयंती, स्वतंत्रता दिवस, गुरु पूर्णिमा, बिहु, गणतंत्र दिवस आदि उत्सव भी हमारे यहाँ धूम-धाम से मनाए जाते हैं।

छात्र : धन्यवाद सर।

पक्षी

स्कूल के अध्यापक विद्यार्थियों को लेकर चिडियाघर देखने गये। वहाँ एक ओर अनेक जंगली जानवर हैं तो दूसरी और तरह-तरह की चिड़ियाँ भी हैं।

पहले चिड़ियों के सेक्शन पहुँचे।

मीनू : देखा माया, वहाँ पेड पर एक कोयल कू कू कर रहा है।

माया : हाँ, उस पेड़ के नीचे जो तालाब है वहाँ एक ओर कुछ हंस तैर रहे हैं और दूसरी ओर देखो कुछ बतख भी है। तालाब के किनारे टिटहरी आवाज़ कर रहे हैं।

मीरा : देखो उस सूखे पेड पर, वो कठफोडावा है। वो अपनी चोंच से पेड को काट रहा है।

शीला : सामने देखो मीरा, उस पेड़ पर एक उल्लू बैठा है।

अंजू : अरे यहाँ आओ सर, इन झाडियों में देखो, कुछ बुलबुल चहक रहे हैं।

अनामिका : शुतुरमुर्ग केलिए अलग स्थान दिया गया है।

इशिका : कितने मोर है यहाँ और उन्हें देखने में कितना अच्छा लगता है।

कनिहा : देखो वहाँ कई तोत्ते हैं कितना सुन्दर है न। हरे रंग में लाल चोंच कितना सुन्दर लगता है।

दिया : वहाँ एक पेड़ पर चमगादड सिर नीचे लटकाये दिखाई पड़ते हैं।

नीना : मैना भी बहुत सुन्दर है जिसके काले रंग के देह में पीला चोंच बहुत सुन्दर लगता है। वहाँ कबूतर कौए चकोर बगुला आदि चिड़ियाँ भी हैं।

जानवर

चिडियाघर के एक ओर कई जानवर भी हैं, जिनमें जंगली जानवर और पालतू जानवर हैं।

अरविन्द : जंगली जानवरों को कटहरे में बन्द करके रख दिया गया है। वह बाघ और दूसरी ओर शेर, जिन्हें देखने में डर लगता है।

अशोक : चीता और भालू अपने-अपने कटहरे में सो रहे हैं।

आनन्द : लोमड़ी और सियार आकार में समान है।

किरण : यहाँ ऊँट गधा 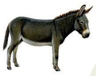 भैंस गाय और बैल कुत्ते भेड-बकरी आदि भी हैं।

किशन : जंगल में सब से तेज़ गति से दौड़ने वाला चीता भी एक ओर है।

इशान : भारी देहवाले गेंडे के लिए यहाँ अलग स्थान है।

विष्णु : दरियाई घोड़ा और घडियाल केलिए पानी से भरा तालाब भी है।

सायंत : पेड पर बन्दर है, जो एक से दूसरे पर कूद रहे हैं।

उत्सव और मेले

अध्यापक : भारत में अनेक प्रकार के उत्सव और मेले मनाये जाते हैं। कौन बताएगा उत्सवों के बारे में?

हरि : जी, मैं केरल के ओणम के बारे में बताऊँगा, ओणम मलयालम के चिङ्ङम के महीने में अत्तम से तिरुवोणम तक दस दिन मनाया जाता है। उन दिनों में घरों में फूलों की रंगोलियाँ सजायी जाती हैं। तिरुवोणम के दिन बड़ी दावत होती है और लोग नये कपड़े पहनते हैं।

जोबिन : मैं क्रिसमस के बारे में बताऊँगा। विश्वभर के लोग दिसंबर 25 को क्रिसमस मनाते हैं। ईसा मसीह के जन्म दिन की याद में क्रिस्मेस मानया जाता है।

अनूप : होली रंगों का त्योहार है और फागुन के महीने में मनाया जाता है। यह होलिका पर प्रह्लाद की विजय का सूचक है अर्थात बुराई पर भलाई की विजय।

अर्जुन : शिवरात्रि माघ के महीने मनाया जाता है। यह, भगवान शिव के नाम पर मनाया जानेवाला एक त्योहार है।

अरविन्द : दीपावली दीपों का उत्सव है और यह दशहरा के बीस दिन बाद (इक्कीसवें दिन) मनाया जाता है और दशहरा रावण पर राम की विजय की याद दिलानेवाला त्योहार है।

अब निम्नलिखित त्योहारों के बारे में एक अनुच्छेद लिखो

ओणम, दीपावली, होली, क्रिसमस, ईद

Critical Overview / अवलोकन

विविधताओं से भरे हमारे देश में विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये जाते हैं। ये उत्सव हमारी संस्कृति के अभिन्न अंग है। उसी तरह हमारे यहाँ विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षी पाये जाते हैं। इन सब के बारे में जानना एक तरह से भारत को जानना है।

Recap / पुनरावृत्ति

- भारत के उत्सवों की जानकारी
- भारत में पाये जाने वाले पशुओं की जानकारी
- भारत में पाये जाने वाले पक्षियों की जानकारी

Objective questions/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. कुछ पालतू जानवरों के नाम लिखिए।
2. भारत की राष्ट्रीय पक्षियों के नाम लिखिए।
3. कुछ जंगली जानवरों के नाम लिखिए।
4. भारत के राष्ट्रीय पशुयों के नाम लिखिए।
5. ओणम कहाँ मनाया जाता है?
6. भारत का स्वतंत्रता दिवस कब है?
7. गणतंत्र दिवस कब मनाया जाता है।
8. संसार के लगभग सभी जगहों में पाए जानेवाली चिड़िया का नाम क्या है?

Answers / उत्तर

1. कुत्ता, बिल्ली, गाय, बैल आदि
2. मोर
3. हाथी, शेर, बाघ आदि
4. बाघ
5. ओणम केरल में मनाया जाता है।
6. 15 अगस्त
7. 26 जनवरी
8. कौआ

Assignments/ प्रदत्त कार्य

1. भारत के पशु-पक्षियों तथा मेलों का विवरण।
2. होली के बारे में लिखिए।
3. चिडियाघर में अपने मित्रों के साथ संपन्न संभावित वार्तालाप तैयार कीजिए।
4. पालतू जानवर गाय का वर्णन करें।
5. निम्नलिखित कहानी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये

There were two frogs in the pond. They wanted to play. They saw two tree trunks in the pond.

They brought a rope. They tied it between the two trunks. They made a swing.

"Oh ! What a nice swing.", said one.

Oh Yes ! it is beautiful.", said the other.

After some time the swingmoved. "What's happening.", said one.

"Oh! the trunks are moving.", said the other.

"Oh! We are flying.". They looked upwards.

"Oh no !" The frogs cried together, "It's a crane, Help! Help! Help!"

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 2
पेशे तथा धंधे

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- विभिन्न प्रकार के उद्योग संबंधी जानकारी प्राप्त करते हैं
- विभिन्न प्रकार के पेशे संबंधी जानकारी प्राप्त करते हैं
- विभिन्न प्रकार के धंधे संबंधी जानकारी प्राप्त करते हैं

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

पेशा, धंधा, नौकरी आदि के बारे जानकारी प्राप्त करने के लिए उसकी आवश्यकताओं को समझना है। छात्र अपने माँ-बाप,रिश्तेदारों और समाज के अन्य लोगों के नौकरी के बारे में जानते हैं। पेशा चुनने में व्यक्तिगत रुचि और कौशल का महत्वपूर्ण योगदान होता है। हर किसी नौकरी के लिए आवश्यक योग्यता और कौशल प्राप्त करना आवश्यक है।इसी प्रकार धंधा के लिए बाजार अनुसंधान करना आवश्यक है ताकि ग्राहकों की जरूरतों को समझा जा सके। नौकरी में आगे बढ़ने के लिए निरंतर शिक्षा और प्रशिक्षण आवश्यक है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

पेशा, धंधा, नौकरी, उद्योग

Discussion / चर्चा

समाज में लोग विभिन्न प्रकार के उद्योग-धंधों में संलग्न हैं। अपनी आजीविका के लिए मनुष्य कोई न कोई नौकरी करते हैं। समाज में किन-किन प्रकार की नौकरियाँ उपलब्ध हैं यह जानना प्रत्येक छात्र के लिए अनिवार्य है।

छात्र : नमस्कार सर।

अध्यापक : नमस्कार। आज हम विभिन्न पेशे या धंधों के बारे में पढ़ेंगे। कोई भी व्यक्ति हर क्षेत्र का विशेषज्ञ नहीं हो सकता। इसलिए हमें दूसरे क्षेत्रों से विशेष व्यक्तियों की सेवाओं की आवश्यकता पड़ती है। उदाहरण केलिए हमें अपने इलाज केलिए डॉक्टर की और कानूनी सलाह केलिए वकील के सहयोग की आवश्यकता पड़ती है। ये सभी व्यक्ति भिन्न-भिन्न पेशे से जुड़े लोग हैं। प्रत्येक पेशे का मुख्य उद्देश्य सेवा प्रदान करना होता है। कुछ पेशों का नाम बताइए।

छात्र : वकील, डॉक्टर, इंजिनीयर, बेकर, लोहार आदि।

अध्यापक : ठीक है। कुछ अन्य पेशों के नाम भी हम सीखेंगे। मुनीम, शिल्पकार, कलाकार, चित्रकार, लेखक, नाई, पानविक्रेता, ठठेरा, दलाल, कसाई, नौकर, बढ़ई, रसायनज्ञ, सफाईवाला, लिपिक, मोची, ठेकेदार, सिपाही, कुली, रसोइया, नाटककार, संपादक, किसान, मछुआ, सुनार, निरीक्षक, जौहरी, मिस्त्री, दूधवाला, संगीतकार, नर्स,चित्रकार, कुम्हार, पुजारी, दुकानदार आदि देशों के विभिन्न पेशे व धंधों के उदाहरण है।

छात्र : नाई क्या काम करता है सर?

अध्यापक : नाई बारबर को कहते हैं, जो लोगों के केश काटता है।

छात्र : ठठेरा कौन है सर?

अध्यापक : कारीगरों को ठठेरा कहते हैं। जिनका पारंपरिक व्यवसाय पीतल और तांबे का बर्तन बनाना है। अच्छा बताओं मोची के बारे में जानते हो?

छात्र : हाँ सर चमडे का जूता बनाने वाला है ना।

अध्यापक : हाँ ठीक। इसी तरह मछली पकडनेवाले को मछुआ कहते हैं, सोने के अभूषण बनानेवाले को सुनार, लकडी का काम करनेवाले को बढ़ई और रत्न और मोती का व्यापार करनेवाले को जौहरी तथा विभिन्न औजारों का मरमत करनेवाले को मिस्त्री या मेकानिक कहते हैं। इस तरह समाज में बहुत से पेशे हैं जिनके बारे में जानकारी प्राप्त करना अनिवार्य हैं।

छात्र : सर कार्यालयी नौकरियाँ भी है ना?

अध्यापक : हाँ जरूर है। लिपिक, टंकक, प्रबंधक, निरीक्षक, संपादक आदि

छात्र : धन्यवाद सर।

Critical Overview / अवलोकन

समाज में लोग विभिन्न प्रकार के उद्योग-धंधों में संलग्न है जिनके सहारे वे अपनी आजीविका चलाते हैं। इनमें कुछ पारंपरिक धंधों हैं, कुछ कार्यालयी कुछ सेवा संबंधी और कुछ व्यापार से जुड़ हुए। इन सबकी जानकारी प्रप्त करना प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य है।

Recap / पुनरावृत्ति

- विभिन्न प्रकार के धंधे और नौकरियाँ
- पारंपरिक व्यवसाय
- कार्यालयी नौकरियाँ
- व्यापार

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. दूकान से जुड़े पेशे का नाम लिखिए।
2. मिट्टी के बर्तन से जुड़े पेशे या धंधे का नाम लिखिए।
3. शिल्प से जुड़े पेशे का नाम क्या है?
4. मंदिर से जुड़े पेशे का नाम लिखिए।
5. नाटक से जुड़े पेशे का नाम क्या है?
6. किन्हीं दो-दो पेशे व धंधों का नाम लिखिए।

Answers/ उत्तर

1. दूकानदार
2. कुम्हार
3. शिल्पी
4. पुजारी
5. नाटककार
6. अध्यापक, पानविक्रेता

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. विभिन्न पेशें तथा धंधों का विवरण।
2. कुछ पारंपरिक धंधों का परिचय दीजिए।
3. कला से जुडी नौकरियों का वर्णन।
4. कार्यालयी धंधों का परिचय दीजिए।
5. पत्र से जुडे नौकरी के बारे में लिखिए।
6. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

Mona's father has a farm in the village. Mona takes her friend Bala to the farm on a Sunday.

Mona : Look, Bala, this is our farm.These are our fields.

Bala : What do you grow here?

Mona : We grow crops like wheat, rice, gram and vegetables. See, that is my dog.

Bala : What is its name?

Mona : I call him Sheru. These are our cows.That is their shed.

Bala : How many cows do you have?

Mona : We have six cows and four bullocks.

Bala : Oh ! Look at the swing on the tree !

Mona : Yes, this is my swing. Come, we shall swing for some time.

Bala : Oh ! That will be so nice.

Mona : Here are some fresh tomatoes, peas and beans for you.

Bala : Thank you Mona. Your farm is lovely. I am happy to have come here. It's so quiet and everything looks green and beautiful. I love it.

Mona : Yes Bala, I often come here. Please come again.

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 3
अगर-तो तथा ताकि का प्रयोग

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- अगर-तो के प्रयोग की जानकारी प्राप्त करता है
- वाक्य संरचना में इससे आनेवाले परिवर्तन के बारे में जानता है
- योजक के रूप में ताकि का परिचय प्राप्त करता है
- ताकि के प्रयोग का ज्ञानार्जन प्राप्त होता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

हिन्दी भाषा और व्याकरण के बारे में समझने केलिए 'अगर...तो' और 'ताकि' का प्रयोग जानना जरूरी है। यह एक व्याकरणिक इकाई है। वाक्य में शर्त और उद्देश्य बताने के लिए 'अगर...तो' और 'ताकि' का प्रयोग किया जाता है। 'अगर...तो' का प्रयोग तब होता है जब एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर होत है। 'ताकि' का प्रयोग तब होता है जब एक क्रिया का उद्देश्य दूसरी क्रिया हो। 'तथा' का प्रयोग दो या दो से अधिक शब्दों या वाक्यों को जोड़ने के लिए किया जाता है।

Keywords / मुख्य बिन्दु

अगर-तो, यदि तो, ताकि

Discussion / चर्चा

अगर-तो तथा ताकि का प्रयोग

अगर-तो तथा ताकि समुच्चयबोधक अव्यय हैं। जो अव्यय शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्य खंडों को परस्पर मिलाते हैं वे समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं। हेतु हेतुमद् भूतकालीन क्रियाओं में अगर तो- का प्रयोग विशेष रूप से किया जाता है।

जैसे

- अगर वे आते तो मैं खुश होता।
- अगर तुम मेहनत करते तो तुम परीक्षा में पास हो जाते।
- अगर तुमने मुझसे कहा होता तो मैं तुम्हारे लिए दवाइयाँ खरीद लाता।
- मैं जल्दी स्टेशन नहीं पहूँचा। गाडी छूट गयी। इसे हेतु हेतुमद् भूतकाल में कैसे बदलेंगे यह देखें।

  अगर मैं जल्दी स्टेशन पहूँचता तो गाडी छूट नहीं जाती।
- मैंने अच्छी तरह नहीं पढा। मैं पास नहीं हो पाया।

  अगर मैं अच्छी तरह पढता तो पास हो जाता।
- मैं देर उठी। स्कूल बस नहीं मिली।

  अगर मैं देर से नहीं उठती तो स्कूल बस मिलता।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

'ताकि' का प्रयोग

जैसे

- सीता अच्छी पढती है ताकि वह प्रथम आ सके।
- राजू भागा ताकि वह रोहित के साथ चले।

ताकि संकेतवाचक समुच्चयबोधक का उदाहरण है।

जिस व्यधिकरण समुच्चयबोधक के द्वारा एक उपवाक्य में कोई संकेत या शर्त प्रकट हो और दूसरे में उसका फल या परिणाम व्यक्त हो उसे संकेतवाचक व्यधिकरणबोधक कहते हैं।

Critical Overview / अवलोकन

मैं जल्दी स्टेशन नहीं पहूँचा। गाडी छूट गयी।

अगर मैं जल्दी स्टेशन पहूँचता तो गाडी छूट नहीं जाती।

अगर तो का प्रयोग वाक्य में संभवना का आशय लाता है।

मैंने इंतजार किया ताकि उनसे मिल सकूं।

ताकि दो वाक्यों को जोड़ता है।

Recap / पुनरावृत्ति

- हम सिनेमा नहीं गए। मैं दुःखी हो गया
- अगर हम सिनेमा जाते तो मैं दुःखी नहीं होता
- मैं बीमार पडा। मैं परीक्षा नहीं लिख पाया
- अगर मैं बीमार नहीं पडता तो परीक्षा लिख पाता
- राजू तेज़ दौडा। उसे प्रथम स्थान पर आना था
- राजू तेज़ दौडा ताकि वह प्रथम आ सके।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. अगर-तो कौन सा अव्यय है?
2. ताकि किस अव्यय के अन्तर्गत आता है?
3. अगर तो का प्रयोग करके वाक्यों को मिलाइए।
   क. सीता ने अच्छी तरह नहीं पढा। वो परीक्षा हार गयी।

   ख. माँ ने खाना नहीं बनाया। मैं भूखा रहा।

   ग. अध्यापक नहीं आए। परीक्षा नहीं हुई।
4. ताकि का प्रयोग करके वाक्यों का प्रयोग करें।
   क. गोपाल ने ज़ोर से पुकारा। सब सुन सके।

   ख. नौकर ने मालिक से उधार मांगा। उसे बेटी की फीस भरनी थी।

Answers/ उत्तर

1. समुच्चयबोधक अव्यय
2. संकेतवाचक समुच्चयबोधक
3. **क.** अगर सीता ने अच्छी तरह पढा तो हार नहीं जाती।
   ख. अगर माँ खाना बनाती तो मैं भूखा नहीं रहता।
   ग. अगर अध्यापक आते तो परीक्षा होती।
4. **क.** गोपाल ने ज़ोर से पुकारा ताकि सब सुन सके।
   ख. नौकर ने मालिक से उधार मांगा तकि बेटी की फीस भर सके।

Assignments / प्रदत्त कार्य

1. समुच्चय बोधक या योजक का विस्तृत परिचय दीजिए।
2. भूतकाल के भेद हेतु हेतुमद् भूतकाल का परिचय दीजिए।
3. अगर तो का प्रयोग करके दस वाक्य लिखिए।
4. ताकि का प्रयोग करके दस वाक्य लिखिए।
5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिये

Manish was eight years old. He went to school everyday. One day on his way back home he stopped near a tree to take some rest. There, he saw a baby bird under a tree. It was very small and unable to fly. It was making a strange sound. Perhaps it was crying. Manish was very kind and helpful. So, he thought to help the baby bird. He looked up and saw a nest on the tree. Two little birds were playing in it. Manish picked up the baby bird and climbed up on the tree. He carefully put the baby bird back in its nest. The three baby birds were together again. Just then the mother bird returned. She sang a song to thank Manish for his help. Manish waved to the birdsand went back home happily

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

इकाई : 4
मनपसंद फिल्म के बारे में

Learning Outcomes / अध्ययन परिणाम

- अपने मनपसंद फिल्म के बारे में वर्णन करने की क्षमता प्राप्त करता है
- फिल्म के पात्रों के बारे में एवं उनके चरित्र के बारे में अपनी भाषा में बताने की क्षमता प्राप्त करता है
- रोजमर्रा की जिंदगी में आनेवाले विभिन्न भाषा प्रयोगों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है
- एक दूसरे से संवाद करने में क्षमता हासिल करता है

Prerequisites / पूर्वापेक्षा

फिल्म मनोरंजन के साथ -साथ ज्ञान प्रदायिनी भी है। सिनेमा देखना सब लोग पसंद करते हैं। अपने मन पसंद सिनेमा के बारे में बातें करना कुछ अधिक मज़ा की बात है। क्योंकि पसंदीता विषय की याद करने का अवसर मिलता है, मन आनंदपूर्ण बन जाता है। प्रस्तुत चर्चा के द्वारा दूसरों को वह सिनेमा देखने की प्रेरणा मिलती है। सिनेमा प्रेमियों केलिए भाषा कोई बाधा नहीं है। इस इकाई में हम कुछ सिनेमाओं का नाम ,अभिनेता और संवाद से चर्चा करें।

Keywords / मुख्य बिन्दु

मनपसंद फिल्म, पात्र, चरित्र-चित्रण, फिल्म की कहानी, चरम सीमा

Discussion / चर्चा

फिल्म सबसे लोकप्रिय विधा है जिसे बिना किसी भेदभाव के सभी पसंद करते हैं। फिल्म देखने के बाद हम दूसरों से उसकी कहानी बताते भी हैं।

अध्यापक : आपने छुट्टियों में क्या-क्या किए?

छात्र 1 : मैं पापा के साथ दिल्ली गया।

छात्र 2 : मैंने वेकेशन क्लास में भाग लिया।

छात्र 3 : मैंने कई फिल्में देखीं।

छात्र 1 : मैंने भी देखीं दो फिल्मे।

अन्य छात्र : मैंने भी सिनेमा देखा।

मैने भी ....

अध्यापक : अच्छा तो अब सब अपने मनपसंद फिल्म के बारे में बताइए। सबसे पहले कौन आयेगा?

छात्र 3 : मैं बताऊँगा। मैंने पठान फिल्म देखी है।

अध्यापक : अच्छा उसमें नायक कौन है?

छात्र 3 : जी नायक है शाहरूखां और नायिका है दीपिका पदुकोण।

अध्यापक : अच्छा कहानी सुनाइए।

Critical Overview / अवलोकन

किसी मनपसंद फिल्म के बारे में

अध्यापक छात्रों को फिल्मों के चयन करने का अवसर देते हैं। वे अपने मनपसंद कोई फिल्म के बारे में चर्चा करते हैं। वे उस फिल्म के पात्रों के बारे में कहते हैं।

वे उन फिल्मों की आलोचना एवं विश्लेषण कर करते हैं। फिल्मों के पात्र एवं रंग शिल्पों के बारे में अध्यापक और विद्यार्थियों में चर्चा होती है।

नीचे बॉलीवुड के कुछ प्रसिद्द डायलॉग अंग्रेज़ी में दिए गए हैं। उनके सही हिन्दी डायलॉग लिखिए

Mogambo is happy

I am my own favourite

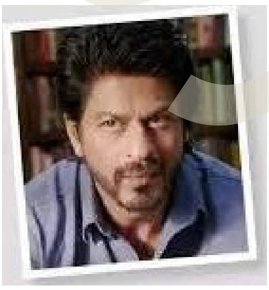

If you can't cry openly then how will you be able to laugh openly

: Today I have bungalow, car, bank balance, what do you have?

: I have mother

There can only be one goon on each team and I'm the goon on this team

How many men were there

what do you know the value of a pinch of vermilion

My Friend The Film Isn't Over Yet

Tradition, prestige, discipline are the three pillars of this Gurukul.

I am not afraid of slap sir, I am afraid of love

Recap / पुनरावृत्ति

- मनपसंद फिल्मे
- फिल्म की कहानी
- फिल्म के मुख्य पात्र
- चरित्र-चित्रण
- आपको फिल्म क्यों अच्छी लगी।

Objective questions / वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. अमिताभ बच्चन किस भाषा की फिल्म से जुड़े हुए हैं?
2. मोहनलाल किस राज्य के निवासी हैं?
3. एक हिन्दी फिल्म का नाम लिखें।
4. रजनीकांत किस भाषा की फिल्म का नायक है?

Answers/ उत्तर

1. हिन्दी
2. केरल
3. 3 idiots
4. छात्र रजनीकांत के एकाध फिल्मों के बारे में कहते हैं। जैसे, पडयप्पा, पेट्टा, एंतिरन।

Assignments/ प्रदत्त कार्य

1. किसी एक मलयालम फिल्म की कहानी व पात्रों का वर्णन करें।
2. किसी एक हिन्दी फिल्म की कहानी व पात्रों का वर्णन करें।
3. किसी एक तमिल फिल्म की कहानी व पात्रों का वर्णन करें।
4. किसी एक अंग्रेजी फिल्म की कहानी व पात्रों का वर्णन करें।
5. निम्नलिखित कहानी का हिन्दी में अनुवाद कीजिये

Mittu was a parrot. A green parrot with a red beak. One day Mittu was flying. He loved to fly. He looked down. He saw a big yellow mango on a tree. Mittu liked mangoes. "I want to eat that yellow mango," he said. He flew down to the tree. "Caw, caw, go away. This is my tree," said a voice Mittu looked up. He saw a big black crow. "Caw, caw, go, go,"the crow shouted. He had a very loud voice. Mittu was afraid of the crow. He flew away. 54 Mittu saw a red balloon. It was under a tree. He had an idea. He picked up the red balloon. He was careful not to burst it. He flew to the mango tree. The crow was sitting on the tree. Mittu went behind the tree. He pecked the balloon with his red beak. " Pop!" The balloon burst. It made a loud noise. "Caw!" said the crow. And he fell off the tree. "Caw, caw, a big gun is after me," said the crow. He flew away. He never came back to the tree. 55 Mittu came to the tree. He ate the big yellow mango. "Yummy yummy, what a nice mango!" he said. He was very happy. Clever Mittu!

Reference / सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. रोजमर्य हिन्दी : प्रोफः डी. पी. वनामामलाइ।
2. Everyday Hindi : डॉ सुंगोक होंग।
3. सरल सामान्य हिन्दी : रजीत कुमार त्रिपाठी।

MODEL QUESTION PAPER SETS

SGOU

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

QP CODE: ………　　　　　　　　　　Reg. No : ....

Name : ……..........

Model Question Paper- Set-I

FYUGP EXAMINATION- THIRD SEMESTER

ABILITY ENHANCEMENT COURSE

SGB24HD101AC- रोजमर्रा हिन्दी

(CBCS - UG)

2024-25 - Admission Onwards

Time: 2 HoursI　　　　　　　　　　**Max Marks: 45**

SECTION A

I किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए।　　　　**(5X1 = 5 Marks)**

1. हिन्दी में कितने स्वर वर्ण होते हैं?
2. Friday को हिन्दी में क्या कहते है?
3. किस महीने में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता हैं?
4. समय के पहचान कीजिए। 1.45 = ...?
5. राष्ट्रपतिभवन कहाँ स्थित है?
6. भारत के राष्ट्रीय पशु का नाम लिखिए।
7. रजनीकांत किस भाषा की फिल्म का नयक है?
8. कौन + को = ...?

SECTION - B

II किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।　　　　**(5X2 = 10 Marks)**

9. लिंग किसे कहते हैं?
10. जहाँ-वहाँ से कुछ वाक्य लिखिए।
11. वचन की परिभाषा लिखिए।
12. संज्ञा का परिभाषा दीजिए।
13. सप्ताह के दिनों की सूची बनाइए।
14. क्रिया की परिभाषा लिखिए।
15. 'क्यों', 'कैसे', 'किस प्रकार' आदि से वाक्य बनाइए।
16. भूतकाल और उसके भेद।

SECTION - C

III किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए।　　　　**(4X5 = 20 Marks)**

17. किसी दर्शनीय स्थान के बारे में एक अनुछेद लिखिए।
18. होली के बारे में लिखिए।

19. कार्यालयी धंधों की परिचय दीजिए।

20. एक यात्रा कार्यक्रम की योजना तैयार कीजिए।

21. 'चाहिए' का परिचय लिखिए।

22. महीनों के नाम लिखिए।

SECTION - D

IV किसी एक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **(1X10 = 10 Marks)**

23. 'कब', 'क्या', 'कितना' प्रश्न वाचक शब्दों के प्रयोग करके वार्तालाप लिखिए।

24. किसी भी मनपसंद मलयालम या हिन्दी फिल्म की कहानी लिखिए।

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

QP CODE: ……… Reg. No : ....

Name : ……..........

Model Question Paper- Set-II

FYUGP EXAMINATION- THIRD SEMESTER

ABILITY ENHANCEMENT COURSE

SGB24HD101AC- रोजमर्रा हिन्दी

(CBCS - UG)

2024-25 - Admission Onwards

Time: 2 HoursI **Max Marks: 45**

SECTION A

I किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(5X1 = 5 Marks)**

1. गाय दूध देती है। इस वाक्य में कर्ता कौन-सा है?
2. हिन्दी में कितने व्यंजन वर्ण होते हैं?
3. वह क्या करता है? (तात्कालिक वर्तमानकाल में बदलिए?)
4. मैं पढ़ रहा हूँ। (संदिग्ध वर्ततमान काल में बदलिए?)
5. राष्ट्रपतिभवन कहाँ स्थित है?
6. संसदभवन कहाँ स्थित है?
7. जयपुर किस राज्य की राजधानी है?
8. ‘इमली’ नामक शब्द का स्वर वर्ण कौन-सा है?

SECTION - B

II किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए। **(5X2 = 10 Marks)**

9. स्वर क्या है? कितने होते है?
10. सप्ताह के दिनों की सूची बनाइए।
11. वचन की परिभाषा लिखिए।
12. निम्न लिखित क्रियाओं को सामान्य वर्तमान काल में बदलिए। आ, पढ़, चल, दौड़
13. निम्न लिखित क्रियाओं को तात्कालिक वर्तमान काल में बदलिए। जा, कर, ला, ले
14. निम्न लिखित क्रियाओं को संदिग्ध वर्तमान काल में बदलिए। बेच, गा, सुन, बोल, देख
15. सर्वनाम का परिचय दीजिए।
16. विशेषण की परिभाषा दीजिए।

SECTION - C

III किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए। **(4X5 = 20 Marks)**

17. हिन्दी में वर्ण कितने प्रकार के होते हैं वे क्या क्या हैं?

18. गर्मी की छुट्टियों में आप कहाँ गए इसके बारे में मित्र से हुए संभावित वार्तालाप तैयार करें।
19. सक, चुक, पा आदि का प्रयोग करके दस-दस वाक्य लिखिए।
20. किसी दर्शनीय स्थान के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।
21. अपने मनपसंद भोजन की रेसिपी लिखिए।
22. एक अध्यापक के एक दिन की दिनचर्या लिखिए।

SECTION - D

IV किसी एक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **(1X10 = 10 Marks)**

23. गर्मी की छुट्टियों में आप कहाँ गए इसके बारे में मित्र से हुए संभावित वार्तालाप तैयार करें।
24. किसी एक मलयालम फिल्म की कहानी व पात्रों का वर्णन करें।

NO TO DRUGS

തിരിച്ചിറങ്ങാൻ പ്രയാസമാണ്

NO TO DRUGS

ആരോഗ്യ കുടുംബക്ഷേമ വകുപ്പ്, കേരള സർക്കാർ

SGOU

സർവ്വകലാശാലാഗീതം

വിദ്യയാൽ സ്വതന്ത്രരാകണം
വിശ്വപൗരരായി മാറണം
ഗ്രഹപ്രസാദമായ് വിളങ്ങണം
ഗുരുപ്രകാശമേ നയിക്കണേ

കൂരിരുട്ടിൽ നിന്നു ഞങ്ങളെ
സൂര്യവീഥിയിൽ തെളിക്കണം
സ്നേഹദീപ്തിയായ് വിളങ്ങണം
നീതിവൈജയന്തി പാറണം

ശാസ്ത്രവ്യാപ്തിയെന്നുമേകണം
ജാതിഭേദമാകെ മാറണം
ബോധരശ്മിയിൽ തിളങ്ങുവാൻ
ജ്ഞാനകേന്ദ്രമേ ജ്വലിക്കണേ

കുരീപ്പുഴ ശ്രീകുമാർ

SREENARAYANAGURU OPEN UNIVERSITY

Regional Centres

Kozhikode
Govt. Arts and Science College
Meenchantha, Kozhikode,
Kerala, Pin: 673002
Ph: 04952920228
email: rckdirector@sgou.ac.in

Thalassery
Govt. Brennen College
Dharmadam, Thalassery,
Kannur, Pin: 670106
Ph: 04902990494
email: rctdirector@sgou.ac.in

Tripunithura
Govt. College
Tripunithura, Ernakulam,
Kerala, Pin: 682301
Ph: 04842927436
email: rcedirector@sgou.ac.in

Pattambi
Sree Neelakanta Govt. Sanskrit College
Pattambi, Palakkad,
Kerala, Pin: 679303
Ph: 04662912009
email: rcpdirector@sgou.ac.in

रोजमर्रा हिन्दी

COURSE CODE: SGB24HD101AC

Sreenarayanaguru Open University
Kollam, Kerala Pin- 691601, email: info@sgou.ac.in, www.sgou.ac.in Ph: +91 474 2966841

ISBN 978-81-988379-7-4

SGOU